ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जाति जनगणना के मद्देनजर वोक्कालिगा समुदाय की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 21 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-260

डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा पर लगाई 88 लाख की सालाना फीस

वाशिंगटन, 20 सितंबर (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (19 सितंबर 2025) देर रात एक आदेश पर हस्ताक्षर किया, जिसमें एच1बी वीजा आवेदनों पर 100,000 (88 लाख) की भारी-भरकम अतिरिक्त सालाना फीस लगाई गई। नई फीस नए आवेदनों के लिए तुरंत लागू हो गई है और रिन्यूअल के लिए 21 सितंबर, 2025 को सुबह 12:01 बजे से लागू होगी।

व्हाइट हाउस ने कहा कि एच1बी वीजा सिस्टम में 'सिस्टमिक दुरुपयोग' पर रोक लगाने के लिए फीस बढ़ाई गई है। आदेश में कहा गया कि विदेशी एस टीईएम श्रमिकों की आमद का मुख्य कारण एच1बी वीजा का दुरुपयोग रहा है। इसमें दावा किया गया कि अमेरिकी कंपनियाँ अमेरिकी कर्मचारियों को निकालकर कम वेतन पर एच1बी वीजा धारकों को रख रही हैं।

ट्रंप के कार्यकारी आदेश में कहा गया कि खास तौर पर सूचना प्रौद्योगिकी फर्मों ने एच1बी सिस्टम का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया है, जिससे कंप्यूटर से जुड़े क्षेत्रों में अमेरिकी कर्मचारियों को काफी नुकसान हुआ है।एच1बी वीजा पहले से ही महँगा है, जिसकी लागत 1,700 से 4,500 डॉलर तक है। जो इसकी तेज प्रोसेसिंग पर निर्भर करता है। अब इसमें 100,000 डॉलर (लगभग 88 लाख) की अतिरिक्त फीस जुड़ेगी। यह फीस

भारतीयों पर होगा सबसे ज्यादा असर
कंपनियों ने कर्मचारियों को 24 घंटे में लौटने को कहा

नियोक्ता देते हैं, जो इसे बिजनेस खर्च मानते हैं। आदेश के मुताबिक,एच1बी वीजा के नए या नवीनीकरण आवेदन के साथ 100,000 डॉलर की अतिरिक्त फीस देनी होगी, वरना आवेदन खारिज हो जाएगा। यह फीस 12 महीने तक लागू रहेगी, जब तक इसे बढ़ाया न जाए।

आदेश में कहा गया, अमेरिका से बाहर मौजूद किसी विदेशी के लिए एच1बी याचिका दाखिल करने से पहले, नियोक्ताओं को यह साबित करने वाला दस्तावेज रखना होगा कि इस आदेश में बताई गई 100000 डॉलर की फीस का भुगतान किया गया है।

यह बढ़ी हुई फीस कंपनियों के लिए एच1बी वीजा पर विदेशी कुशल श्रमिकों को रखना लगभग असंभव बना देती है, क्योंकि यह फीस एच1बी वीजा धारक के औसत वेतन से भी ज्यादा है। केवल कुछ शीर्ष कंपनियाँ ही अपने सबसे मूल्यवान विदेशी कर्मचारियों के लिए इतनी भारी राशि दे सकती हैं। मध्यम स्तर की कंपनियाँ विदेशियों को रखना पूरी तरह बंद कर देंगी और बड़ी कंपनियाँ भी शायद कुछ ही विदेशियों को रखेंगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश में कहा गया कि 100000 डॉलर की फीस नए या रिन्यूअल फॉर्म के समय देनी होगी, यानी यह सालाना फीस है। वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने भी इसे सालाना फीस बताया। इसलिए अगर कोई कंपनी 6 साल (एच1बी वीजा की अधिकतम वैधता) तक विदेशी कर्मचारी रखती है, तो उसे 600,000 डॉलर की भारी फीस देनी होगी।

इस कदम से भारत को सबसे ज्यादा नुकसान होगा, क्योंकि एच1बी वीजा धारकों में लगभग 70% भारतीय हैं। करीब 3 लाख भारतीय वर्तमान में अमेरिका में एच1बी वीजा पर काम कर रहे हैं, खासकर आई टी, इंजीनियरिंग और हेल्थकेयर क्षेत्रों में। एच1बी वीजा को प्रायोजित करने वाली टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी भारतीय कंपनियों को अरबों रुपये का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है, जिससे हजारों ऑफशोर नौकरियाँ खतरे में पड़ सकती हैं।

इसी तरह गूगल, अमेजन, मेटा, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल जैसी वैश्विक टेक कंपनियाँ जो भारत और अन्य देशों से कुशल कर्मचारियों को रखने के लिए इस वीजा प्रोग्राम पर निर्भर हैं, उन्हें भी बड़ा झटका लगेगा। यह अनुमान है कि कंपनियाँ कई एच1बी वीजा को उनकी समाप्ति के बाद रिन्यू नहीं करेंगी और प्रभावित लोग अपने देश लौट जाएँगे। नतीजतन भारतीय एच1बी कर्मचारियों से आने वाली रेमिटेंस जो पिछले साल 37 बिलियन थी, वो कुछ महीनों में तेजी से कम हो सकती है। ▶10पर

एच-1बी वीजा वाले कर्मचारियों को कंपनियों की वॉर्निंग
24 घंटे में अमेरिका वापस आ जाएं

वाशिंगटन, 20 सितंबर (एजेंसियां)।
ट्रम्प प्रशासन द्वारा नए शुल्कों की घोषणा के बाद माइक्रोसॉफ्ट, जेपी मॉर्गन और अमेज़न ने अपने एच-1बी वीज़ा धारक कर्मचारियों को अमेरिका न छोड़ने की सलाह दी है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेज़न ने एक आंतरिक पत्र में एच-1बी और एच-4 वीज़ा धारक सभी कर्मचारियों को 21 सितंबर, पूर्वी समय क्षेत्र के अनुसार सुबह 12 बजे तक अमेरिका लौटने को कहा है - जिस दिन डोनाल्ड ट्रम्प ▶10पर

वीजा पर ट्रंप के फैसले के बाद एक्शन में आई मोदी सरकार

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।
एच-1बी वीजा को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए शुल्क और सख्त नियमों की घोषणा पर भारत सरकार ने संतुलित प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में इस कदम को दोनों देशों के आर्थिक हितों को प्रभावित करने वाला बताया गया है, साथ ही उम्मीद जताई है कि उद्योग और नीति निर्माता मिलकर इसका समाधान निकालेंगे। इसके साथ ही फैसले से प्रभावित होने वाले पेशवरों के परिवारों पर पड़ने वाले मानवीय प्रभावों को दूर करने ▶10पर

गुजरात को पीएम मोदी ने दी 34200 करोड़ की सौगात, बोले
चिप से शिप तक का भारत में करेंगे निर्माण

भावनगर, 20 सितंबर (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के भावनगर में 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहाँ पीएम मोदी ने 34,200 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएँ समुद्री क्षेत्र, ऊर्जा, राजमार्ग, स्वास्थ्य और शहरी विकास से संबंधित हैं, जो न केवल गुजरात बल्कि पूरे देश के समग्र विकास को गति प्रदान करेंगी। पीएम मोदी ने भावनगर से जनता को संबोधित किया।

पीएम मोदी ने कहा, ये कार्यक्रम तो भावनगर में हो रहा है, लेकिन ये कार्यक्रम पूरे हिंदुस्तान का है। पूरे भारत में समुद्र से समृद्धि से जाने की ओर हमारी दिशा क्या है, उसके लिए आज इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का केंद्र भावनगर को चुना गया है। गुजरात और भावनगर के लोगों को बहुत बहुत बधाई।

पीएम मोदी ने अपने जन्मदिन पर मिली शुभकामनाओं पर आभार जताते हुए कहा, 17 सितंबर को आप सबने अपने नरेन्द्र भाई को जो शुभकामनाएँ भेजी हैं, देश और दुनिया से जो मुझे शुभकामनाएँ मिली हैं व्यक्तिगत तौर पर सबका धन्यवाद करना संभव नहीं है, लेकिन भारत के कोने-कोने से, विश्वभर से ये जो प्यार मिला है, आशीर्वाद मिले हैं। ये मेरी बहुत बड़ी संपत्ति है, ये मेरी बहुत बड़ी ताकत है। इसलिए मैं आज सार्वजनिक रूप से देश और दुनिया के सभी महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

पीएम मोदी ने कहा, भारत आज वैश्विक बंधुत्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। दुनिया में कोई भी बड़ा दुश्मन नहीं है। हमारा असली दुश्मन दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता है। हम सभी को इस निर्भरता को दूर करने के लिए प्रयास करना चाहिए, क्योंकि हम विदेशी देशों पर जितना अधिक निर्भर होंगे, हमारा देश उतना ही अधिक असुरक्षित होगा।

पीएम मोदी ने कहा, आज मैं ऐसे समय में भावनगर आया हूँ, जब नवरात्रि का पर्व शुरू होने वाला है। इस बार जीएसटी में कमी की वजह से बाजारों में रौनक भी ज्यादा रहने वाली है। और ये उत्सव के इसी माहौल में आज हम समुद्र से समृद्धि का महा-उत्सव मना रहे हैं। 21वीं सदी का भारत आज समुद्र को बहुत बड़े अवसर के रूप में देख रहा है। थोड़ी देर पहले यहाँ बंदरगाह आधारित विकास को गति देने के लिए हजारों करोड़ रुपए का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया है। पीएम मोदी ने कहा, भारत आज विश्वबंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। सच्चे अर्थ में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। यही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है और हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना ही होगा।

पीएम मोदी ने कहा, भारत में क्षमता की कभी कोई कमी नहीं रही। लेकिन कॉन्ग्रेस ने देश की क्षमता को लगातार नजरअंदाज किया। यही कारण है कि आजादी के छह-सात दशक बाद भी भारत वह हासिल नहीं कर पाया जिसका वह हकदार था। इसके दो प्रमुख कारण थे। कॉन्ग्रेस ने लंबे समय तक देश को लाइसेंस राज में फँसाए रखा और वैश्विक बाज़ारों से अलग-थलग रखा।

बाद में, जब वैश्वीकरण का दौर शुरू हुआ, तो उसने सिर्फ आयात का रास्ता अपनाया और फिर भी हजारों करोड़ रुपए के घोटाले किए। ऐसी नीतियों के जरिए कॉन्ग्रेस ने हमारे देश के युवाओं को बहुत नुकसान पहुँचाया।

पीएम मोदी ने कहा, भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कॉन्ग्रेस ने भारत के हर सामर्थ्य को नजरअंदाज किया, ▶10पर

दादा साहेब फालके अवॉर्ड से सम्मानित होंगे साउथ एक्टर मोहनलाल
पीएम नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

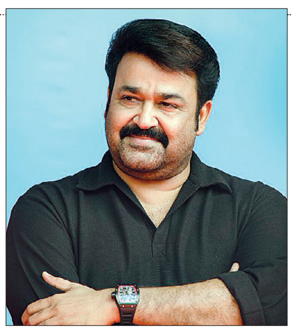

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।
साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर एक्टर मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया जाएगा। ये अवॉर्ड उन्हें 23 सितंबर 2025 को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में दिया जाएगा। मोहनलाल की अद्भुत फिल्मी जर्नी और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए उन्हें इस अवॉर्ड से सम्मानित किया जा रहा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। ये अवॉर्ड भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है, जो उन दिग्गजों को दिया जाता है जिन्होंने अपने काम से इंडस्ट्री में नई ऊंचाइयां तय की हों। अब मोहन लाल इसके हकदार हैं। इसकी जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसार मंत्रालय ने ट्वीट करते हुए लिखा, दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड चयन समिति की सिफारिश पर, ▶10पर

खालिस्तानियों पर अब होगा एक्शन डोभाल से मिलीं कनाडा की एनएसए

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।
भारत और कनाडा ने द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय लिखने के लिए साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है। इसमें आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए मिलकर काम करना भी शामिल है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और उनके कनाडाई समकक्ष नाताली ड्रोइन ने 2023 में एक सिख अलगाववादी की हत्या को लेकर राजनयिक विवाद के बाद खराब हुए द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करते हुए गुरुवार को नई दिल्ली में विस्तृत बातचीत की।

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इस बातचीत के मुख्य परिणामों की जानकारी

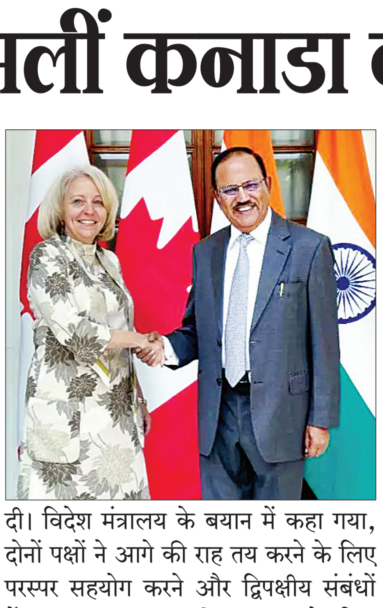

दी। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, दोनों पक्षों ने आगे की राह तय करने के लिए परस्पर सहयोग करने और द्विपक्षीय संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कनाडा के कनानैस्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन के मौके पर अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी से मुलाकात की थी। इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए सहयोगी कदम उठाने पर सहमति जताई थी। बहरहाल, विदेश मंत्रालय ने डोभाल-ड्रोइन की बातचीत के बारे में कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष कार्नी के बीच हुई बातचीत को आगे बढ़ाने का भी एक अवसर था।बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने राजनीतिक नेतृत्व के शीर्ष स्तर पर विश्वास बहाल करने और सहयोग बढ़ाने की गति की जरूरत को स्वीकार किया। ▶10पर

बुलेट ट्रेन पर खुशखबरी!
ट्रैक निर्माण की बाधा हुई दूर आ रहा समंदर का सिकंदर

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)।
अहमदाबाद से मुंबई बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की सबसे बड़ी बाधा दूर हो गई है। इसके साथ ही इस पूरे प्रोजेक्ट के समय पर पूरे होना लगभग तय हो गया है. यह ऐसी मशीन थी, जिसकी वजह से

प्रोजेक्ट का काम अटक सकता था। कुछ हिस्से में बनने वाली टनल का काम शुरू नहीं किया जा सकता था। बाधा दूर होने की सूचना खुद रेल मंत्री पश्चिमी वैष्णो ने मुंबई में बुलेट ट्रेन चैनल के ब्रेक थ्रू के मौके पर दी। मुंबई अहमदाबाद कॉरिडोर पर कोरिडोर मुंबई के बांद्रा कुर्ला कांप्लेक्स में बना रहे मुंबई स्टेशन से शुरू हो रहा है. करीब 21 किलोमीटर लंबी टनल बन रही है। जिसमें से 7 किलोमीटर टनल समुद्र के अंदर बन रही है। और इसी टनल की खुदाई के लिए टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) की जरूरत थी, जो चीन से आनी थी। इसकी वजह से टनल के कुछ हिस्से का काम रुका हुआ था। रेल मंत्री ने बताया कि टीबीएम का इंतजार खत्म होने वाला है। यह चीन से डिस्पैच हो चुकी है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु
अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 23^0

कर्नाटक के 14 हिंदू मंदिरों में बढ़ा सेवा शुल्क
कांग्रेस सरकार के फैसले पर मचा बवाल, भाजपा ने की आलोचना

बेंगलुरु, 20 सितंबर (एजेंसियां)।
कर्नाटक सरकार ने मुजराई विभाग के अंतर्गत आने वाले 14 प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए सेवा शुल्क में वृद्धि कर दी है। जानकारी के अनुसार, विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने

कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर राज्य में हिंदू मंदिरों के लिए बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया है। मुजराई विभाग ने एक आदेश के माध्यम से कहा कि 14 मंदिरों में सेवा शुल्क में वृद्धि 1 अक्टूबर से लागू होगी। जानकारी के अनुसार, 14 मंदिरों में बेंगलुरु में श्री योगनरसिम्हा स्वामी मंदिर और श्री नंदी तीर्थ स्वामी मंदिर (मल्लेश्वरम), श्री विदुरश्वथ नारायण स्वामी मंदिर और चिक्कबल्लापुर में श्री भू नीला समता वेंकटरामनस्वामी मंदिर (तालकयालाबेट्टा), कुक्के श्री सुब्रह्मण्य मंदिर, श्री महालिंगेश्वर मंदिर (पुत्तूर), श्री महागणपति मंदिर (साउथडका), श्री सूर्य नारायणस्वामी मंदिर (मरोली) शामिल हैं। दक्षिण कन्नड़ में बेंगलुरु दक्षिण (रामनगर) में श्री अंजनेयस्वामी मंदिर (देवराहोसहल्ली), श्री हालु रामेश्वर मंदिर (देवपुरा, होसदुर्गा तालुक) और चित्रदुर्ग, रायचूर में श्री सुगुरेश्वरस्वामी मंदिर (देवसुगुर) और उडुपी में श्री दुर्गापरमेश्वरी मंदिर (मंदार्थी, ब्रह्मवर तालुक). कुक्के सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में लोकप्रिय अश्लेषा पूजा और नागर प्रतिष्ठा अनुष्ठानों का शुल्क 400 रुपये से बढ़ाकर अब 500 रुपये कर दिया गया है. अन्य सभी अनुष्ठानों के शुल्क में भी वृद्धि की गई है. इसके अलावा, सरकार ने मुजराई विभाग के अंतर्गत 34566 मंदिरों को अधिसूचित किया - श्रेणी 'ए' में 205, श्रेणी 'बी' में 193 और श्रेणी सी में 34168 मंदिर है. मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि सेवा शुल्क बढ़ाने का निर्णय संबंधित मंदिर प्रबंधन द्वारा लिया गया था और उनकी सिफारिशों के आधार पर सरकारी आदेश जारी किया गया था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कर्नाटक में मुजराई विभाग के अंतर्गत 35000 मंदिर हैं। प्रत्येक मंदिर का एक बोर्ड होता है जो इस ▶10पर

कैग रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा
दस साल में तीन गुना बढ़ा देश के 28 राज्यों का कर्ज

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी सीएजी की हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है जिसके मुताबिक, सभी 28 राज्यों का सार्वजनिक ऋण 10 वर्षों में तीन गुना बढ़ गया है। साल 2013-14 में जो कर्ज 17.57 लाख करोड़ रुपये था वह 2022-23 में 59.60 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह रिपोर्ट राज्यों के राजकोषीय स्वास्थ्य पर एक दशक का विश्लेषण हैं।

बता दें कि कर्ज के संबंध में यह रिपोर्ट कैग के संजय मूर्ति द्वारा राज्य वित्त सचिवों के सम्मेलन के दौरान जारी की गई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में 28 राज्यों का कुल सार्वजनिक ऋण (आंतरिक ऋण और केंद्र से ऋण एवं अग्रिम) 59,60,428 करोड़ रुपये था, या उनके संयुक्त सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2,59,57,705 करोड़ रुपये का 22.96 प्रतिशत रहा है। जीएसडीपी किसी राज्य की भौगोलिक सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी तैयार वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2022-23 के अंत में सबसे अधिक ऋण-से-जीएसडीपी अनुपात 40.35 प्रतिशत पंजाब में दर्ज किया गया, उसके बाद नागालैंड (37.15 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल (33.70 प्रतिशत) का स्थान रहा। सबसे कम अनुपात ओडिशा (8.45 प्रतिशत), महाराष्ट्र (14.64 प्रतिशत) और गुजरात (16.37 प्रतिशत) में दर्ज किया गया।

सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि 31 मार्च 2023 तक, आठ राज्यों की सार्वजनिक ऋण देनदारी उनके जीएसडीपी के 30 प्रतिशत से अधिक थी छह राज्यों की सार्वजनिक ऋण देनदारी उनके जीएसडीपी के 20 प्रतिशत से कम थी और शेष 14 राज्यों की सार्वजनिक ऋण देनदारी वित्त वर्ष 2022-23 में उनके संबंधित जीएसडीपी के 20 से 30 प्रतिशत के बीच थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022-23 में राज्यों का कुल कर्ज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 22.17 प्रतिशत था, ▶10पर

दो दिवसीय उड़ान प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

उड़ान केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने का सशक्त माध्यम: बबीता रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग, बेंगलूरु साउथ द्वारा 18 सितंबर को महावीर धर्मशाला में बी टू सी वर्टिकल के तहत पीटेक्स प्रायोजित दो दिवसीय उड़ान प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ किया गया। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण और साधर्मिक सहयोग का जीवंत उदाहरण बना। एक सौ बीस से अधिक उद्यमियों ने इसमें भाग लिया, जिनमें ज्वेलरी, फैशन, परिधान, गृह सज्जा और खाद्य पदार्थों से जुड़ी महिलाएँ शामिल थीं। विशेष बात यह रही कि पंद्रह प्रतिशत स्टॉल साधर्मिक बहनों के लिए आरक्षित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और नवकार महामंत्र के साथ हुई। सत्तर से अधिक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने उद्घाटन समारोह को गौरवशाली बना दिया। इस अवसर पर जीतो एपेक्स के पूर्व वाइस चेयरमैन एवं मुख्य अतिथि प्रकाश सिंघवी, जीतो बेंगलूरु चैप्टर के वाइस चेयरमैन महेन्द्र रांका, महेन्द्र जियानी, राजेन्द्र दाँतेवाड़िया, राजकुमारी कोठारी, मुख्य सचिव नितिन लूनिया, लेडीज विंग कन्वीनर प्रवीण सोफादिया, युवा विंग चेयरपर्सन मेहुल श्रीश्रीमाल और उनकी समिति, एपेक्स मेंटर ललिता गूलेचा, पूर्व अध्यक्षा निशा सामर और मधु दोषी, केकेजी जोन की महिला कन्वीनर पिंकी जैन, श्रमण आरोग्य एपेक्स कन्वीनर सुनीता गांधी, स्मॉल हाउसहोल्ड बिजनेस कन्वीनर बिंदु रायसोनी, नॉर्थ चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, सचिव रक्षा छाजेड़, सक्षम एपेक्स वाइस चेयरपर्सन मोनिका पिरगल, एपेक्स जॉब्स सेक्रेटरी भारती छाजेड़, माइनॉरिटी सेक्रेटरी कविता पोरवाल, जीतो हॉस्टल को-कन्वीनर चित्रा मेहता और अनेक गणमान्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने किया। अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि उड़ान केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपनी पहचान बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने गर्व से बताया कि कई उद्यमियों ने अपनी यात्रा यहीं से शुरू की और आज वे स्थापित व्यवसायी हैं। कुछ तो ऐसे हैं जो अब उड़ान के प्रायोजक भी बन गए हैं। बबीता रायसोनी ने जोर देकर कहा कि उड़ान का उद्देश्य लाभ नहीं, बल्कि महिलाओं को आगे बढ़ाना और समाज में परिवर्तन की चिंगारी जगाना है। उड़ान के टाइटल स्पान्सर पीटेक्स, सहप्रायोजक रिश्ते थे सिल्वर स्टूडियो और पारस पैकेजिंग एंड कंपनी थे। फूड स्पान्सर के रूप में एमके सिल्क क्रिएशंस के महेंद्र जियानी, एसोसिएट पार्टनर भवरलाल संचेती की फूटरी बाय पूर्णिमास और स्ट्रीट ला ला ला, गिफ्ट पार्टनर के रूप में गिफ्टॉलॉजी और डेकॉर पार्टनर मोमेंट्स फॉरएवर के रिकिता गांधी का अभिनंदन, उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि का परिचय सह संयोजिका चन्द्रा जैन और रिश्ते थे सिल्वर स्टूडियो का परिचय सह संयोजिका संगीता सियाल ने किया। मुख्य अतिथि प्रकाश सिंघवी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि उड़ान वह मंच है जहाँ पूरा जैन परिवार एकजुट होकर महिला उद्यमिता को नई दिशा देता है। उन्होंने महिला उद्यमियों के आत्मविश्वास को साड़ी की गरिमा से जोड़ते हुए एक सुंदर काव्यपाठ प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। जीतो बेंगलूरु साउथ के मुख्य सचिव नितिन लूनिया ने कहा कि उड़ान जीतो का फ्लैगशिप प्रोग्राम है जो सेवा, शिक्षा और आर्थिक सुदृढ़ता के तीन स्तंभों पर खड़ा है। इस मंच ने हर वर्ग की महिलाओं को व्यापारिक कौशल दिखाने का अवसर प्रदान किया है। केकेजी जोन जेएलडब्ल्यू की संयोजिका पिंकी जैन ने कहा कि उड़ान वास्तव में अनूठी और अभिनव पहल है, जो महिलाओं को मंच देने के साथ-साथ पूरे समाज को प्रेरित करती है। उन्होंने बबीता और उनकी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस आयोजन ने महिला उद्यमिता के क्षेत्र में एक नई दृष्टि प्रस्तुत की है। केकेजी जोन के मुख्य सचिव दिलीप जैन ने स्टॉल योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन से समाज का नेटवर्क और मजबूत हुआ है। उन्होंने यह भी कहा की केकेजी जोन में कार्यक्रमों की सूची में बेंगलूरु महिला विंग सबसे आगे है। एपेक्स सचिव श्रीपाल बच्छावत ने कहा कि प्रायोजकों के सहयोग से उड़ान हर वर्ष और भव्य होती जा रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि अब समय है कि इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ले जाया जाए। इस बार आयोजन समिति की सदस्याएँ लाल रंग की एकरूप साड़ियों में सम्मिलित हुईं, जिसने पूरे माहौल को एक अलग आभा और एकता का संदेश दिया।

कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता

उड़ान 2025 ने यह साबित कर दिया कि जब उद्देश्य बड़ा हो और सहयोग साथ हो तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। यह आयोजन न केवल महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है, बल्कि जैन समाज की एकता, सेवा और सहयोग का भी अद्वितीय उदाहरण है। इस आयोजन को सफल बनाने में वाइस चेयरपर्सन लता बोहरा और नीलम शांड, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, संयुक्त सचिव चंद्रा जैन और साक्षी जैन, तथा प्रबंधन समिति की अस्मिता चौहान, हेमा सोलंकी, रेखा जैन, रेखा किशोर, कविता मुथा, निशा कोठारी, प्रिया गांधी और तरुणा मेहता, निशा कोठारी, वनिता बचावथ, नीतू गुलेचा का भी विशेष योगदान रहा।

जेपॉइंड उत्सव 2025 ब्राउजर का विमोचन

जैन समाज के व्यापारिक महोत्सव की तैयारी शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो के एपेक्स और महिला विंग के संयुक्त तत्वावधान में जे पॉइंट उत्सव 2025 द शॉपिंग फेस्टिवल के विशेष लोगो का विमोचन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों और पदाधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह जैन समुदाय के व्यापार जगत के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। विमोचन समारोह में उत्सवी माहौल रहा और प्रारंभ से ही आयोजन को शानदार प्रतिक्रिया मिली। इस महोत्सव का मुख्य आयोजन आगामी दिनों में होगा, जो लगातार 90 दिनों तक चलेगा। इसमें सभी जैन उद्यमी अपने बिजनेस को इस प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर कर उत्पाद बेच सकेंगे, जबकि खरीदारी कोई भी कर सकता है। इस पहल का उद्देश्य जैन समाज के व्यापार को देश-विदेश तक पहुँचाना और ग्राहकों को बेहतर दाम व थोक ऑफर उपलब्ध कराना है। आयोजकों ने समाजजन से अपील की कि महोत्सव शुरू होने के साथ ही इस अवसर का पूरा लाभ उठाएँ, रजिस्टर करें, ऑफर देखें और बेहतरीन डील्स का फायदा लें। ब्राउजर विमोचन अवसर पर अनेक गणमान्य पदाधिकारी एवं अतिथि उपस्थित रहे। जीतो एपेक्स से ललित डांगी (महासचिव), डी.के. जैन (संयुक्त कोषाध्यक्ष) एवं संपत चपलोत (कोषाध्यक्ष) शामिल हुए। महिला विंग से रंजनाबेन मेहता (जोन कन्वीनर, मुंबई) एवं अनीता पिरगल (नेशनल कन्वीनर, जेपॉइंट) उपस्थित रहीं। यूथ विंग से योगेश पवन जैन (कन्वीनर, जे.वाई.डब्लू मुंबई जोन) और रोहित बाफना (सह-कन्वीनर) ने भाग लिया। मुंबई जोन से प्रमोद मेहता (कोषाध्यक्ष), प्रीति गांधी (सचिव, मुंबई-गोवालिया टैंक) और रोहित जोगानी (कन्वीनर, जेपॉइंट मुंबई जोन) मौजूद रहे। जेपॉइंट नेतृत्व से जयंती मेहता (डायरेक्टर-इन-चार्ज), नितिनकुमार जैन (चेयरमैन), दिव्या मोमया (वाइस चेयरपर्सन), योगेश बाफना (मुख्य सचिव), अमित मेहता (कोषाध्यक्ष), अमित शाह एवं अंकित जैन (सचिव) तथा श्रेयांश बर्मेचा (नेशनल बल्क डील कन्वीनर) विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि मुख्य कार्यक्रम के साथ यह महोत्सव जैन समुदाय के लिए नेटवर्किंग, थोक सौदों और नए अवसरों का उत्सवी पर्व बनेगा। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया जुड़ोगे तो बढ़ोगे।

पगारिया भाईपा परिवार का भीनमाल हवाई यात्रा संघ कल से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पगारिया भाईपा परिवार कर्नाटक की ओर से नवरात्रि की नव दिवसीय हवाई यात्रा संघ सोमवार को बेंगलूरु से रवाना होगा।

पगारिया परिवार के महामंत्री अरविंद कोठारी ने बताया कि परिवार की श्रद्धा की केंद्र कुलदेवी क्षेमंकरी माता भीनमाल, अहमदाबाद, महुडी, पालनपुर, तारंगा जी, जीरावला, माउंट आबू, जैसलमेर, ओसियां जी, नाकोडा जी, बाड़मेर, मांडोली, मांडवला आदि अनेक प्राचीन तीर्थों की स्पर्शना इस संघ यात्रा के दौरान होगी। चेयरमैन पारसमल पगारिया ने बताया कि इससे पूर्व भी पगारिया भाईपा परिवार द्वारा सम्मेत शिखरजी, श्रवणबेलगोला, हम्पी, कन्याकुमारी आदि तीर्थों की यात्रा संघ आयोजित किया जा चुका है। यात्रा संघ के व्यवस्थित संचालन हेतु पन्नालाल पगारिया और दिलीप पगारिया को संयोजक बनाया गया है और अन्य सदस्य संघ की व्यवस्थाएं सम्भाल रहे हैं। यात्रा संघ के मुख्य लाभार्थी सुमतीलाल, सिद्धार्थ कुमार पगारिया मैसूरु, सह लाभार्थियों में खीमराज पगारिया, नथमल पगारिया, रंगलाल पगारिया हैं। पगारिया भाईपा परिवार के लाभार्थी दिलीप कुमार, गुलाबचंद, माणकचंद, किशनलाल, महेंद्रचंद, जबरचंद, पदमचंद, पन्नालाल, पारसमल, विनोद कुमार, पवन कुमार, कानमल, मांगीलाल पगारिया परिवार हैं।

गुरु दर्शन एक परंपरा ही नहीं, बल्कि गहरा आध्यात्मिक अनुभव : रमणीकमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल के मार्गदर्शन में युवा मंडल इकाई के करीब साठ सदस्य टीम ने महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न स्थानकों में चातुर्मासार्थ विराजित साधु साध्वीवृंद एवं तीर्थ स्थलों आदि के दर्शन, वंदन, मिच्छामी दुक्कड़म के साथ प्रवचन श्रवण का हर्षोल्लास से लाभ लिया।

चार दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा रविवार को पुणे से हवाई मार्ग से बेंगलूरु पहुंचकर संपन्न होगी। युवा मंडल के अध्यक्ष प्रदीप धोका एवं मंत्री दीपक लुंकड के नेतृत्व में इस गुरु दर्शन यात्रा की जानकारी युवा कार्यकर्ता आशीष बाफना ने देते हुए बताया कि सोलापुर शनि शिंगणापुर औरंगाबाद जालना अंतरिक्ष पार्श्वनाथ बदनापुर पुणे आदि क्षेत्रों में बेंगलूरु से रेल मार्ग से प्रस्थान कर बाकी स्थानों पर स्लीपर एसी बसों के माध्यम से गुरु दर्शन यात्रा की जा रही है। इस दौरान सर्वप्रथम नगर में धाम दर्शन के बाद क्रमबद्ध यात्रा की गई। अहमदनगर स्थित आनंद धाम में संतश्री कुंदनऋषिजी एवं आलोकऋषिजी तथा श्रमण संघीय सलाहकार रमणीकमुनिजी के दर्शन वंदन तथा अन्य तीर्थ स्थलों पर शीश नवाया। इस दौरान अपने सत्प्रवचन में रमणीकमुनिजी ने बेंगलूरु सेंट्रल की युवा वर्ग की टीम को हौसलाफजाई की।

उन्होंने अपना आशीर्वादी संदेश देते हुए गुरु दर्शन यात्रा को आवश्यक बताया एवं विस्तृत उल्लेख भी किया। वे बोले, जैन धर्म में गुरु दर्शन सिर्फ एक परंपरा ही नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव है। यह शिष्य के जीवन में ज्ञान, प्रेरणा और शुद्धिकरण का स्रोत है जो श्रावक श्राविकाओं को अंतत: मुक्ति की ओर ले जाता है। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि किसी भी श्रद्धावान शिष्य की आध्यात्मिक यात्रा में प्रेरणा, ज्ञान और मार्गदर्शन के रूप में होती है जो उसे मोक्ष मार्ग पर अग्रसर करती है। वे बोले, कोई भी साधु, आचार्य, अथवा गुरु सदैव अपने धर्म का मार्ग दिखाते हैं तथा उनकी भक्ति और समर्पण से शिष्यवृंद अपनी आत्मा को शुद्ध करते हैं। गुरु दर्शन से आत्म अनुशासन, ज्ञान की प्राप्ति एवं सांसारिक जीवन में विभिन्न बंधनों से सर्वस्व मुक्ति मिलती है। वाणी के जादूगर संतश्री रमणीकमुनिजी ने कहा कि कोई भी साधु गुरु रूप में अपने ज्ञान को शिष्य को विवेक प्रदान करता है, जिससे वह आत्मा के ज्ञान को प्राप्त कर सके व अपने उपदेशों से महावीर की वाणी से, देशना के माध्यम से शिष्य को सही मार्ग दिखाते हैं। संतश्रीजी यह भी बोले कि गुरु दर्शन से शिष्य की गुरु के प्रति समर्पण की प्रतिबद्धता दर्शाती है। साथ ही पांच महाव्रतों के पालन एवं बुरे कर्मों का भी क्षय होता है।

बीजेएस बेंगलूरु द्वारा गुरु सम्मान कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में जेसी रोड स्थित जैन कॉलेज में बीजेएस बेंगलूरु रीजन के विजयनगर चैप्टर, चामराजपेट चैप्टर और फ्रेजर टाउन चैप्टर द्वारा परिवर्तन 2.0 एक संवाद यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जैन पाठशालाओं में शिक्षण कार्य करने वाले अध्यापक एवं अध्यापिकाओं को गुरु सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बीजेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदकिशोर साखला, राष्ट्रीय सचिव दिनेश पालरेचा, राष्ट्रीय प्रमुख ओमप्रकाश लूणावत, राष्ट्रीय प्रमुख साधु साध्वी सर्व सम्प्रदाय श्रीपाल खेमलापुरे, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष किशोर रूणवाल, महासचिव प्रकाश गोलेचा, उपाध्यक्ष हीराचन्द कलमानी, सचिव शर्मिला मेहता, अनिता कोठारी, सुनील लोढ़ा, बेलगावी प्रमुख अरूण येलगुद्री, मैसूरु क्षेत्र अध्यक्ष सुखराज विनायकिया, बेंगलूरु क्षेत्र अध्यक्ष सुरेश कानूँगा तथा क्षेत्र सचिव आशीष भंसाली सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में बीजेएस महिला विंग, बीजेएस पार्क वेस्ट तथा बीजेएस वीवी पुरम का भी सहयोग रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन नेहा चौधरी ने किया। बीजेएस के सभी चैप्टरों के अध्यक्ष, सचिव आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

धर्म बचपन से शुरू करें पचपन से नहीं: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि घर में कपड़े एकत्र किये, देखे और पसंद आए तो पापोपार्जन शुरू। घर में फर्नीचर बनवाया, देख-देखकर हर्षाए, दस लोगों को दिखाया, प्रशंसा की तो पापोपार्जन शुरू। फ्लैट एक से दो किये दो के चार किये, देख-देखकर हर्षाए तो पापोपार्जन शुरू। आप भले ही यह माने कि इतने मात्र से पापोपार्जन नहीं होता, लेकिन आपकी मान्यता से दुनिया नहीं चलती है। वह अपने स्वभाव से चलती है। जहर खाएंगे तो मरेंगे ही। आप न मानें, इतने मात्र से जहर की घातकता मिट नहीं जाती है।

जहर में मारने का स्वभाव है। वैसे ही आप माने या न माने, पाप में दुःख देने का स्वभाव है। बोलो, इस परिग्रह नामक पाप का त्याग करना है? बहुत ही शांति से विचार कीजियेगा और इससे बचने का तथा न बच सकें तब तक उसे सीमित करने का निश्चय करना।

यदि ऐसा करेंगे तो ही दुःख से बच सकेंगे। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि धर्म बचपन से शुरू करें पचपन से नहीं। लौकिक शिक्षा के साथ साथ बच्चों को धार्मिक शिक्षा के लिए जैन मंदिर की पाठ शाला में भेजे। बचपन में दिए हुए सद् संस्कार पचपन की दहलीज तक बने रहते है।

दृष्टि बदले सृष्टि अपने आप बदल जाएगी। नजरे बदले नजारे बदल जाएंगे। जीवन में जो बोते है वही पाते है। जीवन में संयम को धारण करे। बेंगलूरु से वंशराज वोहरा देवेन्द्र कुमार तातेड़, राजेश कुमार भंडारी, आकाश कटारिया, मंजु बोहरा, मधु तातेड़, राखी भंडारी, करनूल से अशोक कुमार भंडारी, यशवंत भंडारी, पुष्पक भंडारी, शिल्पा यशवंत भंडारी, क्रिशा, चार्मी भंडारी का स्वागत बहुमान के लाभार्थी भंवरलाल पेराजमल जगदीश प्लास्टिक, संघवी महावीर कुमार घेवरचंद बालगोत्र, संघवी सुरेश कुमार घेवरचंद बालगोत्र, सुरेश कुमार मोहनलाल रतनचंद पोरवाल ने किया। महिलाओं का बहुमान रिंकु पोरवाल, मधु संघवी और पिंकी संघवी ने किया। कार्यक्रम का संचालन अंबालाल फुलचंद शाह ने किया।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति (रजि.)
एवं
राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट
बिहार भवन, आर.टी. नगर, मेन रोड, बेंगलरु, मो. 99860 63270
के संयुक्त तत्वावधान में
47वां दशहरा महोत्सव - 2025
स्थल : प्रिंसेस श्राइन, पैलेस ग्राउंड गेट नं. 9, बेंगलूरु
विशेष कार्यकम
दि. 22.09.2025 : प्रात: 11.30 बजे अभिजित मुहूर्त में कलश स्थापना
दि. 23.9.2025 से 27.9.225 तक प्रतिदिन पूजा
आरती एवं प्रसाद सुबह 10 बजे एवं सायं 8 बजे
दि. 28.09.2025: षष्ठी पूजन, बिल्व आमंत्रण, पुष्पांजलि एवं आरती
दि. 29.09.2025 महासप्तमी पूजन, प्रतिष्ठापन, सहभोज, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं महानिशा पूजा-हवन
दि. 30.09.2025: महाष्टमी पूजन, आरती व्रतकारी डाला समर्पण, प्रसाद
दि. 01.10.2025: महानवमी पूजन, हवन, कुमारी पूजन, सहभोज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम
दि. 02.10.2025: विजयदशमी पूजन, पुष्पाजंलि, विसर्जन, सहभोज एवं शोभायात्रा
जगत जननी मां जगदम्बा के श्रद्धालु सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।
कृष्ण कु.सिंह(कुमार बाबू) अध्यक्ष (सि.सां.स)
मुकेश कर्ण अध्यक्ष (दशहरा महोत्सव)
सुबोध सिंह सचिव (सि.सां.स)
SCAN TO PAY
अपील: माता रानी के चरणों में यदि कोई श्रद्धालु आर्थिक सहयोग देना चाहते हैं तो क्यू आर कोड को स्कैन कर ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं।
नोट : दुर्गा पूजा महोत्सव पांडाल में स्टाल बुकिंग के लिए मोबाइल 7892237232 व 9900932482 से सम्पर्क करें।

जाति जनगणना के मद्देनजर वोक्कालिगा समुदाय की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य में सोमवार से शुरू हो रहे सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण (जाति जनगणना) के मद्देनजर, आदिचुंचनगिरी मठ के प्रमुख डॉ. श्री निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी की दिव्य उपस्थिति में वोक्कालिगा समुदाय के प्रमुखों और जनप्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण परामर्श बैठक आयोजित की गई। जाति जनगणना को लेकर हुए भारी विवाद के बाद, वोक्कालिगा समुदाय के प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों, नेताओं और संगठनों ने एक साथ मिलकर परामर्श किया और एकजुटता का प्रदर्शन किया। इस सर्वेक्षण के दौरान समुदाय के हितों की रक्षा के लिए किए जाने वाले कार्यों पर विचार-विमर्श किया गया। आदिचुंचनगिरी मठ, विजयनगर के सामुदायिक हॉल में शनिवार को आयोजित इस बैठक में, पट्टनायकनहल्ली के अध्यक्ष श्री नंजवधूता स्वामीजी, विश्व ओक्कालिगारा महासंस्थान मठ के अध्यक्ष श्री निश्चलानंदनाथ स्वामीजी, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, शोभा करंदलाजे, पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री चेल-वरयास्वामी, पूर्व मंत्री टीबी जयचंद्र, मंत्री डॉ एमसी सुधाकर, सांसद डॉ के सुधाकर, विधायक अरगा ज्ञानेंद्र, गोपालैय्या, एसटी सोमशेखर, टीबी जयचंद्र, सरथ बाचेगौड़ा, सतीश रेड्डी, जीटी देवेगौड़ा, डॉ रंगनाथ, सुरेश गौड़ा, डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, सी.टी. रवि, एस.एल. भोजेगौड़ा, रविकुमार, गुब्बी श्रीनिवास, एच.सी. बालकृष्ण, डॉ. रंगनाथ, रवि गनीगा, उदय, पुट्टन्ना, पूर्व विधायक रामचंद्र गौड़ा, डी.सी. थम्मन्ना, के.जी. बोपैया, राज्य वोक्कालिगा एसोसिएशन के अध्यक्ष बी. केंचप्पा गौड़ा, और विभिन्न संगठनों के नेता तथा वोक्कालिगा समुदाय के जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। सर्वेक्षण के दौरान, जाति कॉलम में वोक्कालिगा लिखने और वोक्कालिगा समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए जिला और तालुका स्तर पर बैठकें पहले ही आयोजित की जा चुकी थीं। इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया गया कि समुदाय का प्रत्येक व्यक्ति तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करे ताकि सर्वेक्षण से कोई भी वंचित न रहे। जाति समुदाय से इस बारे में उचित जानकारी प्रदान करके वस्तुनिष्ठ जानकारी प्रदान करने का आह्वान किया गया। चूँकि इस सर्वेक्षण में एकत्रित आँकड़ों पर सरकार के नीति निर्माण, कार्यक्रम नियोजन और आरक्षण संबंधी निर्णयों में विचार किए जाने की संभावना है, इसलिए उनसे जागरूक होने और वास्तविक जानकारी प्रदान करने का अनुरोध किया गया। अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर जाति समुदायों और संगठनों के बीच जागरूकता पैदा करने और सभी को जनगणना के दायरे में लाने का निर्णय लिया गया। समग्र जाति कॉलम में वोक्कालिगा लिखने का निर्णय लिया गया है, और उपजाति कॉलम में उनकी उपजाति लिखने की सलाह दी गई है। जाति कॉलम में वोक्कालिगा लिखने से समुदाय में एकता बढ़ती है। यह भी समझा जाता है कि समुदाय की विशिष्ट जनसंख्या सहित सभी मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई है।

विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा में रहेगा भारी बंदोबस्त: सीमा लाटकर

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा महोत्सव के उद्घाटन की तैयारियाँ जोरों पर हैं और इस बार दशहरा के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। इस संबंध में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मैसूरु शहर की पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर ने बताया कि 11 दिवसीय मैसूरु दशहरा के लिए 75,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। जंबो सवारी में लगभग 15 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि महल में 48,000 और बन्नीमंतप में 32,000 सीटों की व्यवस्था की गई है और केवल पास धारकों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हर जगह कड़ी निगरानी रखी जाएगी, संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और 30,614 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। पर्यटकों की सुविधा के लिए 43 स्थानों पर सहायता केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। सीमा लाटकर ने बताया कि यातायात को सुचारू बनाने के लिए मार्ग बदले जा रहे हैं, महल के आसपास एकतरफा यातायात की व्यवस्था की जा रही है और उत्त-नहल्ली के पास युवा दशहरा की तैयारियाँ चल रही हैं। यह देखा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में मैसूरु नगर इकाई में दशहरा उत्सव के दौरान कुछ युवा तुरही (वुव-जेला) बजाकर सार्वजनिक सड़कों पर चलने वाले लोगों और पर्यटकों के लिए असुविधा पैदा करते रहे हैं। इसलिए, हमने मैसूरु नगर पुलिस आयुक्तालय में तुरही (वुवुजेला) की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीसीपी सुंदर राज और बिंदु मणि मौजूद थे।

हमने बेंगलूरु में 7,000 गड्ढे बंद कर दिए हैं, 5,000 और बंद होने बाकी हैं: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि भारी यातायात और भारी बारिश के कारण शहर में गड्ढे बन रहे हैं।

7,000 गड्ढे पहले ही बंद किए जा चुके हैं और 5,000 और बंद करने बाकी हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कोई नहीं चाहता कि बेंगलूरु में गड्ढे हों, वाहनों की अधिक आवाजाही और लगातार बारिश के कारण गड्ढे बन रहे हैं, जो एक प्राकृतिक घटना है।

सरकार इस समस्या को दूर करने के लिए कड़ी मेहनत करेगी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया भी बेंगलूरु के विकास को लेकर एक बैठक कर रहे हैं। पुलिस आयुक्त को गड्ढों की पहचान के लिए एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि जनता से भी गड्ढों के बारे में जानकारी देने का अनुरोध किया गया है। भाजपा का मुख्य उद्देश्य राजनीति करना है। उन्हें इसके अलावा और कुछ नहीं आता। उन्हें जो करना है करने दीजिए, हमने उनके साथ कोई भेदभाव नहीं किया है। हम सभी विधायकों को समान रूप से धन वितरित कर रहे हैं। मैं अपने विवेकाधिकार में अनुदान दे रहा हूँ। वे यह राय क्यों व्यक्त कर रहे हैं कि पैसा नहीं है, उन्हें काम पर लगाने दो। उन्होंने कहा कि विधायकों को 25 करोड़ रुपये से ज्यादा दिए गए हैं। उन्होंने जातिगत जनगणना के संबंध में एक सवाल के जवाब में कहा कि वे बैठक के बाद जवाब देंगे।

श्री निर्मलानंद नाथ स्वामीजी ने राज्य सरकार से जाति जनगणना स्थगित करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आदिचुंचनगिरी मठ के प्रमुख डॉ. श्री निर्मलानंद नाथ स्वामीजी ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा 22 सितंबर से किए जा रहे सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण (जाति जनगणना) को स्थगित कर दिया जाना चाहिए और सर्वेक्षण अवधि बढ़ा दी जानी चाहिए। विजयनगर स्थित आदिचुंचनगिरी मठ के सामुदायिक भवन में विभिन्न मठाधीशों, वोक्कालिगा समुदाय के जनप्रतिनिधियों और संगठनों के नेताओं के साथ जाति जनगणना पर आयोजित परामर्श बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए स्वामीजी ने कहा कि सर्वेक्षण के दौरान, जाति कॉलम 9, 10, 11 में जो भी हो, वोक्कालिगा समुदाय को वोक्कालिगा लिखना चाहिए। वोक्कालिगा समुदाय का कोड 1541 होना चाहिए। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर ही अपनी-अपनी उप-श्रेणियाँ लिखने का आह्वान किया। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के रूप में

कांताराजू के कार्यकाल के दौरान किए गए सर्वेक्षण में 30 से 40 प्रतिशत सर्वेक्षण नहीं किया गया था। इसलिए, उस रिपोर्ट का विरोध हुआ था। उन्होंने कहा कि वे इस बात का स्वागत करते हैं कि सरकार ने जनभावनाओं को समझते हुए एक नए सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण का प्रावधान किया है। 22 सितंबर से 10 दिनों तक नवरात्रि व्रत मनाया जाएगा। साथ ही, इस दौरान पितृ पक्ष सहित कई त्यौहार भी आते हैं। कृषक समुदाय कृषि कार्यों में व्यस्त रहता है। इसके अलावा, चूँकि स्कूलों की छुट्टियाँ हैं, इसलिए वे यात्राएँ कर रहे हैं। इसलिए, इस अवधि के दौरान सर्वेक्षण करना संभव नहीं है। राज्य सरकार सर्वेक्षण पर 400 से 500 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। हम चाहते हैं कि यह सार्थक हो। चूँकि यह सही समय नहीं है, इसलिए सर्वेक्षण स्थगित कर दिया जाना चाहिए। सर्वेक्षण के लिए और समय दिया जाना चाहिए। तेलंगाना राज्य में 3.50 करोड़ की आबादी है। वहाँ सर्वेक्षण 3 महीने की अवधि में किया गया था और उच्च तकनीक का उपयोग किया गया था। उन्होंने कहा कि राज्य की जनसंख्या 7 करोड़ से ज्यादा है और इसे वैज्ञानिक तरीके से किया जाना चाहिए। इसके लिए और समय दिया जाना चाहिए। वोक्कालिगा जाति के साथ विभिन्न धर्मों और जातियों को शामिल करने से असंतोष और संघर्ष पैदा हुआ है। भक्तों और समुदाय में जाति जनगणना के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से सभी जनप्रतिनिधियों के समक्ष यह मुद्दा स्पष्ट कर दिया गया है। क्योंकि वोक्कालिगा समुदाय के प्रवक्ता, समुदाय की शक्ति और जनप्रतिनिधि हैं। उन्होंने माँग की कि चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है और अब जो जाति सूची और सर्वेक्षण प्रकाशित हुए हैं, उनमें कई कमियाँ हैं, जिन्हें तुरंत ठीक किया जाना चाहिए। राज्य सरकार के पास जनगणना कराने का अधिकार नहीं है। उनके अनुसार, सर्वेक्षण केवल सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति पर ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनगणना कराएगी और यह आधिकारिक होगी।

हम उन्हें चाहे जो भी कहें, 90 प्रतिशत वोक्कालिगा अपनी उपजाति लिखने को तैयार नहीं हैं। किसी कारण से, वे कहते हैं कि छोटे-मोटे अनुष्ठानों से उपजी धार्मिक और सांस्कृतिक प्रथाएँ घर तक ही सीमित हैं। इसलिए, हम मांग करते हैं कि जागरूक राज्य सरकार जाति जनगणना को स्थगित करे।

हमारा मानना है कि वह सकारात्मक प्रतिक्रिया देगी। समुदाय के प्रतिनिधियों को सरकार में समुदाय की आवाज बनने का निर्देश दिया गया है। हमें विश्वास है कि इस पर उचित प्रतिक्रिया मिलेगी। उम्मीद है कि सर्वेक्षण में कमियाँ सरकार के ध्यान में आएंगी और उन्हें वापस लिया जाएगा। ईसाई वोक्कालिगा, जैन वोक्कालिगा सभी का उल्लेख किया गया है। उन्होंने आगे सवाल किया कि क्या एक मुस्लिम वोक्कालिगा, हिंदू ईसाई बन सकता है? अगर हम इतिहास पर नजर डालें, तो हम देखेंगे कि धर्म विभाजित रहा है। उन्होंने कहा कि अगर हम इस तथ्य पर विचार करें कि नास्तिकों को इसका इस्तेमाल करने की अनुमति है, तो लोकतंत्र में कुछ भी हो सकता है।

हासन में महिला ने तीन बच्चों को जन्म दिया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के होलेनरसीपुर तालुका के डोड्डाकदानूर गाँव की 29 वर्षीय महिला ने तीन बच्चों को जन्म दिया है। वह एक लड़के और दो लड़कियों की माँ है। शहर के एचआईएमएस अस्पताल में उसकी जाँच की गई और स्त्री रोग विशेषज्ञ (सहायक प्रोफेसर) डॉ. नैन्सी पॉल के मार्गदर्शन में चिकित्सा कर्मचारियों ने बच्चे का जन्म कराया।

पहले जन्मे लड़के का वजन 2.1 किलोग्राम था और वह 11.03 बजे पैदा हुआ, दूसरी लड़की का वजन 1.9 किलोग्राम था और वह 11.04 बजे पैदा हुई और एक और लड़की का वजन 1.8

किलोग्राम था और वह 11.05 बजे पैदा हुई। डॉक्टरों ने कहा कि तीनों नवजात शिशुओं में कोई समस्या नहीं है। अस्पताल की विशेषज्ञ डॉ. नैन्सी पॉल ने कहा कि तीनों बच्चे स्वस्थ हैं। यह उनके परिवार में पहला जन्म और पहली बार तीन बच्चों का जन्म है, और प्रसव सिजेरियन सेक्शन से हुआ। डॉक्टरों ने कहा कि यह एक विशेष मामला है कि सभी बच्चे बिना किसी विकलांगता के स्वस्थ पैदा हुए। आमतौर पर गर्भवती महिलाएँ शिशु सहित 6 से 6.30 किलोग्राम वजन उठाती हैं। लेकिन यह विशेष बात है कि आठ किलोग्राम से अधिक वजन उठाने के बाद भी प्रसव बिना किसी समस्या के हुआ।

उडुपी में आभूषण की दुकान में चोरी के मामले में पांच अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए शहर में हुई एक आभूषण की दुकान में हुई सनसनीखेज चोरी के सिलसिले में पाँच अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शुभम तानाजी साठे (25), प्रवीण अप्पा साठे (23), नीलेश बापू कस्तूरी (19), सागर दत्तात्रेय कंडगले (32) और बागव रोहित श्रीमंत (25) के रूप में हुई है, जो सभी महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के निवासी हैं।

उडुपी के वादिराज रोड निवासी शिकायतकर्ता वैभव मोहन घाटगे द्वारा 9 सितंबर को दर्ज कराई गई शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया था कि पिछली रात उनकी आभूषण की दुकान में सेंध लगाई गई थी। अपराधियों ने डुप्लीकेट चाबियों से शटर का ताला खोला और दुकान के अंदर एक रिफाइनरी मशीन से लगभग 95.71 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण चुरा लिए। पुलिस निरीक्षक मंजूनाथ वी. बडिगर के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई करते हुए, महाराष्ट्र के अकलुज पुलिस के सहयोग से, उडुपी पुलिस कर्मियों की एक विशेष टीम ने 12 सितंबर को सोलापुर जिले के मालशिरस तालुका के निमगाव से पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान, पुलिस ने चोरी की गई संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा जब्त कर लिया, जिसमें 74.88 लाख रुपये मूल्य के 748.8 ग्राम सोने के आभूषण, 3.6 लाख रुपये मूल्य की 4.445 किलोग्राम चांदी, 5 लाख रुपये नकद और अपराध में इस्तेमाल की गई 4 लाख रुपये मूल्य की एक मारुति स्विफ्ट कार शामिल थी। बरामद संपत्ति की कुल कीमत 87.48 लाख रुपये है।

कर्नाटक में चंद बटनों वाली सरकार

नवरात्रि के पहले दिन देश में सरलीकृत जीएसटी प्रणाली लागू होगी: शहजाद पूनावाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा नवरात्रि के पहले दिन, 22 सितंबर को, देश में सरलीकृत जीएसटी प्रणाली लागू होगी। इसके जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिवाली से पहले दिवाली का तोहफा दिया है। यहां शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि नई जीएसटी प्रणाली से मध्यम वर्ग को ज्यादा फायदा होगा।

उन्होंने बताया कि टैक्स स्लैब सरल होगा। उन्होंने कहा कि यह कोई गब्बर सिंह टैक्स नहीं है। यह एक अच्छा और सरल टैक्स है। उन्होंने कहा कि इससे बचत बढ़ेगी और लोगों को न्यूनतम टैक्स का लाभ मिलेगा। पहले राज्यों में कई टैक्स प्रणालियाँ लागू थीं। जीएसटी 8 साल पहले लागू हुआ था। तब 4 स्लैब थे। 22 तारीख से इसे 2 टैक्स स्लैब (5 प्रतिशत, 18 प्रतिशत) में बदल दिया जाएगा। 99 वस्तुएँ जो 12 प्रतिशत से कम कर के दायरे में थीं, अब 5 प्रतिशत कर के दायरे में आएँगी। ज्यादातर वस्तुएँ जो 28 प्रतिशत कर के दायरे में थीं, अब

18 प्रतिशत के दायरे में आएँगी। उन्होंने कहा कि इन सभी की कीमतें कम हो रही हैं।

मेट्रो रेल कनेक्टिविटी का विस्तार, सार्वजनिक परिवहन पर जोर, आयकर सीमा को 12 लाख तक बढ़ाना, गृह ऋण और शिक्षा ऋण पर ब्याज कम किया गया है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति में न्यूनतम योगदान दिया गया है। एक ओर, कर्नाटक में कट और पेस्ट का मॉडल है। मूल्य वृद्धि के जरिए लूट, मुडा, वाल्मीकि और उत्पाद शुल्क सहित विभिन्न घोटालों केजरिए लूट। स्टांप शुल्क, पानी, दूध, पेट्रोल, डीजल - सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। यह सिर्फ लूटने वाली सरकार नहीं है।

उन्होंने इस सरकार पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। गारंटियों का पालन नहीं किया जा रहा है। उच्च करों के बावजूद, गड्ढे और बुनियादी ढाँचे की कमी लोगों को प्रभावित कर रही है। उन्होंने आलोचना की कि डी.के. शिवकुमार और सिद्धरामैया के बीच कुर्सी की लड़ाई चल रही है। दूसरी ओर, मोदी मॉडल सरकार है। यह लूट और झूठ से मुक्त सरकार है। उन्होंने विश्लेषण किया कि देश को मजबूत बनाने वाली और मध्यम वर्ग को लाभ पहुँचाने वाली सरकार केंद्र में है। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं और एमएसएमई को सलाम करने वाली सरकार केंद्र में है। केंद्र भारत की अर्थव्यवस्था को एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में मजबूत करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने आलोचना की कि कुछ लोग राजनीतिक क्षेत्र में विफल रहे हैं और कहते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था मृत्यु की ओर बढ़ रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पहले बहुत कमजोर थी। पिछले 11 वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में, यह दुनिया की चौथी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बन गई है। यह बहुत तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि जीडीपी वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत है।

मुद्रास्फीति, जो दोहरे अंकों में थी, अब 2 प्रतिशत पर है, जो न्यूनतम स्तर पर है। एनपीए न्यूनतम स्तर पर है। देश के पास 703 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि हमारी क्रेडिट रेटिंग में भी सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि ईपीएफओ (भविष्य निधि संगठन) के आंकड़ों पर गौर करें तो बेरोजगारी दर भी न्यूनतम स्तर पर आ गई है। पिछले 10-11 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। उन्होंने कहा कि दरबारी पीढ़ी के लोगों को उचित जवाब मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में होना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। उन्होंने सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा के राज्य सचिव और सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, विधान परिषद के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, पूर्व सांसद मुनिस्वामी, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, प्रदेश प्रवक्ता कु. सुरभि होडिगेरे, आर्थिक प्रकोष्ठ के राज्य समन्वयक प्रशांत जी.एस., राज्य मीडिया समन्वयक करुणाकर खासले मौजूद थे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस सरकार की जातिगत राजनीति में आलाकमान का दखल, उत्सुकता बढ़ी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछड़ा वर्ग स्थायी आयोग द्वारा किए जाने वाले सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सर्वेक्षण पर भ्रम दूर करने के लिए जहाँ एक ओर अंतिम चर्चा चल रही है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया प्रमुख मंत्रियों के साथ निजी तौर पर विचार-विमर्श कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आलाकमान ने भी हस्तक्षेप किया है, जिससे उत्सुकता बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के साथ सर्वेक्षण में तकनीकी मुद्दों पर चर्चा की। इस बार, खींचतान का एक और दौर शुरू हो गया है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल, श्रम मंत्री संतोष लाड, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री शिवराज, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष मधुसूदन नायक, सदस्य एवं सदस्य सचिव दयानंद, पिछड़ा वर्ग निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी, विधि विशेषज्ञ और विधि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि ईसाई उप-जातियों के भ्रम को दूर

करने के लिए उक्त कॉलम हटा दिए जाएँ। बताया जा रहा है कि बैठक में आयोग के अध्यक्ष मधु-सूदन नायक ने ईसाई उपजाति का कॉलम हटाने पर विरोध जताया। उन्होंने कहा कि अगर इसी तरह भ्रम की स्थिति रही तो वे अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे देंगे। डी.के. शिवकुमार ने कहा कि अगर आप इस्तीफा देना चाहते हैं तो दे सकते हैं। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री और मंत्री एच.के. पाटिल ने मधुसूदन नायक को मना लिया है। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया है कि सर्वेक्षण फॉर्म से ईसाई धर्म के साथ-साथ उपजाति का कॉलम भी हटा दिया जाए और 22 सितंबर से तय कार्यक्रम के अनुसार सर्वेक्षण शुरू करने का आदेश दिया है। इसके अलावा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक निजी होटल में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्री के.जे. जॉर्ज के साथ चर्चा की और सर्वेक्षण के बारे में जानकारी जुटाई। कांग्रेस आलाकमान ने पहले मुख्यमंत्री को कांताराजू आयोग द्वारा किए गए सर्वेक्षण को स्वीकार न करने का आदेश दिया था। साथ ही दोबारा सर्वेक्षण कराने का सुझाव भी दिया था। तदनुसार, नए सर्वेक्षण की प्रक्रिया शुरू होने के चरण में और भी असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। बताया जा रहा है कि रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इस बारे में मुख्यमंत्री से चर्चा की और आलाकमान की ओर से एक संदेश भी भेजा। कैबिनेट बैठक में सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण, यानी जाति जनगणना, पर गंभीर चर्चा हुई। कुछ मंत्रियों ने ऊँचे स्वर में अपनी असहमति जताई। ईसाई उपजाति के बारे में जानकारी एकत्र करने का कड़ा विरोध हुआ। कुछ मंत्रियों ने सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण की आवश्यकता पर सवाल उठाए। सूत्रों ने बताया कि सर्वेक्षण प्रपत्र में 331 नई जातियों को जोड़ा गया और बैठक में उनकी वैधता पर चर्चा हुई। सरकार ने पहले की गई सामाजिक एवं शैक्षणिक रिपोर्ट को दरकिनार कर दिया है। जैसे-जैसे पुनः सर्वेक्षण चल रहा है, कई विवाद खड़े हो रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दुविधा में हैं क्योंकि वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के मंत्रियों ने कैबिनेट बैठक में कड़ा विरोध जताया है। वह इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि लिंगायत वीरशैवों को सर्वेक्षण में कैसे शामिल किया जाए। कुछ लोग तर्क दे रहे हैं कि वीरशैव लिंगायत को धर्म के कॉलम में शामिल किया जाना चाहिए। कुछ लोग इस बात पर भी विचार कर रहे हैं कि क्या उन्हें हिंदू और वीरशैव लिंगायत को जाति के कॉलम में शामिल किया जाना चाहिए। अगर वीरशैव लिंगायत को शामिल किया जाता है, तो उन्हें सामान्य श्रेणी में माना जाएगा। समुदाय की कई उपजातियाँ अपनी जाति के नाम पर पिछड़ा वर्ग श्रेणी के प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुकी हैं और आरक्षण के लिए पात्र हैं। अगर वीरशैव लिंगायत को शामिल किया जाता है, तो उन्हें आरक्षण सूची से बाहर होने की समस्या का सामना करना पड़ेगा। कई लोग चिंतित हैं कि चूँकि सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण में आधार और पैन कार्ड नंबर लिंक किए जाएँगे, इसलिए भविष्य में प्रमाण पत्र प्राप्त करने में समस्या हो सकती है। तर्क दिए जा रहे हैं कि इस समय सर्वेक्षण की कोई आवश्यकता नहीं है।

सर्वे के नाम पर नई जातियां बनाने की साजिश हो रही है: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण के नाम पर 331 नई जातियाँ बनाने की एक सुनियोजित साजिश चल रही है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये जातियाँ हैं ही नहीं। हालाँकि, उन्होंने आरोप लगाया कि भविष्य के राजनीतिक भविष्य के लिए नई जातियाँ बनाई जा रही हैं। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए आरोप लगाया कि जाति जनगणना बेजुबानों को आवाज देने के लिए होनी चाहिए, न कि राजनीतिक भविष्य के लिए। केंद्र सरकार जाति जनगणना करा रही है। हालाँकि, राज्य सरकार 420 करोड़ रुपये खर्च कर रही है और 22 सितंबर से 15 दिनों में 2 करोड़ घरों का सर्वेक्षण करेगी। उन्होंने कहा जो 10 साल में नहीं हो सका, वह 15 दिनों में हो जाएगा? क्या यह वास्तव में संभव है? क्या इस सर्वेक्षण से आपको फायदा होगा? लोगों को क्या फायदा होगा? जनता के टैक्स का पैसा क्यों खर्च किया जाना चाहिए, इस पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि कांताराजू को 2015 में पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और उनके कार्यकाल में एक समीक्षा रिपोर्ट तैयार की गई थी। 2018 में, तत्कालीन मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया क्योंकि उस पर आयोग के संयुक्त सचिव के हस्ताक्षर नहीं थे। इस रिपोर्ट को तैयार करने में 180 करोड़ रुपये खर्च किए गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह वैज्ञानिक रूप से भी नहीं किया गया। संबंधित समुदायों के मुखिया और नेता जाति जनगणना पर चर्चा कर रहे हैं। आदि चुनचनगिरी के मुखिया डॉ. श्री निर्मलानंदनाथ स्वामीजी ने शनिवार को इस पर एक बैठक बुलाई है और पूर्व प्रधानमंत्री एच. देवेगौड़ा और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी सहित समुदाय के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना पर राज्य सरकार के कदम ने चिंता पैदा कर दी है। संदिग्ध कदम देखे जा रहे हैं और सभी को इस पर चर्चा करने की आवश्यकता है।

भीषण हादसे में दो कांस्टेबल समेत तीन लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गदग तालुका में एक भीषण दुर्घटना में दो कांस्टेबलों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान वायरलेस विभाग के पुलिस कांस्टेबल अर्जुन (29), इरन्ना (31) और अर्जुन के रिश्तेदार रवि नेल्लोर (43) के रूप में हुई है। कांस्टेबल अर्जुन हावेरी नियंत्रण कक्ष में और इरन्ना कोप्पल नियंत्रण कक्ष में ड्यूटी पर थे। ये दोनों कांस्टेबल सात साल पहले पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे। गुरुवार शाम लगभग 6 बजे तीनों एक कार में यात्रा कर रहे थे। इरन्ना कार चला रहे थे। गदग तालुका के हरलापुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 67 पर उनकी कार तेज गति के कारण नियंत्रण खो बैठी और सड़क के डिवाइडर को पार करते हुए बगल की सड़क पर जा घुसी और उसी रास्ते से आ रही गोवा की एक निजी बस से टकरा गई। कार में सवार तीनों लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि कार के सारे पुर्जे बिखर गए। गोवा बस चालक दिलीप और कंडक्टर हिरेश ने बस से उतरकर पुलिस को सूचना दी। खबर पाकर मौके पर पहुँची पुलिस ने जाँच की, मामला दर्ज किया और तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि हादसे में मारे गए दोनों कांस्टेबलों की सगाई तय थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन दोनों की जल्द ही शादी होने वाली थी, उनका दुखद अंत हो गया।

पिछड़ा वर्ग आयोग सर्वेक्षण पर निर्णय लेगा: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा पिछड़ा वर्ग आयोग एक वैधानिक निकाय है और उन्हें कोई निर्देश नहीं दे सकता।

सर्वेक्षण पर राय आयोग को बता दी गई है और अंतिम निर्णय आयोग ही लेगा। उन्होंने वार्ता सौधा में मीडिया से बात की। आर्थिक एवं सामाजिक सर्वेक्षण पर कैबिनेट में विरोध के बारे में एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है और कांग्रेस सरकार पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगा रही है।

सभी मंत्रियों को एकमत होकर इसकी निंदा करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण 22 सितंबर से शुरू होगा और इसे स्थगित नहीं किया जाएगा।

सरकार अहंकारी बयान देना बंद करें और जनहितैषी काम करें : अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि वह एक ऐसी कंपनी को बर्दाश्त नहीं कर पा रही है जो कई वर्षों से नुकसान झेल रही है और बेंगलूरु की शिकायतों और नाकामियों के बारे में बात कर रही है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने पूछा कि अगर कोई कहता है कि अगर चाहो तो रहो, नहीं चाहो तो जाओ, तो यह कैसी संस्कृति है? क्या यही जनहितैषी सरकार की बात है? उन्होंने मांग की कि वे इस तरह के अहंकारी बयान देना बंद करें और जनहितैषी काम करें और लोगों में विश्वास पैदा करें। एक सरकार को जनहितैषी होना चाहिए। प्रशासन

में लोगों के प्रति सम्मान और चिंता होनी चाहिए। हालाँकि, कांग्रेस की राज्य सरकार सत्ता में आ गई है। वे अहंकारी बातें कर रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि जब लोग उनकी नाकामियों को उजागर करते हैं, तो उनमें उन्हें स्वीकार करने का शिष्टाचार और संस्कृति नहीं है। बेंगलूरु आईटी का शहर है, जिसे दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है। यह उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सभी प्रधान मंत्री, सम्मानित राष्ट्रपति और विश्व नेता भारत को बेंगलूरु के माध्यम से देखते हैं। जब बेंगलूरु की विफलताओं और शिकायतों की ओर इशारा किया जाता है तो वे इसे बर्दाश्त नहीं कर पाते।

मनुष्य भव एक बार गया तो वापस आएगा नहीं: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि यह मनुष्य भव बहुत ही दुर्लभ है। एक बार गया तो वापस आने वाला नहीं है। इसीलिए संसार के मोह माया से निकल कर मनुष्य भव को सुधार लेना चाहिए। अंत समय आयेगा तो कोई साथ देने वाला नहीं है। इसलिए कुटुंब संसार को छोड़ कर जीवन का कल्याण कर लेना चाहिए। यह मोह माया की जल फांसी की तरह है। इसमें उलझोगे तो सुलझाना मुश्किल हो जाएगा। मनुष्य जन्म बहुत ही मुश्किल

होता है। यह चोला, तन, गुरु, धर्म, गति वापस मिलने वाला नहीं है। इसलिए इसका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। दुरुपयोग किया तो पछताने के अलावा कुछ भी हाथ में नहीं आना है। आज के समय में मनुष्य का सम्मान नहीं, बल्कि उसके काम का सम्मान होता है। जैसा मनुष्य काम करता है वैसा ही उसे सम्मान मिलता है। इसलिए नाम चाहिए तो अच्छा काम करना चाहिए। अच्छा काम और धर्म ध्यान का काम करने वालों को जाने के बाद भी याद किया जाता है। नकारा मनुष्य को कोई नहीं पूछता है। इसलिए मनुष्य जीवन का सही उपयोग करना सीखों। अगर समय रहते इसका सही उपयोग नहीं किया तो जीवन नर्कों में चला जाएगा।

बिना अच्छा काम किए अगर कोई सम्मान की अपेक्षा करे तो वह संभव नहीं हो सकता है। सम्मान पाने के लिए लोगों के साथ अच्छा रहना पड़ता है, धर्म ध्यान करना पड़ता है। प्रभु भक्ति में लगना होता है। संसार में रह कर मनुष्य कितना भी भटक ले, लेकिन अंत समय में धर्म ध्यान ही काम आता है। गुरु भगवंत के बताए मार्ग ही काम आते हैं। अपने जीव का मोह है बाकी सब झूठी बातें है। जब तक स्वार्थ है तब तक संसार के लोग अपने हैं। स्वार्थ खत्म होते ही सब अलग हो जाते है। इसलिए जबरदस्ती के मोह माया में अपने अनमोल जीवन को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। इसको व्यर्थ किया तो धर्म भी नहीं मिलेगा और संसार के लोग भी। मनुष्य को प्रभु चरणों में जाके अपने अनमोल भव को तार लेना चाहिए। धर्म के शरण में जाके जीवन को बदलने का प्रयास करें। मोह माया के जाल में फंसने से कुछ हासिल नहीं होगा। रविवार को आचार्य सम्राट शिवमुनिजी की 84वीं जन्म जयंती मनाई जाएगी। सभा में श्री नवयुवति महिला मंडल शिवाजी नगर की महिलाएं विशेष रूप से उपस्थित थी। उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने स्वागत किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

अर्हत महापूजन में परमात्मा का अभिषेक सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में गुरुवर्या श्री चम्प-ाश्रीजी की पुण्य तिथि एवं सुल-क्षणाश्रीजी के आत्म श्रेयार्थ भव्य पंचाह्निका महा महोत्सव के चतुर्थ दिवस को वी वी पुरम् से पधारे पन्यास प्रवर विवेक विजय जी की उपस्थिति में मुनिराज श्री मलयप्रभ सागरजी एवं श्री हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा में अर्हत महापूजन सम्पन्न हुआ।

ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने कहा कि आज के महापूजन में परमात्मा का अनेक औषधियों और सुगन्धित द्रव्यों से अभिषेक किया गया, जिसमें सकल संघ ने उत्साहपूर्वक और हर्षोल्लास से परमात्मा का भक्तिपूर्वक अभिषेक किया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि सकल संघ से अनेक

श्रद्धालुओं ने अपनी तरफ से परमात्मा को स्वर्ण अर्पित किया, जिसको परमात्मा को अर्पण करने का लाभ शान्ति देवी पुखराज गु-लेच्छा परिवार मोकलसर निवासी ने लिया। परमात्मा का शांति कलश करने का लाभ कुशलराज उत्तमचंद गुलेच्छा परिवार ने लिया। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि पन्चान्हिका महोत्सव के अन्तिम दिन रविवार को दादा गुरुदेव का महापूजन पढ़ाया जाएगा। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि आज अर्हत महापूजन के अंतिम चरण में परमात्मा का आशीर्वाद ग्रहण करने के लिए भक्तों को अभिषेक का विशेष अवसर मिला। यह आशीर्वाद उनके जीवन में सुख-समृद्धि और पवित्रता का संचार करता है। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित थे।

वंदना सदैव भाव से करनी चाहिए : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर स्थित वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपमा ने प्रवचन देते हुए कहा कि वंदना विनम्रता का प्रतीक है। वंदना सदैव भाव से करनी चाहिए। केवल विनम्र व्यक्ति ही सच्ची वंदना कर सकता है, अहंकारी व्यक्ति कभी वंदना नहीं कर सकता। साध्वी उपमा ने बताया कि वंदना के तीन प्रकार बताए गए हैं, जघन्य वंदना, हाथ जोड़कर मुख से मात्र मत्थएण

वंदामि कहना। मार्ग में साधु-साध्वियों के मिलने पर यह वंदना की जाती है। मध्यम वंदना स्थानक / उपाश्रय आदि स्थानों में विराजित साधु-साध्वियों को पंचांग नमाकर तिक्खुत्तो के पाठ से की जाती है। तीसरी उत्कृष्ट वंदना प्रतिक्रमण में इच्छामि खमासमणो के पाठ से की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि वंदना और प्रार्थना में पूर्ण समर्पण तथा श्रद्धा का भाव होना आवश्यक है। यही हमारे जीवन में सकारात्मकता लाती है और मनोकामनाओं की पूर्ति में सहायक होती है। विनम्र भाव से की गई वंदना साधक के मन को शुद्ध करती है, अहंकार को गलाती है और आत्मा को ऊर्ध्वगामी बनाती है। उन्होंने कहा विनम्रता के साथ प्रार्थना करना हमें भक्ति और समर्पण के मार्ग पर अग्रसर करता है। हृदय की विनम्रता से ही सच्ची वंदना संभव है। वंदना विनम्रता का आधार है। इसी से व्यक्ति को आत्मिक आनंद की प्राप्ति होती है। अंत में उन्होंने कहा कि श्रद्धा और भावों के साथ यदि हम वंदना करेंगे, तो हमारा जीवन निश्चय ही सार्थक बन जाएगा। आचार्य शिव जन्मोत्सव पर आयोजित छह दिवसीय 'एक्युप्रेशर शिविर' गतिमान है। रविवारीय विशेष प्रवचन 8.15 से रहेगा। साध्वी उपासना ने राजकुमार गोविंदसिंह की रोचक और प्रेरक कथा को आगे बढ़ाया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष, सामाजिक कार्यकर्ता और सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र प्रवासी संघ बेंगलूरु के अध्यक्ष अश्विन समेलानी के जन्मदिन पर विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने बधाई दी। इस मौके पर किया के उपाध्यक्ष महावीर मेहता, जय क्रांति युवा सेना के अध्यक्ष विनोद चौहान, राजेंद्र सिंह कुमावत, हितेश पोरवाल, चेतन जैन, कैलाश कांकरिया, सैंकी जैन, राजेश चोपड़ा, मूल सिंह राजपुरोहित, गौरव शर्मा, मनीष जैन, माधूराम खादव, हनी जैन, देवी सिंह, हेमाराम, मदन मालवीय, ओबीसी कांग्रेस अध्यक्ष किरण, आकाश कांकरिया और मानव सेमलानी सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

दीपोत्सव–2025 : 45 मिनट का प्रदर्शन दीपोत्सव–25 को बनाएगा यादगार

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

अयोध्या में 18 से 20 अक्टूबर तक होने वाला दीपोत्सव–25 अब तक का सबसे भव्य आयोजन बनने जा रहा है। इस बार पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ–साथ 45 मिनट का मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो भी सरयू नदी के घाटों पर प्रस्तुत किया जाएगा। इस विशेष कार्यक्रम में 100 से अधिक कलाकार शामिल होंगे और रामायण की कथाओं को जीवंत करने के लिए 200 मीटर तक फैली झांकियां भी दिखाई जाएंगी।

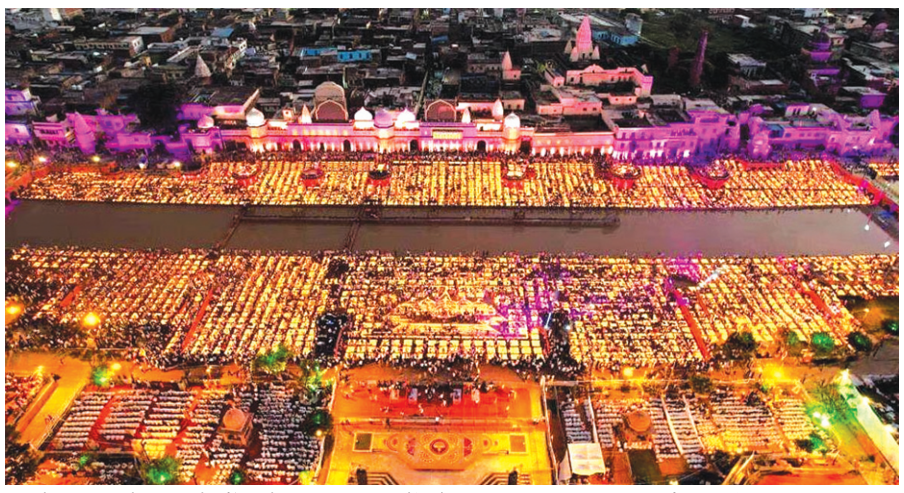

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि त्रेतायुग की अयोध्या को जीवंत करने के लिए दीपोत्सव–25 को अब तक का सबसे भव्य आयोजन बनाने जा रहे हैं, जो कई नए कीर्तिमान भी बनाएगा।

दीपोत्सव–25 भगवान राम की अयोध्या वापसी की खुशी को आधुनिक तकनीक से दोबारा रचेगा। ऐसे में जहां पूरी नगरी रौशनी से जगमगाएगी तो दूसरी ओर सरयू घाट पर 26 लाख से अधिक दीपों को जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाएगा। इस भव्य आयोजन के देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक साक्षी बनेंगे। यह आयोजन अब तक के सभी दीपोत्सवों से अधिक भव्य होगा और दर्शकों को अविस्मरणीय अनुभव देने के लिए तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही हैं।

राम की पैड़ी पर होने वाला 45 मिनट का शो प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर इफेक्ट्स, आतिशबाजी, संगीत और कथावाचन के माध्यम से भगवान राम की गाथा को प्रदर्शित करेगा। इसमें नई दृश्यावलियों, स्टोरीबोर्ड और एनिमेशन का प्रयोग किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में 100 से अधिक कलाकार हिस्सा लेंगे। सरयू नदी पर 200 मीटर लंबे क्षेत्र में झांकियों के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दृश्य तकनीक, कोरियोग्राफी, परिधान, संगीत और कथावाचन का यह संगम दर्शकों को एक अद्वितीय अनुभव देगा। मंच सज्जा और कलाकारों की पोशाकें दीपोत्सव की भावना और परंपरा को और भव्य बनाएंगी। अयोध्या का दीपोत्सव–25 परंपरा, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का ऐसा अद्भुत संगम होगा जो विश्व स्तर पर अपनी विशेष पहचान बनाएगा।

उधमपुर में आतंकियों से मुठभेड़ में सेना का जवान शहीद

पुंछ में 20 ग्रेनेड और एके राइफल बरामद

जम्मू, 20 सितंबर (ब्यूरो)।

उधमपुर जिले के सियोजधार इलाके में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया।

आतंकियों से मुठभेड़ जारी थी। दूसरी ओर सेना ने पुंछ में एक तलाशी अभियान में 20 हथगोले व एक राइफल बरामद की है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हो गया। जिसने बाद में दम तोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सेना, विशेष अभियान समूह (एसओजी) और पुलिस ने सिओज धार के ऊंचाई वाले इलाके से लगे डुडू पुलिस थाना क्षेत्र में एक अभियान शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप मुठभेड़ हुई। जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि मुठभेड़ जारी है। एसओजी, पुलिस और भारतीय सेना की संयुक्त टीमें जमीन पर हैं।

दूसरी ओर एक संयुक्त अभियान में, सेना और पुलिस ने जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले से हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की। मेंढर नाला इलाके से 20 ग्रेनेड और एक एके राइफल बरामद की गई।

सेना ने पुलिस के साथ खुफिया जानकारी के आधार पर एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान पुंछ सेक्टर में एक हथियार (एके सीरीज), चार एके मैगजीन, 20 हथगोले और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की।

नाव दुर्घटना के बाद पांच लोगों को बचाया गया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हंगराकट्टे के पास तकनीकी खराबी के कारण एक नाव किनारे से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे लाखों रुपये का भारी नुकसान हुआ। महाकाली नामक यह नाव, जिसके मालिक कोडी बेंगरे के महेश हैं, 17 सितंबर की सुबह मछली पकड़ने के लिए कोडी बेंगरे मछली पकड़ने के बंदरगाह से रवाना हुई थी।

दोपहर तक, हंगराकट्टे बंदरगाह के पास मछली पकड़ते समय, नाव में तकनीकी खराबी आ गई, जिससे इंजन बंद हो गया। बार–बार प्रयास करने के बावजूद, इंजन को दोबारा चालू नहीं किया जा सका। इस बीच, तेज हवाओं और लहरों ने नाव को किनारे की ओर धकेल दिया और कन्याना गाँव में कोडी के पास नाव टकरा गई। नाव पर सवार पाँच लोग सुरक्षित बच निकलने में सफल रहे। हालाँकि, नाव और अन्य उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे अनुमानित 10 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। इस घटना के संबंध में कोटा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

पश्चिमी यूपी में पहली अक्टूबर से होगी धान खरीद

पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहली नवंबर से की जाएगी खरीद

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के अंतर्गत पहली अक्टूबर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में धान खरीद शुरू होगी, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के संभागों में धान खरीद पहली नवंबर से होगी। इसके लिए पहली सितंबर से पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 जनवरी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 फरवरी 2026 तक धान खरीद होगी। सरकार ने इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है। धान (कॉमन)–2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है।

धान बिक्री के लिए किसानों का पंजीकृत होना अनिवार्य है। किसानों को खाद्य व रसद विभाग की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर पंजीकरण कराना होगा। धान की खरीद पंजीकृत किसानों से ही होगी। खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक किसी भी सहायता या जानकारी के लिए किसान टोल फ्री नंबर 18001800150 नंबर पर कॉल कर सकते हैं। साथ ही अपने जनपद के जिला खाद्य विपणन अधिकारी, तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी व ब्लॉक के विपणन निरीक्षक से भी संपर्क साध सकते हैं।

पश्चिम उत्तर प्रदेश के संभागों में पहली अक्टूबर से धान खरीद शुरू होगी, जो 31 जनवरी 2026 तक चलेगी। यह खरीद पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली,आगरा, अलीगढ़, झांसी संभाग में होगी। वहीं लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जनपद में भी धान खरीद इसी अवधि में होगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश के संभागों में पहली नवम्बर से धान खरीद शुरू होगी। यह खरीद पूर्वी उत्तर प्रदेश के चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर व प्रयागराज संभाग में होगी। इसके साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में भी पहली नवंबर से खरीद होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

धान खरीद के लिए पंजीकरण प्रारंभ हो गया है। 20 सितंबर (दोपहर एक बजे) तक करीब 10 हजार किसानों ने धान विक्रय के लिए खाद्य विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण कर लिया है। विभाग के मुताबिक धान की बिक्री के लिए ओटीपी आधारित सिंगल पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। किसान मोबाइल पर एसएमएस से मिले ओटीपी को भरकर पंजीकरण करा सकते हैं। वहीं किसानों को भुगतान सीधे आधार लिंक्ड बैंक खाते में किया जाएगा। बिचौलियों को रोकने व पारदर्शिता बरतते हुए क्रय केंद्रों पर धान की खरीद ई–पॉप (इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ परचेज) डिवाइस के माध्यम से पहले की भांति किसानों के बायोमेट्रिक सत्यापन के जरिए ही होगी।

दक्षिण कन्नड़ में 'संदिग्ध' बीपीएल राशन कार्डों का पता लगाने के लिए अभियान शुरू

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्र सरकार से मिली जानकारी के बाद कि कई अपात्र व्यक्तियों ने दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में 'संदिग्ध' गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) राशन कार्ड प्राप्त किए हैं, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में 'संदिग्ध' गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) राशन कार्डों का पता लगाने के उपाय शुरू कर दिए हैं। केंद्र सरकार द्वारा भेजी गई सूची के अनुसार, राज्य भर में 7.76 लाख अपात्र राशन कार्ड हैं। जल्द ही यह पता लगाने का काम शुरू होगा कि इनमें से कितने दक्षिण कन्नड़ जिले के हैं।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की उप निदेशक अनीता मदलूर ने बताया कि जिले में वर्तमान में कुल 4,56,368 राशन कार्ड हैं, जिनमें अंत्योदय अन्न योजना के तहत 22,864 और बीपीएल के तहत 28,000 कार्ड शामिल हैं। उन्होंने कहा अपात्र कार्डों के अस्तित्व का संदेह हमेशा से रहा है। अब, केंद्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर एक सूची उपलब्ध करा दी है, और इसे विभिन्न मानदंडों पर सत्यापित करने की आवश्यकता है। इस बीच, कार्डों को अपात्र घोषित करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे मानदंडों को लेकर चिंताएँ जताई गई हैं। रेहड़ी–पटरी वालों के संघ के अध्यक्ष इम्तियाज ने पूछा सिर्फ इसलिए बीपीएल कार्ड रद्द करना उचित नहीं है क्योंकि किसी घर में सीमेंट की दीवार है या उसके पास मोबाइल फोन है। शहरी इलाकों में जरूरतें आय सीमा से ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं। जरूरी चीजें होना किसी को अपने आप अमीर नहीं बना देता। ऐसे समय में जब एक पुरानी कार 25,000 रुपये में खरीदी जा सकती है, क्या हम कह सकते हैं कि कार रखने वाला कोई भी व्यक्ति अमीर है? उन्होंने कहा पात्रता मानदंडों के कारण अन्याय नहीं होना चाहिए। दक्षिण कन्नड़ में लोग पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। पत्थर और रेत की कमी के कारण, कई एपीएल कार्डधारक बिना काम के रह गए हैं, जिससे वे प्रभावी रूप से बीपीएल श्रेणी में आ गए हैं। इसी तरह, सांप्रदायिक झगड़ों ने पर्यटकों की आमद कम कर दी है, जिससे आर्थिक गतिविधियाँ कमजोर हो गई हैं। इसलिए, हमारे क्षेत्र से संबंधित मानदंडों को संशोधित करना जरूरी हो सकता है।

बस की चपेट में आने से स्कूटर सवार की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कवलकट्टे में एन सी रोड के पास बंटवाल–बेल्टांगडी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की एक बस और उसके दोपहिया वाहन की टक्कर में एक स्कूटर सवार की मौत हो गई।

मृतक की पहचान बेल्टांगडी तालुका के बाजीरे क्रॉस कट्टे निवासी राजेश (36) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, केएसआरटीसी बस धर्मस्थल से आ रही थी, तभी उसकी टक्कर वाग्गा से बेल्टांगडी की ओर जा रहे स्कूटर से हो गई। राजेश को गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुंजालकट्टे के एसआई राजेश ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज किया।

किशोर दत्तक पुत्र पर उस महिला के साथ बलात्कार और हत्या का आरोप जिसने उसे माँ की तरह पाला

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के हासन जिले में एक हत्या के मामले में एक चौंकाने वाला मोड़ आया है। पुलिस का कहना है कि 17 साल के एक लड़के ने उसी महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी जिसने उसे अपने बच्चे की तरह पाला था।

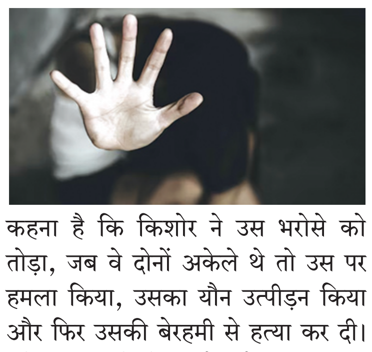

यह जघन्य अपराध 15 सितंबर को अरसीकेरे तालुका के जवागल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक केले के बागान में हुआ। जांचकर्ताओं के अनुसार, पीड़ित – एक 45 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर – ने अपने बच्चे को तब से प्यार से पाला था जब उसने अपने माता–पिता को बचपन में ही खो दिया था।

हालाँकि उसका कोई रिश्तेदार नहीं था, फिर भी उसने एक माँ की तरह उसे खाना खिलाया, कपड़े पहनाए और उसकी देखभाल की, उसे स्कूल भेजा और उसे अनाथ होने के दर्द से बचाया। पुलिस का कहना है कि किशोर ने उस भरोसे को तोड़ा, जब वे दोनों अकेले थे तो उस पर हमला किया, उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। महिला 15 सितंबर को हमेशा की तरह काम पर गई थी, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटी। उसके फोन पर की गई कॉल का कोई जवाब नहीं मिला, जिससे ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। अगली सुबह, उसका शव पास के केले के बाग में चोटों के निशान के साथ मिला, जिससे तुरंत संदेह पैदा हो गया। जवागल पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया और विस्तृत जाँच शुरू की। एक ग्रामीण ने पुलिस को बताया कि महिला और उसके द्वारा पाले गए लड़के को पहले झगड़ते देखा गया था। इस सुराग पर कार्रवाई करते हुए, जाँचकर्ताओं ने लड़के से पूछताछ की और इस चौंकाने वाले अपराध का पर्दाफाश किया। उनका आरोप है कि उसका यौन उत्पीड़न करने के बाद, उसने उसकी चीखें दबाने के लिए उसकी हत्या कर दी। सत्रह साल पहले, एक पड़ोसी परिवार ने अनाथ शिशु को अपने घर में रखा था, और पीड़िता जो उनके घर में काम करती थी उसे अपने बेटे की तरह मानती थी। एक साधारण मजदूरी और बिना पति के जीवन जीने के बावजूद, वह उस लड़के के लिए एक घर बनाने का सपना देखती थी जिसे वह अपना बच्चा कहती थी।

ग्रामीणों को संदेह है कि किसी ने उस किशोर की मदद की होगी और उन्होंने इसकी गहन जाँच की माँग की है। वे कड़ी से कड़ी सजा की भी माँग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस कृत्य ने पूरे समुदाय को स्तब्ध और दुखी कर दिया है।

ज्ञान सेतु कार्यक्रम : कर्नाटक में पीयू के छात्रों को ऑनलाइन पंजीकरण के लिए स्मार्टफोन लाना अनिवार्य

इससे सभी अभिभावक खुश नहीं

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूल शिक्षा विभाग (प्री–यूनिवर्सिटी) ने कर्नाटक के प्री–यूनिवर्सिटी कॉलेजों के व्याख्याताओं को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि उनके छात्र अपने स्मार्टफोन के साथ ज्ञान सेतु कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करें। छात्रों को एक जीमेल अकाउंट खोलना होगा और खान अकादमी में लॉगिन सुविधा प्राप्त करनी होगी, जो इस योजना के तहत ऑनलाइन संसाधन प्रदान करती है। इससे अभिभावक, खासकर ग्रामीण इलाकों में, चिंतित हैं। जहाँ कई अभिभावकों ने शिक्षकों से संपर्क किया है और कहा है कि वे अपने बच्चों के लिए स्मार्टफोन नहीं खरीद सकते, वहीं कुछ अभिभावकों ने फोन की लत के दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त की है। छात्रावासों में रहने वाले छात्रों के अभिभावक ज्यादा चिंतित हैं, क्योंकि वे बच्चों के फोन के इस्तेमाल पर नजर रखने के लिए उनके साथ नहीं होंगे। तीर्थहल्ली के मेलिनाकोप्पा निवासी हरीश एम.के. ने बताया कि वह अपनी भाभी के अभिभावक थे, जो एक कॉलेज में पढ़ रही हैं। पहले, शिक्षकों और अधिकारियों ने छात्रों के बीच स्मार्टफोन के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए थे। अब, आश्चर्यजनक रूप से, वे हमसे छात्रों के लिए फोन लाने के लिए कह रहे हैं। छात्रावासों में फोन के इस्तेमाल पर कौन नजर रखेगा? उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी छात्रा को फोन तभी देंगे जब कॉलेज प्रिंसिपल या हॉस्टल इंचार्ज छात्रा की सुरक्षा का आश्वासन देंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इस साल की शुरुआत में अपने बजट में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एक गैर–लाभकारी संगठन, खान अकादमी के सहयोग से ज्ञान सेतु योजना की घोषणा की थी।

इस योजना का उद्देश्य सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाना है। यह संगठन छात्रों को संसाधन निःशुल्क उपलब्ध कराएगा और शिक्षकों को अपने एआई उपकरणों का निःशुल्क उपयोग करने की अनुमति देगा। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, विभाग इस योजना के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण पर 5.4 करोड़ खर्च करेगा। फिलहाल, पीयू कॉलेजों के व्याख्याताओं को अपने छात्रों को इस योजना के लिए पंजीकृत करने के लिए कहा गया है। आने वाले दिनों में, हाई स्कूल और उच्च प्राथमिक के छात्रों के भी इस योजना में शामिल होने की उम्मीद है। शिवमोग्गा में प्री–यूनिवर्सिटी एजुकेशन के उप निदेशक चंद्रप्पा एस. गुंडुपल्ली ने बताया कि विभाग के निर्देशों के अनुसार, उन्होंने व्याख्याताओं को कॉलेजों में पंजीकरण करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा बच्चे मोबाइल फोन के जरिए ऑनलाइन सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। हम बस विभाग के निर्देशों का पालन कर रहे हैं और पंजीकरण प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं।

सीएम योगी ने मिशन शक्ति-5.0 का किया शुभारंभ

पहले बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, आज खुद बना रही हैं अपना रास्ता

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोक भवन सभागार में नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित महत्वाकांक्षी अभियान मिशन शक्ति-5.0 का भव्य शुभारंभ किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, लेकिन आज वे खुद अपने रास्ते बना रही हैं। उन्होंने कहा कि नारी सम्मान उनकी प्राथमिकता है, यही वजह है कि 2017 के बाद से प्रदेश में महिलाओं की स्थिति में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीयत साफ होती है तो योजनाएं खुद अपना रास्ता बना लेती हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी 1,647 थानों में नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का बटन दबाकर उद्घाटन किया। साथ ही, मिशन शक्ति केंद्रों की एसओपी पुस्तिकाओं, बुकलेट और सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश फोल्डर का विमोचन भी किया। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनपदों के अधिकारीगण और मंत्रीगण इस ऐतिहासिक पल से जुड़े रहे। सीएम योगी ने कार्यक्रम को संबोधन करते हुए कहा कि मिशन शक्ति के पांचवें चरण का शुभारंभ करते हुए उन्हें गर्व और प्रसन्नता हो रही है। पांच साल पहले, 2020 में इस अभियान की शुरुआत के समय लोग संशय में थे कि क्या होगा, कैसे होगा, इसकी थीम क्या होगी? लेकिन मिशन शक्ति को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जोड़कर इसे नारी गरिमा के अनुरूप ढाला गया। आज इसके सकारात्मक परिणाम सबके सामने हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान ने नारी को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का मार्ग दिखाया है, जिसे तेजी से आगे बढ़ाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से 2017 तक पुलिस में महिला कार्मिकों की संख्या महज 10,000 थी, लेकिन 2017 से अब तक यह संख्या 44,000 से अधिक हो गई है। हर भर्ती में 20 प्रतिशत महिलाओं को अनिवार्य रूप से शामिल किया जा रहा है और उनकी समय पर ट्रेनिंग सुनिश्चित की जा रही है। हाल ही में संपन्न 60,200 पुलिस कार्मिकों की भर्ती में 12 हजार से अधिक महिलाएं शामिल हुई हैं, जो वर्तमान में ट्रेनिंग ले रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि यह मिशन रोजगार और बिना भेदभाव के नौजवानों को जोड़ने का परिणाम है कि 2017 से पहले जो ट्रेनिंग क्षमता महज 3,000 थी, इसे बढ़ाकर अब 60,000 से अधिक कर दिया गया है।

सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा और अन्य विभागों में भी महिला भर्ती को बढ़ावा दिया गया। 2017 से पहले ट्रेनिंग की कमी एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में ही 60,200 से अधिक पुलिसकर्मियों की ट्रेनिंग संभव हो रही है। इसके अलावा, बेसिक शिक्षा परिषद के 1.60 करोड़ से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं, जहां 2017 से पहले 70-75 प्रतिशत बेटियां नंगे पांव और पुराने कपड़ों में स्कूल जाती थीं। एक मार्मिक घटना का जिक्र करते हुए सीएम ने बताया कि बुंदेलखंड दौरे के दौरान उन्होंने एक बच्ची से बात की, जिसने कहा, मेरे भाई के लिए जूते आए, लेकिन मुझे नहीं, क्योंकि मैं बेटी हूं। इस घटना ने उन्हें प्रेरित किया और अब हर बच्चे के लिए दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते, मोजे और स्वेटर की व्यवस्था की गई, जिसकी लागत 1,200 रुपए प्रति बच्चे है।

सीएम योगी ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की चर्चा करते हुए कहा कि बेटी के जन्म से स्नातक तक 25,000 रुपए का पैकेज दिया जाता है। जन्म पर 5,000 रुपए, एक वर्ष पर 2,000 रुपए (टीकाकरण के बाद), पहली और छठी कक्षा में 3,000-3,000 रुपए, नौवीं में 5,000 रुपए और 12वीं पास करने पर 7,000 रुपए दिए जाते हैं। इस योजना से 26 लाख से अधिक बेटियां सीधे लाभान्वित हो रही हैं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में हर बेटी को 1 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है, जो पहले चेहरा देखकर दी जाती थी, अब बिना भेदभाव के उपलब्ध है। इन योजनाओं ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में इतिहास रचा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, फिट इंडिया मूवमेंट, स्वच्छ भारत मिशन (12 करोड़ शौचालय), उज्ज्वला योजना (10 करोड़ कनेक्शन) से महिलाओं के चूल्हे के धुएं से मुक्ति मिली है, महिला स्वस्थ होगी तो परिवार सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत (50 करोड़ लाभार्थी) और 80 करोड़ को मुफ्त राशन जैसी योजनाओं को नारी गरिमा से जोड़ा।

उन्होंने कहा कि परिवार में बीमारी के समय नारी अपना आभूषण तक गिरवी रखती है, इसलिए ये योजनाएं उसके सम्मान से जुड़ी हैं। उत्तर प्रदेश ने 3 करोड़ ग्रामीण भू-अभिलेख में 1 करोड़ से अधिक महिलाओं के नाम किए और 60 लाख गरीबों को आवास उपलब्ध कराए गए। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में हर कल्याणकारी योजनाओं में है नारी केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि कोरोना काल में शुरू की गई बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंस सखी योजना से 40,000 से अधिक महिलाएं हजारों करोड़ का लेन-देन कर रही हैं और मुनाफा कमा रही हैं। पोषाहार मिशन में पहले ठेकेदारों की धांधली थी, लेकिन अब 204 टेक होम राशन प्लांट से 60,000 महिलाएं 8,000 रुपए प्रति माह कमा रही हैं, और 2 करोड़ बहनें लाभान्वित हो रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि साफ नीयत से योजनाएं अपना रास्ता बनाती हैं। सीएम योगी ने कहा कि पहले बेटी की सुरक्षा पर भी खतरा था। बेटी के रोजगार पर भी डकैती पड़ती थी। उसके लिए शासन ने कोई योजना बनाई भी तो योजनाओं पर डकैती कैसे पड़ती थी, पोषाहार मिशन उसका एक उदाहरण है। रोजगार में किस प्रकार की डकैती पड़ती थी, नौकरियों में व्यापक धांधली इसके उदाहरण हैं।

सीएम योगी ने महिला सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि 1 जनवरी 2024 से अगर सिर्फ 2024-25 तक के मामले देखें तो 9,513 मामलों में 12,271 अपराधियों को दंडित किया गया, 12 को मृत्युदंड, 987 को आजीवन कारावास, 3,455 को 10 साल से अधिक, और 60द,817 को 10 साल से कम सजा दिलाई गई। सीएम योगी ने बरेली की एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि बाहरी अपराधियों ने महिला सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की कार्रवाई से वह चिल्लाया, गलती से उत्तर प्रदेश आ गया, आगे नहीं करूंगा। यह अपराधियों के लिए चेतावनी है।

सीएम योगी ने मिशन शक्ति के तहत सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश फोल्डर और महिला सुरक्षा से जुड़ी हेल्पलाइन (1090, 181, 112, 1930, 1076, 102, 101, 108, 1098) की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर थाने में मिशन शक्ति केंद्र और महिला बीट अधिकारी तैनात होंगे। 21 सितंबर को बाइक रैली होगी और नवरात्रि के दौरान मंदिरों में सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। स्कूल-कॉलेजों में फोल्डर वितरित किए जाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि मिशन एक माह चलेगा, फिर तीन माह तक विस्तारित होगा। सफल कार्मिकों और महिलाओं को सम्मानित करने का कार्यक्रम होगा। उन्होंने सभी विभागों से समन्वय और जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही उन्होंने नवरात्रि और त्यौहारों के दौरान सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबीरानी मौर्य, महापौर सुषमा खर्कवाल, मुख्य सचिव दीपक कुमार, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, एमएलसी डॉ. महेंद्र सिंह, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण समेत प्रशासनिक व पुलिस सेवा के कई अधिकारीगण और अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025

रूस के साथ नए व्यापारिक अवसरों की मिलेगी सौगात

लखनऊ, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय निवेश और साझेदारी का मंच बनने जा रहा है। योगी सरकार की दूरदर्शी नीतियों और निवेश के अनुकूल माहौल की वजह से प्रदेश वैश्विक स्तर पर तेजी से अपनी अलग पहचान बना रहा है। इसी कड़ी में आगामी रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग का आयोजन 26 सितंबर 2025 को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा। यह संवाद सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। विशेष बात यह है कि इस वर्ष रूस पार्टनर देश के रूप में शामिल हो रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश और भारत को नए व्यापारिक अवसरों की बड़ी सौगात मिलेगी। इस संवाद में भारत और रूस के शीर्ष उद्योगपतियों, वित्तीय संस्थानों, बीमा कंपनियों, शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों और दोनों देशों के सरकारी नीति-निर्माताओं की भागीदारी होगी।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत और रूस के बीच व्यापारिक और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाना, तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना और संयुक्त उपक्रमों को प्रोत्साहित करना है। बैंकिंग एवं निवेश, बीमा, शिक्षा और सामान्य व्यापार जैसे क्षेत्रों पर विशेष चर्चा होगी। इससे दोनों देशों के बीच न केवल आर्थिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि प्रदेश के उद्योग और कारोबारी भी लाभान्वित होंगे। संवाद में तकनीकी हस्तांतरण, क्षमता निर्माण और नए निवेश मॉडल पर भी विचार किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और भारत की साझेदारी शिक्षा, बीमा और निवेश क्षेत्रों में नई संभावनाओं को जन्म देगी। साथ ही, उत्तर प्रदेश में चल रही औद्योगिक नीतियों और मेगा प्रोजेक्ट्स में रूस की कंपनियों की भागीदारी से रोजगार और विकास के अवसर और बढ़ेंगे।

इस आयोजन से उम्मीद है कि भारत और रूस के बीच आर्थिक रिश्तों को नई गति मिलेगी और उत्तर प्रदेश एक ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विज़न है कि प्रदेश न केवल देश बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी निवेशकों के लिए पहला विकल्प बने। यह बिजनेस डायलॉग उसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में गोमती पुस्तक मेला का उद्घाटन

योग्य मार्गदर्शक होती हैं अच्छी पुस्तकें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित चौथे गोमती बुक फेस्टिवल का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नन्हे-मुन्ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें पुस्तकों से परिचित कराने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्कूली छात्राओं और आंगनबाड़ी दीदीयों को पुस्तकें भेंट की। उन्होंने कहा कि अच्छी पुस्तक योग्य मार्गदर्शक बनकर सदैव हमारे जीवन का पथ प्रदर्शक बनती हैं और जीवन को आगे बढ़ाती हैं।

मुख्यमंत्री ने उद्घाटन समारोह में अपने उद्बोधन में कहा कि अगले नौ दिन तक लखनऊ विश्वविद्यालय में पुस्तक मेला चलेगा, जहां आने वाले पाठक ज्ञान और साहित्य के महाकुम्भ का अनुभव कर सकेंगे। उन्होंने बच्चों और युवाओं से स्मार्टफोन पर समय कम बिताकर कम से कम एक घंटा रचनात्मक और ज्ञानवर्धक पुस्तकों को

पढ़ने की अपील की। मुख्यमंत्री ने भारतीय मनीषियों और ऋषियों का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे यहां याज्ञवल्क्य जैसे ऋषियों ने समाज को ज्ञान का मार्ग दिखाया। उन्होंने याज्ञवल्क्य ऋषि और उनकी पत्नियों कात्यायिनी व मैत्रेयी का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि ज्ञान की खोज जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य होना चाहिए।

उन्होंने नेशनल बुक ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि इसने लगातार गोमती बुक फेस्टिवल की परंपरा को आगे बढ़ाया है। इस वर्ष के फेस्टिवल में ढाई सौ से अधिक स्टॉल हैं, जिनमें बाल रचनाकारों से लेकर प्रख्यात लेखकों की पुस्तकें विभिन्न भाषाओं में प्रदर्शित और बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को एग्जाम वॉरियर्स पुस्तक भेंट की, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा लिखा गया है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे इस पुस्तक के सभी बिंदुओं का अध्ययन करें तो किसी भी परीक्षा या प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करना आसान हो जाएगा। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए तक्षशिला विश्वविद्यालय, पाणिनी, सुश्रुत और ब्रह्मवेत्ताओं की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि तक्षशिला का नाम भगवान राम के भाई भरत के पुत्र तक्ष के नाम पर रखा गया था। उन्होंने कहा कि पढ़ना और आगे बढ़ना भारत की परंपरा रही है और प्रधानमंत्री के विचार वेन सिटिजन रीड्स, कंट्री लीड्स इसी संदेश का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि और तुलसीदास जी की मौलिक रचनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मौलिक रचनाएं न केवल अमर होती हैं, बल्कि रचयिता को भी अमर बना देती हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अच्छी पुस्तकों का अध्ययन अवश्य करें।

उन्होंने स्वस्थ नारी, सशक्त समाज के संदेश को भी दोहराया और कहा कि यदि महिलाएं स्वस्थ होंगी तो समाज और राष्ट्र सशक्त होंगे। उन्होंने लखनऊ के सभी स्कूलों के बच्चों से अपील की कि वे इस बुक फेस्टिवल में आएं और हर छात्र कम से कम एक पुस्तक जरूर खरीदें।

गोमती बुक फेस्टिवल 20 से 28 सितंबर तक आयोजित रहेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सुनीता शुक्ला, दीपमाला, कुसुम, पूनम पाल, विनीता पाठक, ज्ञानवती, तारावती जैसी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को विशेष रूप से पुस्तकें प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पुस्तक प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, सरकार के सलाहकार अवनीश अवस्थी, नेशनल बुक ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रो मिलिंद सुधाकर मराठे, लखनऊ विवि की कुलपति प्रो मनुका खन्ना, सुप्रसिद्ध लेखक, फिल्मनिर्माता और इतिहासकार चंद्र प्रकाश द्विवेदी, नेशनल बुक ट्रस्ट के डायरेक्टर युवराज मलिक सहित साहित्यप्रेमी मौजूद थे।

युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करेगा यूपीआईटीएस

सीएम युवा का पवेलियन होगा आकर्षण का केंद्र

लखनऊ, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रदेश सरकार युवाओं को नए अवसर और मंच देने के लिए अब सीएम युवा योजना को बड़े स्तर पर आगे बढ़ाने जा रही है। इसी कड़ी में 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में सीएम युवा योजना प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना के जरिए प्रदेश के युवाओं को इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स, फ्रेंचाइजी मॉडल्स और टेक्नोलॉजी आधारित बिजनेस आइडियाज से जोड़ने की पहल की जा रही है। आयोजन के दौरान 27 सितंबर को सीएम युवा और 27 प्रमुख शैक्षिक संस्थानों के बीच एमओयू का हस्तांतरण होगा। इसके साथ ही हॉल नंबर 18ए में 150 विशेष स्टॉल्स स्थापित किए जाएंगे, जहां विभिन्न क्षेत्रों के नए-नए बिजनेस मॉडल्स प्रदर्शित होंगे। इस प्रदर्शनी में प्रदेश भर से छात्र-छात्राएं, युवा फेलोज, यूनिवर्सिटी प्रतिनिधि और उद्योग जगत के लोग शामिल होंगे, जिससे युवाओं को सीखने, जुड़ने और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

सीएम युवा योजना के नोडल अधिकारी और ज्वॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेश्वर शुक्ला ने बताया कि इस एमओयू का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों को सीएम युवा योजना से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना है। इसके माध्यम से अंतिम वर्ष में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं और संस्थानों के पूर्व छात्रों को इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करेगी बल्कि प्रदेश सरकार के स्टार्टअप और इनोवेशन विजन को साकार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने बताया कि यूपीआईटीएस में हॉल नंबर 18ए को विशेष रूप से सीएम युवा प्रदर्शनी के लिए निर्धारित किया गया है। यहां 150 से अधिक स्टॉल्स स्थापित होंगे, जिनमें फ्रेंचाइजी मॉडल्स, टेक्नोलॉजी-आधारित बिजनेस, एग्रीटेक, हेल्थटेक और अन्य स्टार्टअप बिजनेस आइडियाज को प्रदर्शित किया जाएगा। यह स्टॉल्स युवाओं को न सिर्फ नए व्यापारिक मॉडल्स से परिचित कराएंगे बल्कि उन्हें यह भी समझने का अवसर देंगे कि कैसे इन मॉडल्स को अपने क्षेत्र में लागू किया जा सकता है। एनसीआर क्षेत्र में आयोजित होने के कारण हम इसे लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम से भी एक लेवल और ऊपर ले गए हैं। इसमें कई नए और बेहतरीन ब्रांड्स को भी शामिल किया गया है, जो देश-विदेश से आए विजिटर्स का ध्यान आकर्षित करेगा।

सीएम युवा योजना के अंतर्गत जिन संस्थानों के साथ एमओयू किया जा रहा है, उनमें गलगोटिया यूनिवर्सिटी, जीएल बजाज, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ, अजय कुमार गर्ग यूनिवर्सिटी, शारदा यूनिवर्सिटी, एमिटी यूनिवर्सिटी और एबीईएस जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। इन संस्थानों के छात्र और फैकल्टी टीमें प्रदर्शनी में सक्रिय भागीदारी करेंगी। इससे युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से उद्योग जगत से जुड़ने और नई संभावनाओं की पहचान करने का अवसर मिलेगा। युवाओं के बिजनेस आइडियाज को केवल पहचान ही नहीं बल्कि वित्तीय सहयोग भी दिलाने की व्यवस्था की गई है। प्रदर्शनी में कई बैंकर्स और इंडस्ट्री लीडर्स मौजूद रहेंगे। वे नए बिजनेस मॉडल्स का आकलन करेंगे और यह तय करेंगे कि किन प्रोजेक्ट्स को वित्तपोषण दिया जा सकता है। इससे उद्यमिता के इच्छुक युवाओं को फाइनेंसिंग और मार्गदर्शन एक ही मंच पर उपलब्ध होगा।

प्रदेश सरकार ने सभी 75 जिलों के सीएम युवा फेलो को प्रदर्शनी में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें प्रत्येक स्टॉल का डाटा और कांटेक्ट डिटेल एकत्र करने तथा इन ब्रांड्स को अपने-अपने जिलों में प्रचारित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, सहारनपुर, मेरठ, आगरा और अलीगढ़ मंडल से जुड़े कॉलेजों के छात्र-छात्राएं और अधिकारी भी इस प्रदर्शनी का हिस्सा बनेंगे। यह प्रयास युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से इनोवेशन और उद्यमिता से जोड़ने का अवसर देगा।

जिज्ञासा

पंद्रह साल की थकान के बाद सो गया!

विश्व के प्रथम स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन मीर का 23 मार्च सन 2001 को भारतीय समय के दिन के 11 बजकर 29 मिनट पर न्यूजीलैंड और चिली के बीच के समुद्र में जलसमाधि के साथ अंत हो गया और इसी के साथ अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र के एक गौरवशाली इतिहास का भी अंत हुआ।

अपने 15 साल के अंतरिक्ष प्रवास में मीर अंतरिक्ष स्टेशन ने मानव कल्याण की दृष्टि से अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य किए और शायद इसने 'यथा नामो तथा गुणो' लोकोक्ति को भी चरितार्थ कर दिया।

मीर शब्द रूसी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है शांति। पिछले कुछ वर्षों से मीर अंतरिक्ष स्टेशन में कई समस्याएँ चल रही थीं तथा इसका प्रचालन मुश्किल पड़ रहा था। मीर अंतरिक्ष स्टेशन में छोटी-मोटी कई दुर्घटनाएँ हुईं, लेकिन जून 1997 में मीर अंतरिक्ष स्टेशन और मालवाहक प्रोग्रेस यान के बीच अंतरिक्ष में हुए टकराव से मीर स्टेशन के ढांचे को काफी क्षति हुई और इसमें कुछ दरारें पड़ जाने से एक मोड्यूल की ऑक्सीजन अंतरिक्ष में रिस गई। बाद में इसकी मरम्मत भी की गई। रेकॉर्डों के अनुसार, अंतरिक्ष में दो मानव निर्मित पिंडों के बीच घटित होनेवाला यह पहला टकराव था। जुलाई 2000 में मीर अंतरिक्ष स्टेशन को नीदरलैंड की एक कंपनी मीर कार्प्स ने लीज पर लिया तथा इसको प्रचलित करने का बीड़ा उठाया। मीर कार्प्स कंपनी में 60 प्रतिशत शेयर आरकेके इनर्जिया कंपनी के थे जिसने मीर अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण किया था तथा जो अब तक इस स्टेशन का प्रचालन कर रही थी। सारे प्रयासों के बावजूद जब रूस ने यह महसूस किया कि अंतरिक्ष स्टेशन मीर काफी बूढ़ा हो गया है तथा उसके तमाम तंत्र काम नहीं करत रहे हैं और उसका प्रचालन काफी महँगा पड़ रहा है, तब रूसी अंतरिक्ष अधिकारियों एवं सरकार ने उसे कक्षा से हटाकर (डी ऑरबिट) पृथ्वी में समुद्र में गिरा देने का निर्णय लिया।

कार्टूस की रंगीन दुनिया

मिकी माउस

दुनिया का सबसे चर्चित कार्टून कैरेक्टर मिकी माउस फालतू कागज पर बना था। जब वाल्ट डिज्नी को काफी जगह भटकने के बाद भी काम नहीं मिला, तो उन्हें चर्च के पादरी ने कुछ कार्टून बनाने का काम दिया। वह जिस शेड के नीचे काम कर रहे थे, वहां चूहे उधम मचा रहे थे। एक चूहा देखकर उनके मन में एक कार्टून बनाने का ख्याल आया और वहीं से मिकी माउस का जन्म हुआ।

मिकी वाल्ट डिज्नी का बनाया हुआ सबसे पहला और सबसे लोकप्रिय कार्टून है। मिकी माउस और उसके दोस्त प्लूटो, जोकि एक कुत्ता है, की मस्ती देखकर कोई भी हंसे बिना नहीं रह सकता। लोगों ने पहली बार 18 नवंबर, 1928 को न्यूयॉर्क सिटी में प्रदर्शित एक फिल्म में मिकी को देखा। मिकी ने मूक सिनेमा में भी काम किया है और बोलती हुई फिल्मों में भी।

डोरेमोन

यह सीरीज एक ऐसे रोबोटिक बिल्ले की है, जो 22वीं सदी से यानी भविष्य से आया हुआ है। इसके पास कई तरह के उपकरण हैं, जिनसे यह नोबिता नोबी की हमेशा मदद करने की कोशिश करता है। डोरेमोन जैसा दोस्त हर बच्चे का सपना है, ताकि उसे भी नोबिता की तरह गैजेट्स मिल जाएं और वह भी अपने सारे काम उसकी मदद से पूरे कर सके।

डोरेमोन प्रसिद्ध जापानी कार्टून है, जिसे क्रियेट किया है फुजिको एफ फुजियो ने। यह सीरीज पहली बार दिसंबर 1969 में एक साथ छह मैगज़िंस में प्रकाशित हुई थी। ओरिजनल सीरीज में 1,344 कहानियां क्रियेट की गई थीं। 45 वॉल्यूम्स में ये कहानियां जापान में टॉयामा में कोकॉका सेंट्रल लाइब्रेरी में रखी हुई हैं।

डॉनल्ड डक

वाल्ट डिज्नी के इस कार्टून कैरेक्टर को पहली बार 9 जून 1934 को पर्दे पर उतरा गया था। 1949 तक डोनल्ड मिकी के साथ दुनिया का सबसे प्रसिद्ध कार्टून कैरेक्टर बन चुका था। अनेक कार्टून स्टोरीज़ के अलावा यह 18 फीचर फिल्मों, 150 से अधिक छोटी कार्टून फिल्मों, 8 टेलीविजन सीरियल्स और 21 वीडियो गेम्स में प्रमुख भूमिका निभा चुका है। सिली सिंफनीज की 'द वाइज लिटिल हेन डॉनल्ड', डोनल्ड की पहली फिल्म थी।

अपनी बेवकूफाना हरकतों और गुस्सैल मिजाज के चलते डॉनल्ड डक जल्द ही दर्शकों में लोकप्रिय हो गया। डॉनल्ड डक, मिकी, मिनी, गूफी और प्लूटो की शैतान फौज के साथ धमाचौकड़ी मचाने में उस्ताद है। यह वास्तव में एक मासूम-सा किरदार है, जो अच्छे काम करना चाहता है, लेकिन हर बार उसका काम बिगड़ जाता है, मगर वह हिम्मत नहीं हारता।

कार्टून सीरियल्स हमेशा से ही बच्चों के पसंदीदा रहे हैं। हर उम्र का बच्चा इन्हें देखना पसंद करता है। सारा दिन एक ही कार्टून देखकर भी बच्चे बोर नहीं होते। समय-समय पर नए-नए कार्टून सीरियल्स बच्चों के दिलों में अपनी जगह बनाते रहे हैं...

टॉम एंड जैरी

पिछले कई सालों से शरारती चूहे और खुराफाती बिल्ले की नोकझोंक बच्चों को लुभा रही है। टॉम का असली नाम थॉमस है, जोकि नीली- स्लेटी आंखों वाला घरेलू बिल्ला है और जैरी भूरे रंग का छोटा-सा चूहा है। यह सीरीज बिल्ले और चूहे के बीच लगातार चलने वाली दुश्मनी पर केंद्रित है।

टॉम हो या जैरी, दोनों एक-दूसरे के पीछे पड़े रहते हैं। प्रत्येक कार्टून फिल्म की कहानी आमतौर पर जैरी को पकड़ने के लिए टॉम के अनगिनत प्रयासों और उसके कारण हुई हाथापाई और दौड़ा-भागी पर आधारित होती है। टॉम एंड जैरी के क्रियेटर हैं जोसेफ और हाना। इनकी जोड़ी ने 17 साल के सफर में टॉम एंड जैरी सीरीज़ के लिए सात ऑस्कर पुरस्कार हासिल किए और कुल 14 बार इन्हें पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

स्पाइडरमैन

स्पाइडर मैन (पीटर बेंजामिन पारकर) मार्वल कॉमिक्स का काल्पनिक सुपर हीरो है। इसके रचयिता स्टैन ली और स्टीव डिटको हैं। 15 अगस्त 1962 को स्पाइडरमैन पहली बार दुनिया के सामने पेश किया गया। ली और डिटको ने स्पाइडर मैन की प्रेरणा एक अनाथ बच्चे से ली, जिसे उनके अंकल-आंटी ने पाल पोसकर बड़ा किया था। उन्होंने स्पाइडर मैन को खास ताकत दी, जिसे 'वैब शूटर्स' कहा गया। स्पाइडर मैन वास्तव में पीटर पार्कर हाई स्कूल में पढ़ने वाला एक युवक है, जो जानता है कि विशाल ताकत के साथ ज़िम्मेदारी भी बढ़ जाती है।

बग्स बनी

बग्स बनी, वार्नर ब्रदर्स का प्रसिद्ध कार्टून तथा कॉमिक्स कैरेक्टर है। यह है तो खरगोश, पर इसमें कुछ क्वालिटीज बग्स की भी हैं। यह बेहद शरारती खरगोश है जो अपनी चालाकी से लोगो को छकाता रहता है। बग्स बनी का जन्म ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क में 27 जुलाई, 1940 को हुआ था। रॉबर्ट मैकिमसन ने बग्स बनी का कैरेक्टर डिजाइन किया था।

क्या आप जानते हो

- दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना यादा।

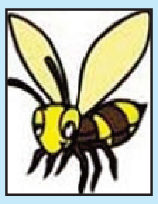

- मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियाँ हो सकती हैं।
- नील नदी की लंबाई (650 कि.मी.) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 कि.मी.) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

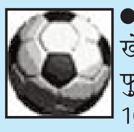

- 26 अप्रैल 2008 को जोहानेसबर्ग में खेले गए अफ़्रीकन कनफ़ेडरेशन कप फ़ुटबॉल मैच का सबसे सस्ता टिकट 100,000,000 ज़िंबाब्वे डॉलर का था।
- भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एम.डी.एच. का पूरा नाम महाशियाँ दी हट्टी है।
- संयुक्त अरब इमारात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

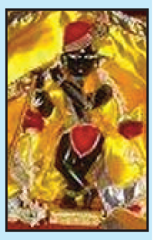

- कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।
- सत्रहवीं शती में मुग़ल सम्राट औरंगज़ेब के आक्रमण के बाद वृंदावन में कृष्ण की राधा-रमण नामक केवल यह एक प्रतिमा बची थी।
- मधुमक्खी के कान नहीं होते। इसकी कमी को उसके शक्तिशाली एंटिना स्पर्श से पूरा करते है।

- गौरैया एक ऐसा पक्षी है जो पालतू न होने पर भी मनुष्य के आसपास ही रहना पसंद करता है।
- राजस्थान में सुंधा माता नामक एक ऐसा पर्वत है जहाँ खंडित मूर्तियों को रखना पवित्र माना जाता है।

- बाबर अपने समय की सामान्य रूप से बोली जाने वाली भाषा फ़रसी में प्रवीण था, पर उसकी मातृभाषा चागताई थी और उसने अपनी आत्मकथा बाबरनामा चागताई में ही लिखी।
- याहू डॉट कॉम का नाम पहले 卐जेरीज गॉइड टू वर्ल्ड वाइड वेब卐 था अप्रैल 1994 में इसे बदल कर याहू डॉट कॉम कर दिया गया।
- आलू की खेती में विश्व में तीसरा स्थान रखने वाला भारत 16वीं शती से पहले इसके विषय में जानता तक नहीं था।

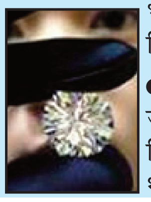

- भारत का सबसे बड़ा हीरा ग्रेट मुग़ल जब 1650 में गोल कुंडा की खान से निकला तो इसका वजन 787 कैरेट था।

पानी का गिरगिट

कटलफिश को वैसे तो मछली कहते हैं, पर यह मछली प्रजाति में नहीं आती है। दरअसल, यह मोलस्क (घोंघा) प्रजाति की होती है, जिसे सबसे बुद्धिमान प्रजातियों में से एक माना जाता है। कटलफिश को पानी का गिरगिट भी कहते हैं। यह बहुत चालाक जानवर है, जो आसपास खतरा देखकर बैकग्राउंड के अनुसार सुनहरा, सिल्वर, नीला, हरा इत्यादि कई तरह के रंग बदल सकती है, हालांकि यह रंगों को देख नहीं सकती हैं। कटलफिश इंग्लिश चैनल, अफ्रीका के पश्चिमी किनारे से दक्षिणी सिरे और मैडिट्रेनियन सी में पाई जाती है। कटलफिश की आंखें बाहर की ओर उभरी हुई होती हैं। यह न सिर्फ सामने, बल्कि पीछे भी देख सकती है। इसकी आठ बांहें और दो टैंटेकल्स होते हैं। टैंटेकल्स के बीच चोंच जैसा इसका मुंह होता है। खतरा महसूस होने पर ये भी सक्विड की तरह लिक्विड फेंकती हैं। शिकारियों को कन्फ्यूज करने और डराने के लिए ये इसका इस्तेमाल करती हैं। इससे वहां वातावरण धुंधला हो जाता है और यह बचकर भाग निकलती हैं। शिकार में एक्सपर्ट ये अपने शिकार को हिप्नोटइज करना भी जानती हैं।

हम बताएं...आप बनाएं

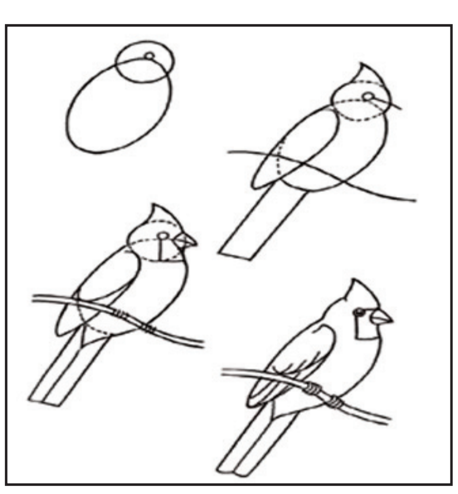

अंतर बताओ

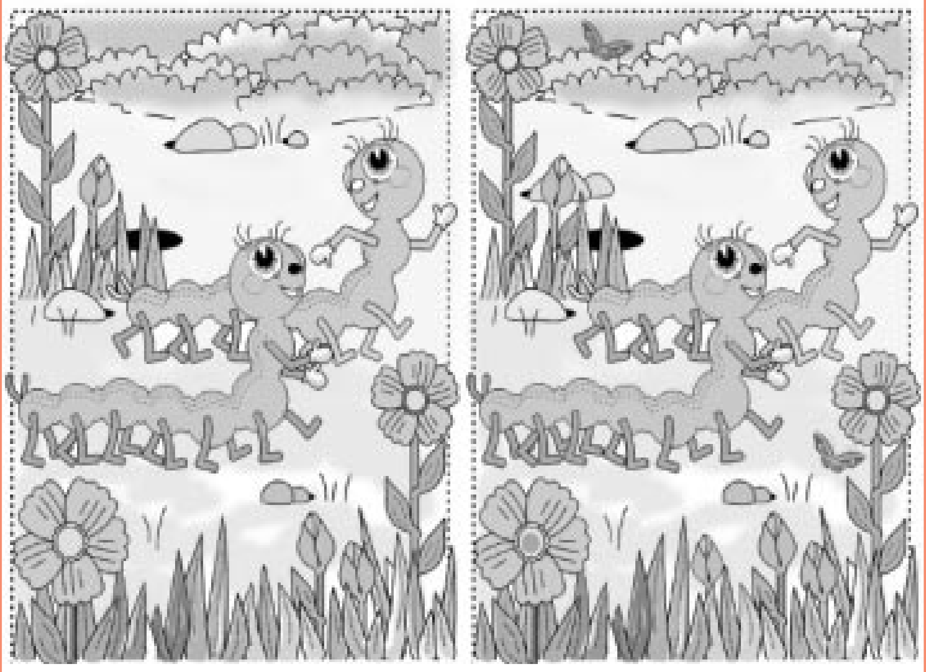

रास्ता ढूंढो

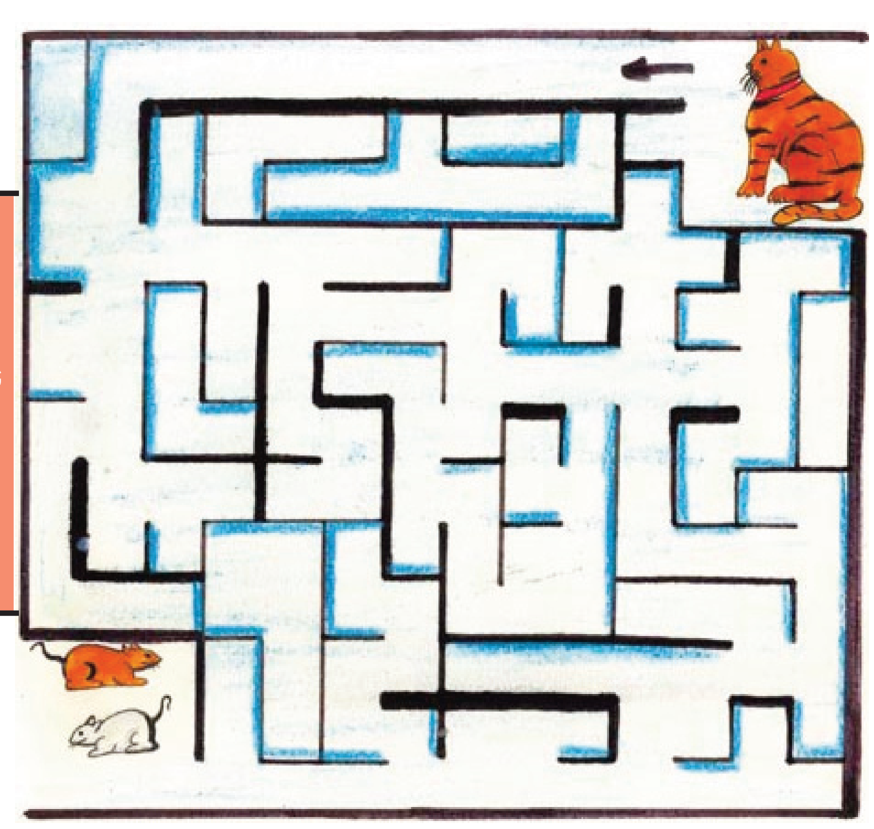

मराठी लोककथा:

नेकी का फल

एक पेड़ पर एक बंदरिया रहती थी। वह बड़ी नेक और उदार थी। पेड़ के पास एक कुटया थी। वहीं एक बुढ़िया रहती थी। वह बुढ़िया बहुत गरीब थी। एक दिन उसके पास चूल्हे के लिए लकड़ी नहीं थी, तो वह कागज जलाकर रोटियां बनाने लगी। कागज बार-बार बुझ जाते और बुढ़िया की रोटी कच्ची ही रह जाती। पेड़ पर बैठी बंदरिया यह देख रही थी। वह भागकर टाल पर गई और कुछ लकड़ियां उठा लाई। उसने लकड़ियां बुढ़िया को दे दीं। जब बुढ़िया की रोटियां खूब फूलने लगीं, तो बंदरिया रोटियों के चारों तरफ नाचने लगी। बूढ़ी ने पूछा - 'ए बंदरिया, तू मेरी रोटी पर क्यों नाच रही है?' बंदरिया बोली - 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने तुझको दी, तूने उसकी रोटी बनाई, अब तू मुझे रोटी नहीं देगी?' बूढ़ी ने बंदरिया को हंसकर दो रोटी दे दी। रोटी लेकर बंदरिया आगे चल पड़ी। आगे उसे एक कुम्हार मिला। उसका बच्चा रोटी के लिए रो रहा था मगर कुम्हार का एक भी मटका नहीं बिका था, तो रोटी कहां से आतीं? बंदरिया ने कुम्हार से बच्चे के रोने का कारण पूछा और उसे दो रोटियां दे दीं। अब बंदरिया कुम्हार के मटके पर नाचने लगी। कुम्हार ने पूछा, 'ऐ बंदरिया, तू मेरे मटके पर क्यों नाच रही है?'

बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने तुझे दी, अब तू मुझे एक मटका नहीं देगा?' कुम्हार ने हंसकर बंदरिया को एक मटका दे दिया। मटका लेकर वह आगे चल पड़ी। आगे एक दूधवाला सिर पर हाथ टिकाए बैठा था। उसकी भैंसें पास खड़ी थीं। बंदरिया ने उसकी उदासी का कारण पूछा, तो वह बोला, 'क्या बताऊं, मैं भैंसों को तो ले आया हूं मगर दूध निकालने का बर्तन तो घर पर ही भूल आया हूं। अब कैसे दूध निकालूं और कैसे बेचूं?'

बंदरिया बोली, 'बस इतनी सी बात। लो मेरा मटका ले लो।' दूधवाले ने खुशी से मटका ले लिया। वह अभी दूध निकाल ही रहा था कि बंदरिया उसकी भैंस पर नाचने लगी। दूधवाला बोला, 'ए बंदरिया, तू मेरी भैंस पर क्यों नाच रही है रे?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने तुझको दिया, तू मुझे अपनी भैंस न देगा।' दूध वाला सोच में पड़ गया। बंदरिया बोली, 'नहीं तो मेरा मटका वापस कर।' दूधवाले ने उसे एक भैंस की रस्सी थमा दी। बंदरिया भैंस पर बैठकर आगे चल पड़ी। आगे उसे एक ब्राह्मण का परिवार मिला। उसके बहुत बच्चे थे और वे दूध के लिए रो रहे थे। बंदरिया ने उसे अपनी भैंस दे दी। दूध पीकर बच्चे चुप हो गए। अब बंदरिया बच्चों के चारों ओर नाचने लगी।

ब्राह्मण बोला, 'ए बंदरिया, मेरे बच्चों पे क्यों नाच रही है?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने तुझको दी, अब तू मुझे अपना बच्चा दे दे।' ब्राह्मण वैसे ही अपनी गरीबी से परेशान था, उसने अपने सबसे छोटे बच्चे को उसे दे दिया। बच्चे को कंधे पर लिए बंदरिया चलते-चलते राजा के बगीचे में पहुंची। वहां राजा-रानी चिंता में डूबे हुए बैठे थे। बंदरिया ने उनसे चिंता का कारण पूछा, तो वे बोले, 'हमारी कोई संतान नहीं है। इसलिए हम दुखी हैं।' 'अरे, इसमें दुखी होने वाली क्या बात है? मेरे पास एक बच्चा है। तुम इसे रख लो।' रानी ने बच्चा ले लिया। अब बंदरिया एक आम के पेड़ के चारों ओर नाचने लगी। राजा ने पूछा, 'ए बंदरिया, तू मेरे पेड़ पे क्यों नाच रही है रे?' बंदरिया बोली, 'ए दैया, मैं टाल पे गई, टाल पे से लकड़ी लाई, लकड़ी मैंने बूढ़ी को दी, बूढ़ी ने उसकी रोटी बनाई, रोटी मैंने कुम्हार को दी, कुम्हार ने मुझको मटका दिया, मटका मैंने दूधवाले को दिया, उसने मुझे अपनी भैंस दी, भैंस मैंने ब्राह्मण को दी, उसने मुझे अपना बच्चा दिया, बच्चा मैंने तुझको दिया, अब ये पेड़ मेरा होगा, बोल?'

राजा ने हंसकर कहा, 'तुम एक नेक और अच्छी बंदरिया हो। आज से ये सारा बगीचा तुम्हारा है। खूब खाओ-पिओ और मौज करो।' और बंदरिया राजा के बगीचे में ठाठ से रहने लगी।

पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानों के लिए 23 अक्टूबर तक प्रतिबंध

इस्लामाबाद (पाकिस्तान), 20 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र सभी भारतीय स्वामित्व वाली या भारतीय संचालित एयरलाइंस के लिए 23 अक्टूबर तक प्रतिबंधित रहेगा। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण के शुक्रवार को जारी नए नोटम (नोटिस टू एयरमैन) के अनुसार, यह प्रतिबंध भारतीय वाणिज्यिक एयरलाइंस, भारत में पंजीकृत विमानों और सैन्य उड़ानों को पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दक्षिण एशिया के दो परमाणु संपन्न देशों के बीच तनाव अब भी बरकरार है। पहलगाम हमले के बाद भारत के जवाबी उपाय से पाकिस्तान पानी की दुहाई दे रहा है। भारत के सिंधु जल संधि के निलंबित करने व अन्य जवाबी उपायों को पाकिस्तान दुनिया के सामने उठा चुका है।

पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के बाद बढ़े द्विपक्षीय तनाव के बीच नई दिल्ली के महत्वपूर्ण सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद जैसे को तैसा कदम उठाते हुए भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। पाकिस्तान के इस फैसले के बाद भारत ने भी 30 अप्रैल को पाकिस्तानी एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। बाद में पाकिस्तान ने शुरुआती प्रतिबंध को 23 मई को एक और महीने के लिए बढ़ाया। अब इसे अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया है।

पाकिस्तान का आरोप है कि भारत ने 6-7 मई को बिना किसी उकसावे के मुल्क के शहरों पर हमले किए। पाकिस्तान का दावा है कि इस पर उसने ऑपरेशन बनयान-उम-मार्सूस शुरू कर भारत को नुकसान पहुंचाया। नई दिल्ली ने दावा किया था कि ये हमले आतंकवादी ठिकानों पर लक्षित थे।

कहा जाता है कि कम से कम 87 घंटे बाद दोनों राष्ट्रों के बीच युद्ध 10 मई को थमा। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने इस तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। इससे पहले 1999 के कारगिल युद्ध और 2019 के पुलवामा संकट के दौरान भी हवाई क्षेत्र को बंद किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

जापानी 'स्मार्ट ब्रा' ने मचाई हलचल, फिंगरप्रिंट से होगी अनलॉक

टोक्यो। हाल ही में जापान के एक क्रिएटर ने 'स्मार्ट ब्रा' का आविष्कार किया है, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी। इस 'स्मार्ट ब्रा' की सबसे खास बात यह है कि यह हुक से नहीं, बल्कि फिंगरप्रिंट रिकॉग्निशन यानी बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से खुलती है। 'स्मार्ट ब्रा' बनाने वाले क्रिएटर का नाम झावा वर्कस है, जो एक स्टूडेंट इनोवेटर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका डेमो वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में दिखाया गया कि ब्रा को अनलॉक करने के लिए पासवर्ड या क्लैस्प की बजाय पार्टनर के फिंगरप्रिंट की जरूरत पड़ती है। क्रिएटर ने इसे रिश्तों में धोखाधड़ी रोकने के लिए 'प्लेफुल कॉन्सेप्ट' के तौर पर डिजाइन किया है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, अब सिर्फ आपका बॉयफ्रेंड ही आपकी ब्रा खोल सकता है! जैसे ही यह वीडियो सामने आया, यूजर्स के कॉमेंट्स की बाढ़ आ गई। किसी ने इस आइडिया को मजेदार बताया, तो किसी ने सवाल किया कि क्या यह पुरुषों के लिए भी बनाया गया है। इस पर क्रिएटर ने हंसते हुए जवाब दिया कि इसे अपनी गर्लफ्रेंड या पत्नी को गिफ्ट कर दीजिए। यह वीडियो सिर्फ एक्स तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इंस्टाग्राम पर भी तेजी से वायरल हो गया। हजारों यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया दी। जहां कुछ लोग इसे मजाक में ले रहे हैं, वहीं कुछ ने इसे तकनीक का नया आयाम बताया। टेक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस तरह के कॉन्सेप्ट आगे बढ़ते हैं, तो भविष्य में कपड़ों और एक्सेसरीज में भी सिक्योरिटी फीचर्स जुड़ सकते हैं।

कम खर्चे में बड़ा नुकसान पहुंचाने वाले हथियारों से दुश्मन का सफाया कर रहा है इजरायल

तेल अवीव। इजरायल ऐसे हथियार बना रहा है, जो कम खर्चे में बड़ा नुकसान पहुंचा सकें। आखिकार

इजरायल ने अपना वो ब्रह्मास्त्र निकाल लिया है, जिसके बारे में चर्चा खूब थी। इज़राइल के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि उसका नया लेजर-आधारित एयर डिफेंस सिस्टम आयरन बीम सफल परीक्षणों के बाद इस साल तैनाती के लिए तैयार है। यह तकनीक बेहद खास है क्योंकि पारंपरिक इंटरसेप्टर मिसाइल दागने में जहां लगभग 50,000 डॉलर यानि 40 लाख रुपये तक का खर्च आता है, वहीं लेज़र से लक्ष्य भेदने की लागत बेहद मामूली है। इस तरह अब इजराइल को आसमान से बरसने वाले रॉकेट और ड्रोन को रोकने में भारी बचत होगी। दिलचस्प ये है कि इजरायल वाली तकनीक पर भारत भी काम कर रहा है और वो भी ऐसे हथियार बना रहा है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक आयरन बीम ने हाल के परीक्षणों में रॉकेट, मोर्टार, ड्रोन और यहां तक कि विमान को भी सफलतापूर्वक मार गिराया। यह सिस्टम मौजूदा डिफेंस लेयर्स आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और एरो सिस्टम के साथ काम करेगा। ये हथियार पहले भी गाजा से हमास, लेबनान से हिज़्बुल्लाह और यमन से हूती विद्रोहियों के दागे गए हजारों प्रोजेक्टाइल को नष्ट किया है। इज़राइल डिफेंस फोर्सेज़ (आईडीएफ) को इसके पहले यूनिट साल 2025 के अंत तक मिल जाएंगे। रक्षा मंत्रालय के डायरेक्टर-जनरल अमीर बराम ने कहा- यह दुनिया में पहली बार है जब किसी हाई-पावर लेज़र सिस्टम ने फुल ऑपरेशनल क्षमता हासिल की है।

ट्रंप की नई व्यवस्थाः अमेरिका की नागरिकता के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य

वॉशिंगटन। अमेरिका आए दिन देश दुनिया के लिए नई-नई चुनौतियां खड़ीं कर रहा है। अब इमिग्रेशन के

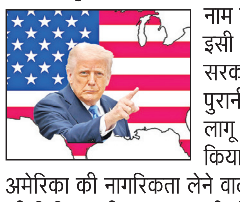

नाम पर ब्रेकर बना रहा है। इसी के तहत अमेरिकी सरकार ने 2020 की उस पुरानी व्यवस्था को फिर से लागू करने का फैसला किया है, जिसके तहत अमेरिका की नागरिकता लेने वालों को नागरिक शास्त्र की लिखित परीक्षा पास करनी होती थी। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवाओं ने इसी सिलसिले में नागरिक शास्त्र परीक्षा के एक नए संस्करण की घोषणा की है, जो 2025 में ही प्रभावी होगी। इमिग्रेश विभाग ने कहा कि उसने 2025 से फिर से नागरिक शास्त्र परीक्षा को अनिवार्य करने की घोषणा करते हुए संघीय रजिस्टर नोटिस जारी किया है। यह नई परीक्षा उन लोगों के लिए जरूरी है जो अमेरिका की नागरिकता लेना चाहते हैं। नई व्यवस्था में परीक्षा के नए स्वरूप के तहत, आवेदकों को अमेरिकी इतिहास और राजनीति से संबंधित 128 प्रश्नों का अध्ययन करना होगा और उनमें से 20 में से 12 प्रश्नों के सही उत्तर देने होंगे। इससे पहले, 2008 में शुरू हुई इसी परीक्षा के तहत, नागरिकता पाने वाले आवेदकों को 100 प्रश्नों को पढ़ना होता था और उनमें से 10 में से 6 प्रश्नों के सही उत्तर देने होते थे।

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों ने अमेरिका में हनीवेल इंटरनेशनल कंपनी पर मुकदमा दायर किया

वाशिंगटन, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के गुजरात के अहमदाबाद में इस साल हुए एयर इंडिया विमान (बोइंग 787) हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों ने अमेरिका में विमान निर्माता और आपूर्तिकर्ता हनीवेल इंटरनेशनल कंपनी पर मुकदमा दायर किया है। यह हादसा 12 जून को हुआ था। एयर इंडिया के अनुसार विमान में सवार 242 यात्रियों में से 241 की मौत हो गई थी, जबकि एक ब्रिटिश नागरिक बच गया।

रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह की शुरुआत में डेलावेयर सुपीरियर कोर्ट में दायर किए गए इस मुकदमे में दोनों कंपनियों पर दोषपूर्ण उत्पाद के निर्माण और स्थापना में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। ये आरोप विमान के इंजन ईंधन नियंत्रण स्विच पर केंद्रित हैं, ये दो स्विच दुर्घटना की जांच के केंद्र में रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि 12 जून को हुई इस घातक विमान दुर्घटना के बाद से यह संयुक्त राज्य अमेरिका में दायर किया गया पहला मुकदमा है।

एयर इंडिया 787 से जुड़ी इस दुर्घटना की अभी भी जांच चल रही है, लेकिन भारत के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण की एक प्रारंभिक रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि इंजन को ईंधन की आपूर्ति करने वाले महत्वपूर्ण स्विच उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद रन स्थिति से कटऑफ स्थिति में आ गए थे।

कुछ ही क्षण बाद स्विच को वापस चालू कर दिया गया, लेकिन इंजन फिर से चालू नहीं हो पाए और विमान पास के एक मेडिकल हॉस्टल से टकरा गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 और जमीन पर 19 लोगों की मौत हो गई।

यह स्पष्ट नहीं है कि इंजन के ईंधन स्विच कैसे और क्यों हिले। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से मिले डेटा से पता चला कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने स्विच क्यों हिलाए, जिससे इंजनों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो और जांच में सहायता कर रहे अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने जांच के दौरान अटकलों के प्रति आगाह किया है। पायलट यूनियनों ने भी विमान उड़ाने वालों को दोष देने के प्रति आगाह किया है।

प्रारंभिक रिपोर्ट में, जांचकर्ताओं ने कहा कि बोइंग के 787 बेड़े या विमान को चलाने वाले जनरल इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए कोई अनुशंसित कार्रवाई नहीं की गई थी। एयरलाइन के अनुसार, एयर इंडिया के बोइंग बेड़े के इंजन ईंधन नियंत्रण स्विचों के निरीक्षण में कोई समस्या नहीं पाई गई। मंगलवार को दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि बोइंग और हनीवेल, जो इंजन ईंधन नियंत्रण स्विच बनाती है, ने खराब स्विच लगाए जिनमें पायलट द्वारा गलती से उन्हें हिलाने से रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं थे।

मुकदमे में यह भी आरोप लगाया गया है कि स्विच उच्च-यातायात वाले क्षेत्र में थे, जिससे अनजाने में उनके हिलने का खतरा बढ़ गया और इंजनों में ईंधन की आपूर्ति बाधित हो गई। एयर इंडिया की प्रारंभिक रिपोर्ट जुलाई में जारी हुई थी। पीड़ित परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाली लैनियर लॉ फर्म के अनुसार, मुकदमा चार यात्रियों की गलत तरीके से हुई मौतों के लिए मुआवजे की मांग करता है। वकील बेंजामिन मेजर ने एक बयान में कहा, परिवार न्याय के हकदार हैं और उन्हें यह जानने का हक है कि क्या हुआ।

उल्लेखनीय है कि हनीवेल इंटरनेशनल एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी है। यह एयरोस्पेस, बिल्डिंग ऑटोमेशन, औद्योगिक स्वचालन, और ऊर्जा और स्थिरता समाधान जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर और सेवाएं प्रदान करती है। यह एक एकीकृत परिचालन कंपनी है। कंपनी दुनिया भर के विभिन्न उद्योगों के लिए स्वचालन, विमानन और ऊर्जा परिवर्तन से संबंधित समाधान विकसित करती है। हनीवेल की स्थापना 1906 में हुई थी और यह नवाचार और स्थिरता के लिए जानी जाती है।

पहले लोग परिजनों के प्रति प्यार जताने शव को आग और धुएं में सुखाते थे

मम्मी बनाने का खेल 10,000 साल पहले चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया में शुरू हुआ

बीजिंग, 20 सितंबर (एजेंसियां)। जब भी मम्मी का नाम आता है, हमारे दिमाग में मिस्र की तस्वीर आंखों के सामने झूलने लगती है, लेकिन ताजा रिसर्च से पता चला है कि मम्मी बनाने का असली खेल तो 10,000 साल पहले चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया में शुरू हुआ था। यहां लोग अपने मृतकों को बचाने के लिए उन्हें आग और धुएं से सुखाते थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन, थाईलैंड, लाओस, फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया में पुरानी कब्रें खोदकर देखी गईं। वहां मिले कंकाल किसी बच्चे की तरह गोल-गोल सिकुड़े हुए थे। शुरुआत में ये समझ नहीं आया कि ऐसा क्यों है, लेकिन जांच से पता चला है कि दफनाने से पहले शवों को आग और धुएं पर लंबे समय तक रखा गया। इसी प्रक्रिया से उनकी देह जल्दी गलती नहीं थी। रिसर्च में कहा गया है कि ने एक्स-रे और खास टेक्निक से हड्डियों की जांच की। नतीजा ये निकला कि हड्डियों पर हल्की गर्मी और कालिख के निशान थे, लेकिन जलने का कोई सबूत नहीं मिला यानी ये शव धीरे-धीरे धुएं में सुखाए गए थे, जलाए नहीं गए। इसे ही वैज्ञानिकों ने 'स्मोक्ड मम्मी' का नाम दिया। ये तरीका सिर्फ इतिहास का हिस्सा नहीं है। इंडोनेशिया के पापुआ में दानी और पुमो समुदाय आज भी अपने पूर्वजों को ऐसे ही मम्मी बनाकर रखते हैं। साल 2019 में वैज्ञानिकों ने खुद देखा कि कैसे वहां शव को कसकर बांधकर आग और धुएं पर लटकाया जाता है, जब तक कि उसका रंग काला न पड़ जाए। माना जाता है कि धुएं से मम्मी बनाने का मकसद सिर्फ शरीर को सुरक्षित रखना नहीं था। इसके पीछे धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएं थीं। परिवार अपने प्रियजनों को लंबे समय तक अपने पास देखना चाहता था। ये प्यार, याद और अपनापन जताने का तरीका था। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये खोज इंसानों की शुरुआती यात्रा को भी समझने में मदद करती है। उनका मानना है कि करीब 65 हजार साल पहले जो शिकारी-जनजातियां यहां आईं, उन्हीं ने ये परंपरा शुरू की थी।

हड़ताल पर बैठे निर्माण श्रमिक

ब्राजील के पैरा राज्य के बेलेम में सीओपी30 के विला डॉस लीडेरेस (लीडर्स विलेज) में हड़ताल पर बैठे निर्माण श्रमिक।

अफगानिस्तान में फिर लौटेगी अमेरिकी फौज, बगराम एयरबेस को नियंत्रण में लेगी

ट्रंप ने कहा यह दुनिया का सबसे बड़ा एयरबेस इसे वापस लेने की कर रहे कोशिश

वाशिंगटन, 20 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस का नियंत्रण अपने हाथों में ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि तालिबानी कब्जे के चार साल बाद एक बार फिर अमेरिकी फौज अफगानिस्तान में लौट सकती है। बता दें अफगानिस्तान से निकलने के बाद अमेरिकी सेना ने एयरबेस पर भी नियंत्रण छोड़ दिया था।

वहीं ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर के साथ पत्रकारों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि हम इस एयरबेस को वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह आपके लिए कुछ ब्रेकिंग न्यूज जैसा हो सकता है। उन्हें भी हमसे कुछ जरूरतें हैं। ट्रंप ने कहा कि यह एयरबेस चीन के करीब है, इसलिए इसे अपने कब्जे में रखना जरूरी है। हालांकि ट्रंप ने साफ नहीं बताया कि अमेरिका क्या करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो बाइडेन के समय में ही यह एयरबेस तालिबान को सौंप दिया गया था, जो कि एक गलत फैसला था।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान छोड़ने के बाद भी अमेरिकी सेना को बगराम एयरबेस अपने पास ही रखना चाहिए था। यह दुनिया के सबसे बड़े एयरबेस में से एक है। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान को छोड़ना भी था तब भी खुद को मजबूत रखना जरूरी था। ऐसे में यह एयरबेस उपयोगी हो सकता था। हमने बेकार में ही इसे तालिबान को सौंप दिया। ट्रंप ने आगे कहा कि यह दुनिया का सबसे ताकतवर बेस है क्योंकि इसपर रनवे की लंबाई काफी ज्यादा है। आप वहां कुछ भी उतार सकते हैं। इसपर आप चाहें तो एक ग्रह उतार दें।

पुतिन-शी कर रहे अमर होने की कल्पना, 150 साल तक चाहते हैं जीना

कई देशों की सरकारें और वैज्ञानिक उम्र बढ़ाने के प्रोसेस पर कर रहे निवेश

मास्को, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले दिनों बीजिंग में विक्ट्री परेड आयोजित की गई थी। जहां राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के किम जोंग एक ही मंच पर मिले थे। किम जोंग उन की एक हॉट-माइक बातचीत सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इस वीडियो में पुतिन ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट और बायोटेक्नोलॉजी से 150 साल तक जीने की बात कही गई है। अब सवाल ये है कि ये सिर्फ शी जिनपिंग और पुतिन की कल्पना है, या वाकई मेडिकल साइंस इस स्तर तक पहुंच चुका है कि इंसान अमरत्व प्राप्त कर सकता है।

बता दें साल 2010-2020 के दशक में कई देशों की सरकारें और निजी-वैज्ञानिक समूह उम्र बढ़ाने के प्रोसेस सेलुलर रीजुवेनेशन पर बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं। रूस ने भी स्टेट लेवल प्रोजेक्ट और रिसर्च फंडिंग बनाई है जो जीन-सेल रिन्यूअल और अंगों की रीजनरेशन पर काम करते हैं। पुतिन की इसमें व्यक्तिगत रुचि भी है। अब देखते तो क्या ये असंभव है। फिर भी अब तक मेडिकल साइंस ने इतना तो कर ही लिया है कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट से मरते हुए व्यक्ति को नया जीवनदान मिल जाता है। उन्हें अंग मिलते ही उनके जीवन के कुछ साल बढ़ जाते हैं लेकिन ये अमरता का रास्ता है, ऐसा नहीं कह सकते।

कई ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट कहते हैं कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट अमरता का रास्ता नहीं है। ट्रांसप्लांट के बाद इंसान को कई मुश्किलें भी झेलनी पड़ती हैं, जैसे लंबे समय तक इम्यूनो-सप्रेशन की दवाइयां खाना, इंफेक्शन का रिस्क और कैंसर का खतरा हमेशा बना रहता है। अगर किसी मरीज को एंड-स्टेज रीनल डिजीज है और वो डायलिसिस पर है तो किडनी ट्रांसप्लांट अक्सर लाइफ एक्स्पेक्टेंसी और क्वालिटी ऑफ लाइफ दोनों में फायदा होता है। एक स्टडी से सामने आया है कि किडनी ट्रांसप्लांट वाले मरीजों की 5-साल और 10-साल सर्वाइवल अक्सर डायलिसिस पर रहने वालों से बेहतर रहती है।

वहीं हार्ट ट्रांसप्लांट क्रॉनिक हार्ट फेल्योर वाले बहुत से मरीजों के लिए जीवनरक्षक होता है। आधुनिक सर्जरी और पोस्ट-ऑप केयर के कारण 1-साल और 5-साल सर्वाइवल बेहतर हो जाता है, पर ये भी लिमिटेड है। ये उम्र और अन्य बीमारियों पर निर्भर करता है। लिवर ट्रांसप्लांट भी गंभीर लिवर फेल्योर होने पर जीवन बचा सकता है। कई बैक-टू-बैक स्टडीज में एक से पांच साल के बाद अच्छी पेशेंट सर्वाइवल रेट रिपोर्ट हुई है। खासकर जब वे ऑर्गन सही तरह से मैच किए गए हों।

लंग ट्रांसप्लांट सांस से जुड़ी इंटेंसिव बीमारियों में असरदार हैं पर लॉन्ग-टर्म रिजल्ट पेशेंट की स्थिति पर डिपेंड करते हैं। पैंक्रियास टांसप्लांट विशेषकर टाइप-1 डायबिटीज में इंसुलिन-डिपेंडेंसी कम कर सकता है और क्वालिटी ऑफ लाइफ सुधारता है। एम्स में फिजियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ सुब्रत बासु कहते हैं कि ट्रांसप्लांट असल मायने में किसी रोग की वजह से इंसान की घट रही उम्र को बढ़ाने में मदद करते हैं। सीधे शब्दों में कहा जाए तो बीमारी से होने वाली मृत्युदर इससे घटती है, लेकिन वे शरीर के पूरे एजिंग प्रोसेस को नहीं रिवर्स करते। इसलिए अंग बदलना उम्र के प्राकृतिक असर को रोककर अमर नहीं बनाता।

टीम इंडिया अपने अगले प्रतिद्वंद्वी के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोच रही

नई दिल्ली,20 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में एक बार फिर खेलने उतरेगी। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिर एशिया कप 2025 में पाकिस्तान को भाव देने से इनकार कर दिया। उन्होंने शुक्रवार को एशिया कप 2025 के अपने आखिरी ग्रुप-ए मैच में ओमान पर 21 रन की जीत के बाद विरोधी का नाम लेने से इनकार कर दिया।

भारत के कप्तान सूर्यकुमार ने फिर पाकिस्तान को भाव देने से किया इनकार

सुपर 4 में अपने पहले मैच में भारत दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान का सामना करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने सूर्यकुमार से साफ तौर से पाकिस्तान के खिलाफ फिर से खेलने के बारे में पूछा। हालांकि, भारतीय कप्तान की चार शब्दों की प्रतिक्रिया ने एक बार फिर दिखाया कि भारतीय टीम अपने अगले प्रतिद्वंद्वी के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोच रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज मैच में सूर्यकुमार ने प्रतिद्वंद्वियों से हाथ मिलाने से इनकार करने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। दुबई में पाकिस्तान के सात विकेट से जीत के बाद भारतीय टीम के किसी भी सदस्य ने पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाया था।

इससे पीसीबी ने नाराज होकर आईसीसी को कई ईमेल भेजा था, जिसमें मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की गई थी, यह आरोप लगाते हुए कि उन्होंने क्रिकेट की भावना को बनाए रखने में नाकाम रहे। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद खेला गया था। सूर्यकुमार ने इस जीत को भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित करने का फैसला किया था, यह कहते हुए कि पूरी टीम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता में खड़ी थी।

ओमान के खिलाफ मुकाबले में सूर्यकुमार ने खुद को नंबर 11 पर रखा और वह बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। भारत ने 20 ओवरों में 8 विकेट में 188 रन का स्कोर बनाया। ओमान ने भारतीय टीम को डराया, हालांकि टीम 21 रन से पीछे रह गई, 4 विकेट पर 20 ओवर के बाद 167 रन बना कर हार गई। संजू सैमसन को उनके 45 गेंदों पर 56 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिसमें 3 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: लाइल्स ने की उसैन बोल्ट की बराबरी, लगातार चौथी बार जीता 200 मीटर खिताब

नई दिल्ली। टोक्यो में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अमेरिकी धावक नोआ लाइल्स ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने 200 मीटर स्पर्धा में शानदार जीत दर्ज करते हुए उसैन बोल्ट के लगातार चार खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। लाइल्स ने अपना पसंदीदा इवेंट माने जाने वाले 200 मीटर में 19.52 सेकंड का समय निकाला। इससे पहले वह 100 मीटर में कांस्य पदक जीत चुके थे। बोल्ट ने 2009 से 2015 के बीच लगातार चार 200 मीटर खिताब जीते थे और कुल 11 विश्व स्वर्ण तथा आठ ओलंपिक स्वर्ण अपने नाम किए थे। इस फाइनल में लाइल्स के हमवतन केनी बेडनार्क ने 19.58 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता, जबकि जमैका के ब्रायन लेवेल ने 19.64 सेकंड के साथ कांस्य पदक हासिल किया। बोत्सवाना के ओलंपिक चैंपियन लेट्सिले टेबोगो मात्र 0.01 सेकंड से पोडियम से चूककर चौथे स्थान पर रहे। लाइल्स सेमीफाइनल में भी शानदार रहे थे, जहां उन्होंने 19.51 सेकंड के साथ चैंपियनशिप इतिहास का सबसे तेज प्रदर्शन किया था। फाइनल में शुरुआती झटके के बावजूद उन्होंने आखिरी 100 मीटर में अपनी जबरदस्त गति का प्रदर्शन करते हुए चौथे से पहले स्थान तक का सफर तय किया

सीपीएल 2025 के फाइनल में त्रिनबागो नाइट राइडर्स

नई दिल्ली। त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया है। टीम ने शनिवार को सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ खेले गए क्वालीफायर-2 मुकाबले में 56 रन से शानदार जीत दर्ज की। अब त्रिनबागो नाइट राइडर्स 21 सितंबर को फाइनल में गुयाना अमेजन वॉरियर्स के सामने उतरेंगे। मुकाबला प्रोविडेंस स्टेडियम में हुआ, जहां टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 194 रन बनाए। टीम की शुरुआत थोड़ी धीमी रही। कॉलिन मुनरो महज 6 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इसके बाद कप्तान निकोलस पूरन और एलेक्स हेल्स ने दूसरे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। पूरन ने 32 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन बनाए और आउट हुए। इसके बाद हेल्स और कीरोन पोलार्ड ने तीसरे विकेट के लिए 65 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पोलार्ड 26 गेंदों में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि हेल्स ने 44 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों की मदद से नाबाद 58 रन की पारी खेली। टीम के कुल स्कोर में खारी पियरे, रोस्टन चेज और अल्जारी जोसेफ ने एक-एक विकेट लिया। सेंट लूसिया किंग्स की बल्लेबाजी पूरी तरह त्रिनबागो नाइट राइडर्स के दबाव में रही। निर्धारित 20 ओवर में टीम 8 विकेट खोकर केवल 138 रन ही बना सकी। सलामी जोड़ी जॉनसन चार्ल्स और टिम सेफर्ट ने 9 ओवर में 59 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दी।

बीसीसीआई अध्यक्ष पद की दौड़ में गांगुली सबसे आगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) इस साल 28 सितंबर को मुंबई में आयोजित की जाएगी, और इस बार बोर्ड अध्यक्ष पद की दौड़ खासतौर पर कुछ नामचीन क्रिकेटरों और प्रशासकों तक ही सीमित नजर आ रही है। निर्वाचन अधिकारी एके जोति की ओर से 19 सितंबर को जारी अंतिम मतदाता सूची में चार प्रमुख क्रिकेट और प्रशासन जगत की हस्तियां शामिल हैं, जो शीर्ष पद के लिए सबसे आगे मानी जा रही हैं। इस सूची में बंगाल क्रिकेट संघ के सौरव गांगुली, पंजाब क्रिकेट संघ के हरभजन सिंह, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के रघुराम भट्ट और सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के जयदेव शाह शामिल हैं। इन नामों ने दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट निकाय के नेतृत्व को पेशेवर क्रिकेटरों और प्रशासकों के हाथ में देने की मांग को और मजबूत कर दिया है। इस बीच, पूर्व भारतीय विकेटकीपर और राष्ट्रीय चयनकर्ता किरण मोरे ने इस दौड़ में नया मोड़ ला दिया है। वर्तमान में वह बड़ौदा क्रिकेट संघ के सचिव हैं और मुंबई इंडियंस विमेंस टीम के जनरल मैनेजर के रूप में भी कार्यरत हैं। हालांकि, उन्हें अभी अंतिम मतदाता सूची में राज्य प्रतिनिधि के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि उनकी नामांकन की संभावना बनी हुई है।

भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रचा इतिहास, ऐसा करने वाली बनी वर्ल्ड की पहली टीम

नई दिल्ली,20 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा और अंतिम महिला क्रिकेट वनडे मैच हारकर सीरीज गंवा दी है. भारत के पास सीरीज जीतने का बढ़िया मौका था. लेकिन भारतीय टीम लक्ष्य के करीब पहुंचकर चूक गईं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका वनडे सीरीज जीतने का सपना फिर अधूरा रह गया. ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच ये 11वां वनडे सीरीज खेली जा रही थी लेकिन मेजबान भारत ने हाथ आए मौके को गंवा दिया. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम आज तक कोई बाइलेटरल वनडे सीरीज नहीं जीत पाई है. ऑस्ट्रेलिया ने ग्यारह में से ग्यारह वनडे सीरीज भारत के खिलाफ जीती है. ऑस्ट्रेलिया ने भारत को अंतिम वनडे में 43 रन स हराकर 3 मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीत ली. ऑस्ट्रेलिया के 413 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 47 ओवर में 369 रन पर ढेर हो गया. बेथ मूनी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया जबकि मंधाना प्लेयर ऑफ सीरीज चुनी गईं।स्मृति मंधाना (डीळींळ चरपवहरपर) ने 63 गेंदों पर 125 रनों की पारी खेली. दीप्ति शर्मा (72) और हरमनप्रीत कौर (52) के अर्धशतकों की बदौलत भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 300 से अधिक रन बनाने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई. हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने 36वें ओवर की दूसरी गेंद पर 300 रन का आंकड़ा पार किया. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे में सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम था.इंग्लैंड ने 5 मार्च 2022 को हैमिल्टन में खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड ने 298/8 का स्कोर बनाया था.भारत के 369 रनों के कुल स्कोर ने टीम इंडिया को वनडे की दूसरी पारी में सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ने में भी मदद की. अरुण जेटली स्टेडियम में भारत के 369 रनों के स्कोर से पहले वनडे में दूसरी पारी का सर्वोच्च स्कोर 321/6 था, जो दक्षिण अफ्रीका ने 19 जून, 2024 को बेंगलुरु में भारत के खिलाफ बनाया था.मूनी ने 79 गेंद में 138 रन की शतकीय पारी खेलकर मध्यक्रम में जोश दिखाया तो वहीं टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी टीम के लिए युवा सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल (81 रन), एलिस पैरी (68 रन) और कप्तान एलिसा हीली (30 रन) ने शुरू में आक्रामक तेवर दिखाए. कोटला की सपाट पिच पर भारत का गेंदबाजी आक्रमण बेबस नजर आया जिसने 60 चौकों और पांच छक्कों से 270 रन लुटा दिए। मेजबान टीम का क्षेत्ररक्षण एक बार फिर खराब रहा जिसमें टीम ने कैच टपकाए और कई मौके गंवाए।

गावस्कर ने सूर्यकुमार के बल्लेबाजी न करने के फैसले पर जताई राय

नई दिल्ली,20 सितंबर (एजेंसियां)।

दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने एशिया कप 2025 में भारत और ओमान के बीच खेले गए मैच में सूर्यकुमार यादव के बल्लेबाजी न करने के फैसले पर अपनी राय व्यक्त की है। भारत ने ओमान के खिलाफ 20 ओवर में 188/8 का स्कोर बनाया, जिसमें संजू सैमसन के अर्धशतक की मदद से टीम ने टूर्नामेंट का अब तक का संयुक्त रूप से सर्वोच्च स्कोर हासिल किया। हालांकि, सूर्यकुमार यादव मैदान पर नहीं उतरे और दूसरों को क्रीज पर बल्लेबाजी का अवसर दिया। गावस्कर ने एक चैनल पर कहा कि यदि सूर्यकुमार ने कुछ ओवर बल्लेबाजी की होती, तो वे कुछ चौके और छक्के लगा सकते थे और यह उनके लिए भी अच्छा अभ्यास साबित होता। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी देखकर यह साफ है कि उन्हें तकनीकी अभ्यास की कोई कमी नहीं है। गौरतलब है कि सूर्यकुमार ने अपनी रणनीति के तहत यह फैसला लिया कि अगर भारत जल्दी विकेट खो देता है, तो कुलदीप यादव और अन्य खिलाड़ियों को बल्लेबाजी का मौका मिलेगा। सुनील गावस्कर ने सूर्यकुमार की नेतृत्व क्षमता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यादव बहुत अपरंपरागत और अभिनव सोच वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने श्रीलंका में खुद गेंदबाजी करते हुए रिंकू सिंह को भी गेंद थमाई थी और मैच का रुख पलट दिया था। यह उनके अनोखे दृष्टिकोण और मैच समझ को दर्शाता है। इसी तरह के सोच के तहत उन्होंने ओमान के खिलाफ बल्लेबाजी का मौका दूसरों को देने का निर्णय लिया। इस मैच में संजू सैमसन ने 50 रन की शानदार पारी खेली, जबकि अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने क्रमश: 38 और 29 रन जोड़े। 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की टीम निर्धारित 20 ओवर में 167/4 रन पर ही सीमित रही और टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी। गावस्कर का मानना है कि सूर्यकुमार का यह निर्णय उनकी रणनीतिक सोच और टीम की भलाई के लिए था। उन्होंने टीम की सामरिक समझ और मैदान पर निर्णय लेने की क्षमता को विशेष रूप से सराहा।

मैच के बाद सूर्यकुमार ने ओमान खिलाड़ियों को दिए टिप्स, तस्वीर भी खिंचवाई

नई दिल्ली। एशिया कप में पाकिस्तान की टीम के साथ किया गया भारतीय कप्तान का बर्ताव चर्चा में है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और उनके पूर्व क्रिकेटर्स ने सूर्यकुमार के खेल भावना पर सवाल उठाया है। ओमान के खिलाफ मैच के बाद जो टीम इंडिया ने किया वह पूरे पाकिस्तान के लिए तमाचा था। भारत ने ओमान के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में 21 रनों से जीत हासिल की। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट के अजेय रहते हुए सुपर 4 में कदम रख लिया है। मैच के बाद सूर्यकुमार ओमान की टीम के खिलाड़ियों से बात करते नजर आए और जताया की असली खेल भावना किसे कहते हैं। ओमान के कप्तान बोले-सूर्या ने की हमारे खेल की तारीफ जो हमरे लिए खास ओमान के खिलाफ मैच के बाद सूर्यकुमार के एक इशारे ने फैंस का दिल जीत लिया। भारतीय कप्तान को ओमान के खिलाड़ियों के साथ बातचीत करते हुए देखा गया, जहां वे खिलाड़ियों को कुछ टिप्स दे रहे थे। ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह ने पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में कहा कि सूर्या ने खेल के बारे में बात की और हमारी तारीफ की, जो हमारे लिए बहुत मायने रखता है। हमारे खिलाड़ियों के पास टी20 खेल के कई चरणों में खेलने के बारे में सवाल थे। उनके साथ बातचीत करना बहुत अच्छा था।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने अर्शदीप सिंह

दुबई,20 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया कप 2025 में शुक्रवार को ओमान के खिलाफ मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया। बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ अर्शदीप भारत के पहले ऐसे गेंदबाज़ बन गए हैं, जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट पूरे किए।

यह उपलब्धि उन्होंने मैच के 20वें ओवर में विनायक शुक्ला को पवेलियन भेजकर हासिल की। अर्शदीप ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ साउथैम्पटन में भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और अपने पहले ही मैच में 2/18 के आंकड़े दर्ज किए थे। इस मैच से पहले अर्शदीप ने भारत के लिए 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 99 विकेट चटकाए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अमेरिका के खिलाफ 4/9 रहा है। इसी साल जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में उन्होंने बेन डकेट और फिल सॉल्ट को आउट कर भारत का सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज़ बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। गौरतलब है कि अर्शदीप ने एशिया कप में शुक्रवार के मैच से पहले कभी भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया था। टीम इंडिया ने अब तक जसप्रीत बुमराह को ही एकमात्र प्रमुख तेज़ गेंदबाज़ के तौर पर खिलाया था।

भारत के लिए सर्वाधिक टी20अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाज

अर्शदीप सिंह - 100 विकेट (64 मैच) *
युजवेंद्र चहल - 96 विकेट (80 मैच)
हार्दिक पांड्या - 95 विकेट (116 मैच)
जसप्रीत बुमराह - 92 विकेट (72 मैच)
भुवनेश्वर कुमार - 90 विकेट (87 मैच)।

सीएबीआई अध्यक्ष ने राष्ट्रपति से मिलकर पहले दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप का विवरण प्रस्तुत किया

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (सीएबीआई) के अध्यक्ष डॉ. महंतेश जी. किवादासन्नवर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर पहले दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप 2025 का विवरण प्रस्तुत किया। इस दौरान उनके साथ पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री तथा टूर्नामेंट की आयोजन समिति की अध्यक्ष मीनाक्षी लेखी भी थीं।

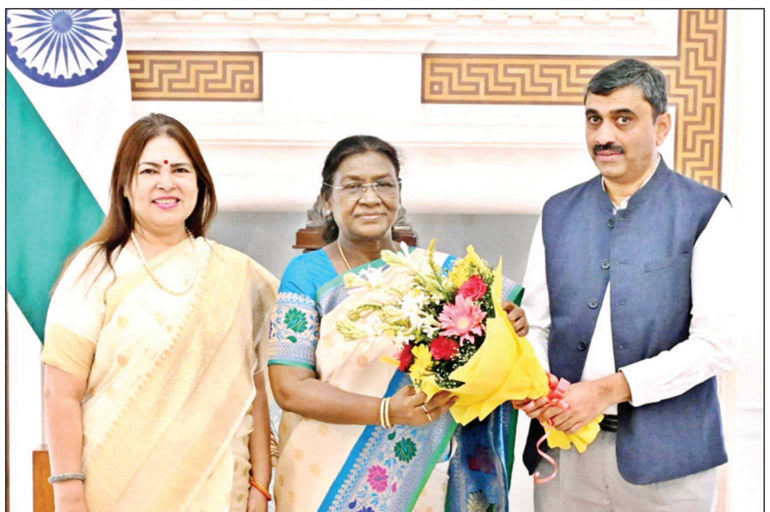

यह विश्व कप 11 से 25 नवंबर तक आयोजित होगा और इसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। मैच नई दिल्ली, बेंगलुरु और श्रीलंका के कोलंबो में होंगे। टूर्नामेंट में भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका की टीमों भाग ले रही हैं।

सीएबीआई की ओर से शनिवार को जारी बयान में क्रिकेट संघ के अध्यक्ष डॉ. किवादासन्नावर ने कहा कि राष्ट्रपति से मिलना और इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, जो दुनिया भर में दृष्टिबाधित महिला क्रिकेटरों के समावेश, साहस और खेल भावना का जश्न मनाता है।

आयोजन समिति की अध्यक्ष मीनाक्षी लेखी ने कहा कि राष्ट्रपति सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा हैं। दिव्यांग पुरुष और महिलाएं इस पूरे सफर में उनके द्वारा दिए गए समर्थन के लिए बहुत आभारी हैं।

समर्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड की क्रिकेट शाखा सीएबीआई द्वारा आयोजित यह विश्व कप विशेष रूप से दिव्यांग महिला खिलाड़ियों के लिए, समावेशी और न्यायसंगत खेल मंच बनाने में भारत के वैश्विक नेतृत्व को दर्शाता है। भारतीय महिलाएं निडर होकर क्रिकेट खेलने और घरेलू धरती पर एक और ऐतिहासिक अध्याय लिखने के लिए तैयार हैं।

दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

बी1 श्रेणी: सिमू दास (दिल्ली), पी. करुणा कुमारी (आंध्र प्रदेश), अनु कुमारी (बिहार), जमुना रानी टुडू (ओडिशा), काव्या वी (कर्नाटक)

बी2 श्रेणी: अनेखा देवी (दिल्ली), बसंती हंसदा (ओडिशा), सिमरनजीत कौर (राजस्थान), सुनीता सराठे (मध्य प्रदेश), पारबती मांडी (ओडिशा)

बी3 श्रेणी: दीपिका टी सी (कर्नाटक - कप्तान), फूला सोरेन (ओडिशा), गंगा एस कदम (महाराष्ट्र - उप कप्तान), काव्या एन आर (कर्नाटक), सुषमा पटेल (मध्य प्रदेश), दुर्गा येवले (मध्य प्रदेश)।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यूएई की कंपनियां भारत में कई क्षेत्रों में निवेश करने को इच्छुक : गोयल

भारत-यूएई उच्च स्तरीय कार्यबल की बैठक में रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर

दुबई,20 सितंबर (एजेंसियां)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की कंपनियां भारत में निवेश के नए अवसरों को लेकर उत्साहित हैं। यूएई विशेष रूप से बुनियादी ढांचा, डेटा सेंटर, बैंकिंग, स्टार्टअप और लॉजिस्टिक क्षेत्रों में गहरी रुचि दिखा रहा है। मंत्री गोयल ने यह जानकारी अबू धाबी में भारत-यूएई निवेश पर गठित उच्च-स्तरीय कार्यबल की 13वीं बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने आपसी सहयोग के नए लक्ष्य तय किए हैं और निवेश के स्तर को तेज़ी से बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। यूएई भारत को एक प्रमुख निवेश गंतव्य मानता है और अब उच्च तकनीकी क्षेत्रों में भी बड़ा निवेश कर रहा है। गोयल के अनुसार, भारत में हरित ऊर्जा, जहाज निर्माण, खुदरा और फार्मा जैसे क्षेत्रों में भी संयुक्त प्रयास की संभावनाएं प्रबल हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए भारत में अपने परिचालन का विस्तार करना एक आकर्षक अवसर बन गया है।

ब्लू टाइड्स सम्मेलन में केरल को 7,288 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

तिरुवनंतपुरम। केरल में आयोजित दो दिवसीय 'ब्लू टाइड्स' सम्मेलन में राज्य को 7,288 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह जानकारी राज्य के मत्स्य पालन मंत्री साजी चेरियन ने सम्मेलन के समापन सत्र में दी। उन्होंने बताया कि 28 निवेशकों ने रुचि पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जो राज्य के समुद्री और मत्स्य क्षेत्र में संभावनाओं को दर्शाता है। सम्मेलन में भारत सरकार और यूरोपीय संघ (ईयू) प्रमुख भागीदार रहे। ईयू ने राज्य सरकार को सुझाव दिया कि वह यूरोपीय देशों के साथ सतत संवाद के लिए एक स्थायी मंच स्थापित करे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी सीनेट ने माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में राजदूत नियुक्त किया

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में अमेरिका का राजदूत नियुक्त करने के लिए मतदान किया है। यह पद पिछले आठ महीनों से खाली था।

वाल्ट्ज पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं, जिन्हें इस पद के लिए 47 सांसदों ने समर्थन दिया जबकि 43 ने विरोध किया। अब वे आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होंगे, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वार्षिक सभा को संबोधित करेंगे। माइक वाल्ट्ज जनवरी से व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। मार्च में यमन पर होने वाले एक संभावित हमले पर चर्चा के दौरान उन्होंने गलती से एक पत्रकार को एक निजी सिग्नल चैट में जोड़ दिया था, जिससे विवाद पैदा हुआ। इसके बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा। इसी महीने ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र राजदूत के लिए एलिस स्टेफनिक का नामांकन वापस ले लिया था। मई में माइक वाल्ट्ज को इस पद के लिए नामित किया गया। मतदान में तीन डेमोक्रेट सांसद—जॉन फैटरमैन, मार्क केली और जीन शाही ने वाल्ट्ज के समर्थन में वोट किया। वहीं, रिपब्लिकन सांसद रैंड पॉल ने विरोध किया। वाल्ट्ज ने सीनेट सुनवाई के दौरान संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत पर जोर दिया और संगठन में यहूदी विरोधी रवैये को खत्म करने की बात कही। उन्होंने अमेरिकी फंडिंग की समीक्षा भी प्रस्तावित की।

आईपीओ में म्युचुअल फंडों ने बीमा कंपनियों को पछाड़ा

नई दिल्ली। हाल की चार तिमाहियों में आईपीओ में म्युचुअल फंडों ने एंकर निवेशकों के रूप में 21,976 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो बीमा कंपनियों के 5,216 करोड़ रुपये निवेश से लगभग चार गुना अधिक है। म्युचुअल फंडों को आईपीओ में एंकर कोटे का एक-तिहाई हिस्सा गारंटी से मिलता है, जिससे उनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 31 जुलाई को एक प्रस्ताव जारी किया, जिसमें बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों के लिए आईपीओ में अतिरिक्त 7 फीसदी आरक्षण बढ़ाने की बात कही गई है। इस प्रस्ताव के तहत एंकर आरक्षण को 40 फीसदी तक बढ़ाया जाएगा, ताकि बीमा कंपनियों की भागीदारी बढ़े और निवेशकों के आधार में विविधता आए। सेबी ने बीमा कंपनियों के लिए बढ़ाया आरक्षण म्युचुअल फंडों का एक-तिहाई आरक्षण कायम रखा जाएगा, जिससे उनकी निवेश गहराई और स्थिरता बनी रहेगी। बीमा कंपनियों का आईपीओ निवेश 2019 में चार तिमाहियों का औसत 300 करोड़ रुपये से कम था, जो अब 5,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। वहीं, म्युचुअल फंडों का निवेश 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 20,000 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। 2019 में 9 करोड़ निवेशक खातों की संख्या बढ़कर 2025 में 24 करोड़ से अधिक हो गई है। म्युचुअल फंडों के पास लगभग 48 लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्ति है, जबकि बीमा कंपनियों के पास करीब 24 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है।

हुंडई ने 2030 तक 33 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की प्रमुख वाहन निर्माता हुंडई मोटर कंपनी ने 2030 तक 55.5 लाख वाहनों की वैश्विक बिक्री हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य घोषित किया है। ईवी पोर्टफोलियो में बड़े विस्तार की तैयारी कंपनी का उद्देश्य इस कुल बिक्री में लगभग 60 प्रतिशत यानी 33 लाख वाहन इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के होंगे। हुंडई इस दिशा में तेजी से अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। हुंडई मोटर की योजना में भारत को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। 2030 तक भारत में 12 लाख वाहनों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना है, जिसमें से लगभग 2.5 लाख वाहन पुणे के बहु-मॉडल निर्यात केंद्र से निर्यात किए जाएंगे। कंपनी भारत को पहला ऐसा ईवी प्रदान करेगी जो खास तौर पर स्थानीय चालकों के लिए डिजाइन किया जाएगा, और यह स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला से तैयार होगा। हुंडई 2030 तक अपनी हाइब्रिड श्रृंखला को 18 से अधिक मॉडलों तक विस्तारित करेगी। कंपनी की योजना में 2026 से शुरू होने वाले जेनेसिस हाइब्रिड मॉडल भी शामिल हैं। नई ह्युंडै पैलिसेड हाइब्रिड में अगली पीढ़ी की टीएमईडी-2 तकनीक होगी, जो बेहतर प्रदर्शन और बेहतर ईंधन दक्षता प्रदान करेगी ।

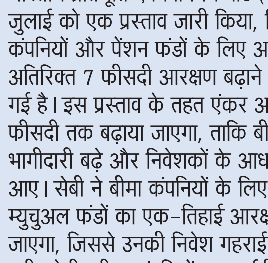

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डोनाल्ड ट्रंप...

नया नियम उन विदेशी कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, जो किसी कंपनी या उद्योग में काम करते हैं, जिसे प्रशासन राष्ट्रीय हित में मानता है। आदेश में कहा गया, इस नियम के तहत लगाए गए प्रतिबंध किसी भी व्यक्ति, किसी कंपनी में काम करने वाले सभी विदेशियों या किसी उद्योग में काम करने वाले सभी विदेशियों पर लागू नहीं होंगे। अगर होमलैंड सिक्योरिटी सचिव यह तय करता है कि ऐसे विदेशियों को एच1बी विशेष व्यवसाय श्रमिकों के रूप में रखना राष्ट्रीय हित में है और ये अमेरिका की सुरक्षा या कल्याण के लिए खतरा नहीं है।

हालाँकि इसमें और स्पष्टता नहीं दी गई। बाद में शायद इसे और साफ किया जाए। लेकिन माना जा रहा है कि हेल्थकेयर, महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा, रक्षा जैसे क्षेत्रों को छूट मिल सकती है।

अमेरिका से बाहर मौजूद वीजा धारकों को 24 घंटे में लौटने को कहा

मौजूदा एच1बी धारकों पर फीस वृद्धि का असर नहीं पड़ेगा, लेकिन अमेरिका से बाहर मौजूद लोगों की स्थिति अलग है। राष्ट्रपति के आदेश को ट्रैवल बैन के रूप में देखा गया है, जिसे कंपनियों ने यह समझा कि यह अमेरिका से बाहर मौजूद एच1बी वीजा धारकों पर भी लागू होता है।

आदेश में कहा गया, होमलैंड सिक्योरिटी सचिव उन याचिकाओं पर निर्णयों को प्रतिबंधित करेंगे, जिनके साथ 100000 का भुगतान नहीं किया गया है। ये आदेष एच1बी विशेष व्यवसाय श्रमिकों के लिए हैं और जो वर्तमान में अमेरिका से बाहर हैं, यह प्रतिबंध इस आदेश की प्रभावी तारीख से 12 महीने तक लागू रहेगा।

आदेश के अनुसार, 21 सितंबर, 2025 को सुबह 12:01 बजे से एच1बी स्थिति में लोग बिना 100000 अतिरिक्त भुगतान के अमेरिका में प्रवेश/वापसी नहीं कर पाएँगे। इसलिए बड़ी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को समय सीमा से पहले, यानी 24 घंटे के भीतर लौटने को कहा है, जो कई लोगों के लिए संभव नहीं हो सकता।

वीकेंड से कुछ घंटे पहले जारी हुए आदेश ने प्रभावित कर्मचारियों और नियोक्ताओं में हड़कंप मचा दिया। माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, अमेजन, जेपी मॉर्गन चेज, एप्पल, टीसीएस जैसी कई कंपनियों ने अपने वैश्विक कर्मचारियों को संदेश भेजे, जिसमें अमेरिका से बाहर मौजूद सभी एच1बी वीजा धारकों को '21 सितंबर की समय सीमा से पहले तुरंत लौटने' और स्टैंपिंग सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।

कंपनियों ने विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका छोड़ने से भी मना किया, ताकि वापसी में परेशानी न हो। एक अमेजन अधिकारी ने कथित तौर पर कंपनी स्तर पर भेजे गए संदेश में कहा, नजदीकी भविष्य के लिए अमेरिका न छोड़ें। ये संदेश सोशल मीडिया पर लीक हो गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश में सिर्फ एच1बी वीजा का जिक्र है, लेकिन कंपनियों ने एच-4 आश्रित वीजा धारकों को भी यही निर्देश दिए हैं।

एक्स पर साझा किए गए एक मेमो में लिखा था, अगर आप एच1बी या एच-4 स्थिति में हैं और अभी अमेरिका से बाहर हैं, तो हम सलाह देते हैं कि आप कल समय सीमा से पहले अमेरिका लौटने की कोशिश करें। ये आदेश पिछले 30 मिनट में जारी हुआ है, तो हमें पता है कि अचानक यात्रा की व्यवस्था करने का समय बहुत कम है। लेकिन फिर भी, हम आपको पूरी कोशिश करने की सलाह देते हैं।

भारतीय प्रतिभा पर बहुत निर्भर एप्पल और टीसीएस कथित तौर पर लॉजिस्टिक्स टीमें तैयार कर रही हैं ताकि कर्मचारी जल्दी लौट सकें। उन्हें डर है कि वीजा रिजेक्शन की बाढ़ उनके बड़े प्रोजेक्ट्स को रोक सकती है।

सोशल मीडिया पोस्ट्स से पता चला कि कई एच1बी वीजा धारक, जो निजी या काम के कारण अमेरिका से बाहर जाने वाले थे, नए नियम की खबर मिलने के बाद फ्लाइट में चढ़ने के बाद भी अमेरिका में रुक गए। उन्हें डर था कि बिना 100,000 फीस के उन्हें दोबारा प्रवेश नहीं मिलेगा।

इस भारी फीस वृद्धि के साथ डोनाल्ड ट्रंप ने एच1बी प्रोग्राम को लगभग खत्म कर दिया। अब शायद ही कोई कंपनी इतनी बड़ी फीस देकर विदेशी कर्मचारियों को रखे। अमेरिकी टेक कंपनियाँ जिन्होंने हाल के वर्षों में दो-तिहाई एच1बी वीजा हासिल किए अब प्रतिभा की कमी से जूझेंगी, जिससे उनकी ग्रोथ रुक सकती है। छोटी कंपनियाँ और स्टार्टअप्स जो पहले से ही पैसों की तंगी में हैं, शायद विदेशी भर्ती पूरी तरह बंद कर दें। लेकिन सवाल ये है कि क्या वे उतने ही काबिल स्थानीय कर्मचारी ढूँढ पाएँगे?

लगभग तय है कि अब नए एच1बी वीजा आवेदन नहीं होंगे। एच1बी वीजा की वैधता 3 साल की होती है, जिसे अधिकतम 6 साल तक बढ़ाया जा सकता है। ऐसे में मौजूदा वीजा धारकों को धीरे-धीरे अपने वीजा की समाप्ति पर देश छोड़ना होगा। ट्रंप ने ग्रीन कार्ड नियम भी कड़े कर दिए हैं, यानी एच1बी से ग्रीन कार्ड में बदलने का सपना भी खत्म हो गया।

ये देखना दिलचस्प होगा कि अमेरिकी कंपनियाँ इससे कैसे निपटती हैं। क्या वे ट्रंप के इरादे के मुताबिक ज्यादा स्थानीय कर्मचारियों को रखेंगी या फिर विदेशी कर्मचारियों को रखने के लिए अपनी गतिविधियाँ विदेश में ले जाएँगी?

वीजा पर ट्रंप के...

की अपील की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा है कि सरकार को एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर प्रस्तावित प्रतिबंधों से जुड़ी रिपोर्ट्स की जानकारी है। भारतीय उद्योग समेत इससे प्रभावित सभी पक्ष इस कदम के पूरे प्रभावों का अध्ययन कर रहे हैं। भारतीय उद्योग ने पहले ही एक प्रारंभिक विश्लेषण जारी किया है, जिसमें वीजा कार्यक्रम से जुड़ी कुछ गलतफहमियों को दूर किया गया है।''

उन्होंने जोर दिया है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के उद्योग, अन्-वेषण व रचनात्मकता में साझेदार हैं। इसलिए, उम्मीद है कि वे मिलकर आगे का सबसे अच्छा रास्ता तय करेंगे। जायसवाल ने आगे कहा है कि, कुशल प्रतिभाओं का आवागमन और आदान-प्रदान ने अमेरिका और भारत में तकनीकी विकास, आर्थिक वृद्धि, प्रतिस्पर्धात्मकता और धन सृजन में बहुत बड़ा योगदान दिया है। नीति निर्माता हाल के कदमों का मूल्यांकन आपसी फायदों को ध्यान में रखकर करेंगे, इसमें दोनों देशों की जनता के बीच मजबूत संबंध भी शामिल हैं। यह कदम परिवारों के लिए मानवीय समस्याएं पैदा कर सकता है, क्योंकि इससे उनके जीवन में व्यवधान आएगा।''

अंत में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उम्मीद जताई है कि अमेरिकी अधिकारी इन समस्याओं का उचित समाधान करेंगे।

24 घंटे में ...

का कार्यकारी आदेश लागू होगा। एच-4 वीज़ा धारक, एच-1बी वीज़ा धारकों के कानूनी जीवनसाथी और अविवाहित बच्चे होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारियों को भेजे गए एक ऐसे ही ईमेल में, इस तकनीकी दिग्गज ने एच1बी वीज़ा धारकों से निकट भविष्य तक अमेरिका में रहने का अनुरोध किया है। ईमेल में, माइक्रोसॉफ्ट ने एच4 वीज़ा धारकों से भी अमेरिका में रहने का अनुरोध किया है और एच-1बी तथा एच4 वीज़ा धारकों से कल समय सीमा से पहले अमेरिका लौटने को कहा है। अमेरिकी निवेश बैंक के लिए वीजा आवेदनों को संभालने वाली कंपनी ओग्लेट्री डीकिन्स द्वारा जेपी मॉर्गन के कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में कहा गया एच-1बी वीजा धारक वर्तमान में अमेरिका में हैं, उन्हें अमेरिका में ही रहना चाहिए और सरकार द्वारा स्पष्ट यात्रा दिशानिर्देश जारी किए जाने तक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा से बचना चाहिए।

चिप से ...

इसलिए आजादी के 6-7 दशकों बाद भी भारत वो सफलता हासिल नहीं कर पाया, जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण रहे- लंबे समय तक कॉन्ग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में उलझाए रखा। दुनिया के बाजार से अलग-थलग रखा। कॉन्ग्रेस सरकार की नीतियों ने देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया।

पीएम मोदी ने कहा, भारत में जहाज निर्माण को मजबूत करने के बजाय, कॉन्ग्रेस ने विदेशी जहाजों को किराये पर लेना बेहतर समझा। परिणामस्वरूप, भारत का जहाज निर्माण तंत्र ध्वस्त हो गया और विदेशी जहाजों पर निर्भरता हमारी मजबूरी बन गई। इसके परिणाम गंभीर थे: पचास साल पहले, हमारा लगभग 40% व्यापार भारतीय जहाजों पर होता था, लेकिन आज यह आँकड़ा मुश्किल से 5% रह गया है। इसका मतलब है कि हमारे लगभग 95% व्यापार के लिए हम विदेशी जहाजों पर निर्भर हो गए, जिसकी देश को भारी कीमत चुकानी पड़ी।

पीएम मोदी ने कहा, 2047 तक हमें विकसित होना है तो भारत को आत्मनिर्भर होना ही होगा इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। 140 करोड़ देशवासियों का एक ही संकल्प होना चाहिए- चिप हो या शिप हमें भारत में ही बनाने होंगे। इसी सोच के साथ आज भारत समुद्री क्षेत्र भी नेक्स्ट जे-नरेशन रिफॉर्म करने जा रहा है। देश के समुद्री क्षेत्र को मजबूती देने के लिए एक बहुत ऐतिहासिक निर्णय हुआ है अब सरकार ने बड़े जहाजों को आधारभूत संरचना के रूप में मान्यता दे दी है।

पीएम मोदी ने कहा, आज भारत एक अलग मिजाज के साथ आगे बढ़ रहा है। हम जो लक्ष्य तय करते हैं उसे अब समय से पहले पूरा करके भी दिखाते हैं। सोलर सेक्टर में भारत अब अपने लक्ष्यों को चार-चार, पाँच-पाँच साल पहले हासिल कर रहा है। हमने समुद्री क्षेत्र में सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है। हमारी सरकार ने राष्ट्र के समक्ष पाँच समुद्री कानूनों को नए रूप में प्रस्तुत किया है। ये कानून शिपिंग क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव लाएँगे।

कार्यक्रम के दौरान समुद्री क्षेत्र से जुड़े कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स में 7870 करोड़ रुपए से भी अधिक का निवेश शामिल है। इनमें मुंबई में नया क्रूज टर्मिनल, कोलकाता और पारादीप में नए कंटेनर टर्मिनल और कांडला में नया कार्गो बर्थ शामिल हैं। ये सभी काम भारत के बंदरगाहों को और बेहतर बनाएँगे और समुद्री व्यापार को बढ़ावा देंगे।

इसके अलावा, पटना और वाराणसी में जहाज मरम्मत की सुविधाएँ भी बनाई जाएँगी। इससे न सिर्फ समुद्री व्यापार में मदद मिलेगी, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए मौके बनेंगे। इन परियोजनाओं से भारत के प्रमुख बंदरगाहों में बदलाव आएगा और इससे भारत में व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, समुद्री सुरक्षा भी मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में 26354 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया, जिसमें समुद्री परियोजनाओं के अलावा कई और महत्वपूर्ण योजनाएँ शामिल हैं। इनमें ग्रीन बायो-मेथनॉल और नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ी परियोजनाएँ हैं, जो भारत को ग्रीन एनर्जी की दिशा में मदद करेंगी। इसके अलावा, सड़कों, अस्पतालों और शहरी परिवहन के लिए भी कई परियोजनाएँ शुरू की जाएँगी, जैसे भावनगर और जामनगर में अस्पतालों का विस्तार और 70 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों को चार लेन में बदलना।

प्रधानमंत्री मोदी गुजरात में नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के लिए कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन भी किया। इनमें 600 मेगावाट की ग्रीन शू पहल, 475 मेगावाट की पीएम-कुसुम सोलर परियोजना और किसानों के लिए सौर ऊर्जा से जुड़े नए कार्यक्रम शामिल हैं। इसके साथ ही, स्वास्थ्य क्षेत्र में भी कई नई योजनाएँ शुरू की जाएँगी, जैसे भावनगर में सर टी जनरल अस्पताल और जामनगर में गुरु गोविंद सिंह सरकारी अस्पताल का विस्तार।

प्रधानमंत्री मोदी धोलेरा में बन रहे हरित औद्योगिक शहर का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। यहाँ एक नया स्मार्ट शहर बनाया जा रहा है, जो पर्यावरण के अनुकूल होगा। इसके बाद, वे लोथल में बन रहे राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर का दौरा करेंगे।

इस परिसर को भारत की पुरानी समुद्री धरोहर को बचाने और बढ़ावा देने के लिए 4500 करोड़ रुपए से बनाया जा रहा है। यह एक बड़ा पर्यटन और शिक्षा का केंद्र बनेगा, जहाँ लोग समुद्री इतिहास के बारे में जान सकेंगे।

दादा साहेब फालके...

भारत सरकार को ये घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि श्री मोहनलाल को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार 2023 प्रदान किया जाएगा। मोहनलाल की शानदार सिनेमैटिक जर्नी कई पीढ़ियों को प्रेरित करती है। इस महान एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर को भारतीय सिनेमा में उनके आइकॉनिक योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। उनकी बेजोड़ और बहुमुखी प्रतिभा और मेहनत ने भारतीय फिल्म इतिहास में एक स्वर्णिम मानक स्थापित किया है। ये अवॉर्ड 23 सितंबर, 2025 को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स सेरेमनी में प्रदान किया जाएगा।

पीएम मोदी ने मोहनलाल के साथ तस्वीर शेयर करते हुए ट्विटर पर लिखा, श्री मोहनलाल जी उत्कृष्टता और बहुमुखी प्रतिभा के प्रतीक हैं। दशकों के समृद्ध कार्य के साथ, वे मलयालम सिनेमा और रंगमंच के एक अग्रणी प्रकाश स्तंभ के रूप में जाने जाते हैं और केरल की संस्कृति के प्रति अत्यंत समर्पित हैं। उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी उल्लेखनीय अभिनय किया है। विभिन्न माध्यमों में उनकी सिनेमाई और नाट्य प्रतिभा वास्तव में प्रेरणादायक है। दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई। उनकी उपलब्धियाँ आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहें, यही कामना है। मोहनलाल ने अपने करियर में 350 से अधिक फिल्मों में काम किया है और उन्हें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 9 केरल राज्य पुरस्कार और अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। उनकी बेहतरीन फिल्मों में 'कीरीदम', 'भारत' (1991) 'दृश्यम' (2013), 'मणिचित्रथाजु' (1993) आदि शामिल हैं।

खालिस्तानियों पर...

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों एनएसए ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर उपयोगी चर्चा की, जिसमें आतंकवाद रोधी, अंतर-राष्ट्रीय संगठित अपराध से मुकाबला और खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान जैसे क्षेत्र शामिल हैं। बयान में कहा गया, दोनों एनएसए ने सुरक्षा सहयोग और मौजूदा संपर्क तंत्र को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने भविष्य के सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर भी चर्चा की और क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए।

गौरतलब है कि दोनों एनएसए के बीच यह बातचीत भारत और कनाडा द्वारा एक-दूसरे की राजधानी में राजदूत नियुक्त करने के तीन सप्ताह बाद हुई। 2023 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध के आरोप के बाद भारत-कनाडा संबंध सबसे खराब स्थिति में पहुंच गए थे।

पिछले साल अक्टूबर में भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था क्योंकि कनाडा ने उन्हें निज्जर मामले से जोड़ने की कोशिश की थी। भारत ने इतनी ही संख्या में कनाडाई राजनयिकों को भी देश से निकाल दिया था। हालांकि, अप्रैल में हुए संसदीय चुनाव में लिबरल पार्टी के नेता कार्नी की जीत से संबंधों को सुधारने की प्रक्रिया शुरू करने में मदद मिली।

ट्रैक निर्माण की...

संभावना है कि अगले महीने इंडिया पहुंच जाएगी। इस मशीन को यहां पर असेंबल किया जाएगा. जिसमें कुछ समय लगेगा और उसके बाद समुद्र के नीचे टनल बनाने का काम शुरू हो जाएगा. अभी करीब 5 किलोमीटर टनल की खुदाई का काम पूरा हो चुका है।

इस पूरे प्रोजेक्ट में 508 किमी. लंबा टनल बननी है, जिसमें केवल 21 किलोमीटर की लाइन अंडरग्राउंड है, बाकी एलिवेटेड है. पूरी लाइन में 12 स्टेशन बने हैं. प्रोजेक्ट का पहला स्टेशन बीकेसी (बांद्रा कुर्ला कांप्लेक्स) में अंडरग्राउंड बन रहा है. यहां से ट्रेन टर्मिनेट स्टेशन होगी और जहां से शुरू होगी। इसके बाद ट्रेन समुद्र के नीचे से होते हुए अगले स्टेशन में पहुंचेगी। रेल मंत्री ने बताया कि पूरा प्रोजेक्ट 2029 में तैयार हो जाएगा और मुंबई से बुलेट ट्रेन दौड़नी शुरू हो जाएगी।

कर्नाटक के...

तरह के संशोधनों पर निर्णय लेता है और फिर अनुमोदन प्राप्त करता है। 35000 में से केवल कुछ ने ही संशोधन की मांग की है और उन्हें मंजूरी मिल गई है. सरकार इसमें हस्तक्षेप नहीं करती है. इसके अलावा इन मंदिरों द्वारा अर्जित धन न तो सरकारी खजाने में आता है और न ही बाहर जाता है। इसका उपयोग केवल उसी मंदिर के विकास के लिए किया जाता है.

अधिकारियों ने कहा कि यह संशोधन कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 2002 के अनुसार एक नियमित अभ्यास था। प्रोटोकॉल के अनुसार, संशोधन के प्रस्ताव मंदिर प्रबंधन समितियों द्वारा शुरू किए जाते हैं, उपायुक्तों या कार्यकारी अधिकारियों द्वारा जांचे जाते हैं, और वरिष्ठ आगम विद्वानों के परामर्श से धार्मिक बंदोबस्ती आयुक्त द्वारा मंजूरी दी जाती है. हालांकि, विपक्ष के नेता आर। अशोक ने शनिवार को राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हिंदू मंदिरों, त्योहारों और उत्सवों में बाधाएं खड़ी करके किस तरह का आनंद मिलता है. और अब, राज्य भर के 14 प्रमुख मुजराई मंदिरों में सेवा शुल्क बढ़ाकर उन्होंने हिंदुओं को एक और झटका दिया है ।

दस साल में तीन....

जो 2,68,90,473 करोड़ रुपये था।राज्यों के सार्वजनिक ऋण में राजकोषीय बिलों, बांडों आदि के माध्यम से खुले बाजार से प्राप्त ऋण; भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बैंकों से प्राप्त ऋण; भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए), तथा भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) जैसे वित्तीय संस्थानों से प्राप्त ऋण शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजस्व प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में राज्यों का कुल ऋण 128 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2014-15) और 191 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2020-21) के बीच रहा। और इसी अवधि के लिए कुल गैर-ऋण प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में, यह 127 और 190 प्रतिशत के बीच रहा।

इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि औसतन, राज्यों का सार्वजनिक ऋण उनकी राजस्व प्राप्तियों/कुल गैर-ऋण प्राप्तियों का लगभग 150 प्रतिशत रहा है। इसी प्रकार, सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी के 17-25 प्रतिशत और औसतन जीएसडीपी के 20 प्रतिशत के बीच रहा है। वित्त वर्ष 2019-20 में जीएसडीपी के 21 प्रतिशत से वित्त वर्ष 2020-21 में 25 प्रतिशत तक 4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि, वित्त वर्ष 2020-21 में कोविड वर्ष होने के कारण जीएसडीपी में आई कमी के कारण है।

इसके अलावा 2020-21 से 2022-23 की अवधि के दौरान केंद्र सरकार से ऋण में वृद्धि जीएसटी क्षतिपूर्ति की कमी के बदले में लगातार ऋण और पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को ऋण के रूप में विशेष सहायता के कारण हुई।

सर्वपितृ अमावस्या पर राशि अनुसार करें दान और उपाय, पितर होंगे प्रसन्न, धन-दौलत में होगी वृद्धि

प्रत्येक वर्ष आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर सर्वपितृ अमावस्या पड़ती है। इसे सर्व मोक्ष अमावस्या भी कहा जाता है, जो पितृपक्ष का अंतिम दिन होता है। मान्यता है कि इस तिथि पर पितरों के नाम का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने से पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सर्वपितृ अमावस्या पर दान करने का भी बहुत विशेष महत्व होता है। अगर आप इस दिन अपनी राशि के अनुसार दान और उपाय करते हैं, तो इससे पितर प्रसन्न होते हैं और जातक के धन-दौलत में भी वृद्धि हो सकती है।

मेष – इस राशि के जातकों को सर्वपितृ अमावस्या तिथि पर लाल रंग की वस्तुएं जैसे- फल, वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। साथ ही, आप अपनी क्षमता के अनुसार भूमि या तांबे के बर्तन भी दान कर सकते हैं। मेष राशि के स्वामी ग्रह मंगल होते हैं। ऐसे में इन चीजों का दान करने से आपको बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। इस अमावस्या तिथि पर पितरों के नाम का भोजन गरीबों को भी कराना चाहिए।

वृषभ– इस राशि के स्वामी ग्रह शुक्र होते हैं। ऐसे में आपको सफेद रंग की वस्तुओं जैसे- चावल, खीर, दूध, वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। साथ ही, सर्वपितृ अमावस्या पर वृषभ राशि को कन्याओं को खीर खिलानी चाहिए। इससे आपके जीवन में सुख-समृद्धि आ सकती है।

मिथुन – आपकी राशि के स्वामी ग्रह बुध होते हैं। ऐसे में आपको इस अमावस्या तिथि पर आंवला, अंगूर, मूंग दाल आदि का दान करना चाहिए। हरे रंग की वस्तुओं का दान करने से आपको कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। वहीं, इस दिन पक्षियों को बाजरा भी जरूर खिलाना चाहिए।

कर्क – सर्वपितृ अमावस्या के दिन कर्क राशि को धान, जौ, नारियल आदि का दान करना चाहिए। आपकी राशि के स्वामी चंद्रमा होते हैं। ऐसे में इन चीजों का दान करने से आपको पुण्य फल प्राप्त हो सकता है। साथ ही, उपाय के तौर पर इस दिन 400 ग्राम साबुत बादाम बहते जल में प्रवाहित करना चाहिए। इसके बाद, गरीब लोगों को भोजन करना बेहद उत्तम माना जाता है।

सिंह – इस राशि के स्वामी ग्रह सूर्य होते हैं। ऐसे में सर्वपितृ अमावस्या तिथि पर सिंह राशि को खजूर, अन्न और अपनी क्षमता के अनुसार स्वर्ण दान करना चाहिए। साथ ही, इस दिन पितरों के नाम का श्राद्ध और तर्पण जरूर करना चाहिए। इससे पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

कन्या – सर्वपितृ अमावस्या पर कन्या राशि को गुड़, आंवला, हरे रंग के वस्त्र और मूंग की दाल का दान करना चाहिए। इस राशि के स्वामी ग्रह बुध होते हैं। ऐसे में हरे रंग से जुड़ी वस्तुओं का दान करना आपके लिए शुभ रहेगा। साथ ही, उपाय के तौर पर गरीब व जरूरतमंद लोगों को पितरों के नाम का भोजन जरूर कराना चाहिए।

तुला– इस राशि के स्वामी ग्रह शुक्र होते हैं। ऐसे में आपको इस अमावस्या तिथि पर सफेद वस्तुएं जैसे- फल, मिठाई, चावल, दूध आदि का दान करना चाहिए। ऐसा करने से जीवन के दुखों से राहत मिल सकती है। साथ ही, उपाय के तौर पर सर्वपितृ अमावस्या के दिन चींटियों को आटा जरूर खिलाएं।

वृश्चिक – सर्वपितृ अमावस्या तिथि पर वृश्चिक राशि वालों को दक्षिणा के साथ मिट्टी ढेले, मसूर दाल, लाल वस्त्र और गुड़ का दान करना चाहिए। साथ ही, उपाय के तौर पर इस दिन पितरों के नाम से पांच गरीब व्यक्तियों को दो रंग के कंबल या गर्म कपड़ों का दान करना चाहिए।

धनु – इस राशि के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं। ऐसे में सर्वपितृ अमावस्या पर धनु राशि को राम नाम लिखा हुआ वस्त्र, धार्मिक ग्रंथ, अंगोछा आदि का दान करना चाहिए। ऐसा करना बेहद अच्छा होता है। साथ ही, उपाय के तौर पर किसी मंदिर या तीर्थ स्थल के पाल गरीबों को भोजन कराना चाहिए।

मकर – सर्वपितृ अमावस्या पर मकर राशि के जातकों को काले तिल, तिल का तेल और छाया दान करना चाहिए। इस राशि के स्वामी शनिदेव होते हैं। ऐसे में इन वस्तुओं का दान करना आपके लिए सबसे उत्तम रहेगा। साथ ही, उपाय के तौर पर शनि मंदिर में जाकर दृष्टिहीन और दिव्यांग बच्चों या बड़ों को पितरों के नाम का भोजन कराना चाहिए। इससे आपको बेहद शुभ फल की प्राप्ति होगी।

कुंभ – इस राशि के स्वामी शनिदेव होते हैं। ऐसे में कुंभ राशि को सर्वपितृ अमावस्या तिथि पर काले तिल, तिल का तेल और तेल से बनी चीजों का दान करना चाहिए। साथ ही, उपाय के तौर पर आप 11 नारियल पितरों का नाम लेते हुए एक एक करके बहते जल में प्रवाहित कर दें। यदि पितरों के नाम याद न हों, तो आप कुल के सभी पितरों को याद करते हुए यह उपाय कर सकते हैं।

मीन – सर्वपितृ अमावस्या पर मीन राशि को धार्मिक पुस्तकों, पीले रंग की मिठाई, पीले वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। क्योंकि इस राशि के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं। ऐसे में पीली चीजों का दान करना आपके लिए उत्तम रहेगा। उपाय के तौर पर इस दिन गरीब व जरूरतमंद लोगों को दूध और मेवे से बनी चीजों का दान करना चाहिए।

मातामह श्राद्ध करने से मिलती है मातृ ऋण से मुक्ति

कल मातामह श्राद्ध

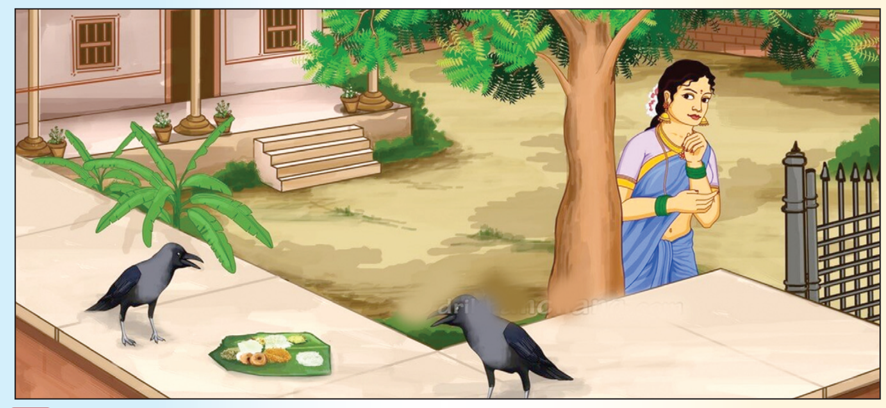

नवरात्रि स्थापना के साथ अधिकांश घरों में मातामह श्राद्ध किया जायेगा। सर्व पितृ और मातामह नाना, मातामही नानी का श्राद्ध आश्विन शुक्ल प्रतिप्रदा नवरात्रि के दिन करते है । मातामह श्राद्ध 22 सितंबर को होगा। संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर – जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि परिजनों की स्मृति में तर्पण और श्राद्ध कर्म की तिथि अनुसार करने की परंपरा है। संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। अक्सर मातामह श्राद्ध पितृ पक्ष की समाप्ति के अगले दिन होता है। इस बार 22 सितंबर को होगा। परंपरा है कि लोग अपनी संतान नहीं होने पर दत्तक गोद लेते थे ताकि मृत्यु के बाद वो पिंडदान कर सके। मान्यतानुसार दत्तक पुत्र दो पीढ़ी तक श्राद्ध कर सकता है।

शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी औरत के पिता का निकाला जाता है जिसका पति व पुत्र ज़िन्दा हो अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता। इस प्रकार यह माना जाता है कि मातामह का श्राद्ध सुख व शांति व सम्पन्नता की निशानी है। यहाँ यह बात गौर करने लायक़ है कि एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पिता और इसे वर्जित माना गया है लेकिन उसके मरने के बाद उसका तर्पण उसका दोहित्र (बेटी) करती है।

मातामह श्राद्ध में दूसरी पीढ़ी करती है तर्पण-पिंडदान

दिवंगत परिजन के घर में लड़का ना होए तो लड़की की संतान यानी नाती भी पिंडदान कर सकता है। मान्यतानुसार लड़की के घर का खाना नहीं खा सकते इसलिए मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है।

मातृ ऋण से मिलती है मुक्ति

इस दिन माता पक्ष यानी मां, नानी का श्राद्ध करने से मातृ ऋण से मुक्ति मिलती है और मां अपने कुल को वृद्धि, सुख-सौभाग्य व समृद्धि का आशीर्वाद देकर चली जाती हैं। मातामह श्राद्ध बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। जो लोग माता पक्ष का श्राद्ध नहीं करते, उनको मातृ दोष का भागी बनना पड़ता है। मातामह श्राद्ध का दिन परिवार की मातृ पितरों से जुड़ा हुआ है, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए इस दिन पिंडदान, तर्पण विधि और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं।

क्या होता है मातामह श्राद्ध

मातामह श्राद्ध एक ऐसा श्राद्ध है जो एक पुत्री द्वारा अपने पिता व एक नाती द्वारा अपने नाना को तर्पण के रूप में किया जाता है। इस श्राद्ध को सुख शांति का प्रतीक माना जाता है । यह श्राद्ध करने के लिए कुछ आवश्यक शर्तें है अगर वो पूरी न हो तो यह श्राद्ध नहीं किया जाता है। शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी महिला के पिता के द्वारा किया जाता है जिसका पति व पुत्र जिंदा हो। अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता। मातामह का श्राद्ध सुख व शांति व सम्पन्नता की निशानी है। यहाँ यह बात गौर करने लायक़ है कि एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पिता और इसे वर्जित माना गया है लेकिन उसके मरने के बाद उसका तर्पण उसका दोहित्र (बेटी) करती है।

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं?

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं? यह प्रश्न भ्रम की स्थिति उत्पन्न करता है। अमूमन देखा गया है कि परिवार के पुरुष सदस्य या पुत्र-पौत्र नहीं होने पर कई बार कन्या या धर्मपत्नी को भी मृतक के अंतिम संस्कार करते या श्राद्ध वर्षी करते देखा गया है। परिस्थितियां ऐसी ही हों तो यह अंतिम विकल्प है। इस बारे में हिंदू धर्म ग्रंथ, धर्म सिंधु सहित मनुस्मृति और गरुड़ पुराण भी महिलाओं को पिंड दान आदि करने का अधिकार प्रदान करती है।

श्राद्ध में ये तीन अत्यंत पवित्र माने जाते है

पुत्री का पुत्र अर्थात दौहित्र, कुतप समय, अर्थात अपरान्ह समय व तिल। श्राद्ध कर्म में ये तीन पवित्र माने गए है। सामान्यतः श्राद्ध कर्म में कभी क्रोध व जल्दबाजी नहीं करना चाहिए।शांति, प्रसन्नता व श्रद्धा पूर्वक किया कर्म ही पितरों को प्राप्त होता है। धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ सिद्धान्त शिरोमणि व अथर्वेद का मानना है कि श्राद्ध कर्म हमारे वेद शास्त्रों द्वारा अनुमोदित व विज्ञान सम्मत भी है। कन्यागत सूर्य में जो भोज्य सामग्री पितरों को दी जाती है वे समस्त स्वर्ग प्रदान करने वाली कही गयी है। पितृ पक्ष के ये सोलह दिन यज्ञों के समान है इस काल मे अपने पितरों की मृत्यु तिथि पर दिया गया भोजनादि पदार्थ अक्षय होता है अतः इस काल मे श्राद्ध ,तर्पण,दान, पुण्य आदि अवश्य करना चाहिए। इससे आयु, पुत्र, यश,कीर्ति,समृद्धि, बल, श्री,सुख,धन,धान्य की प्राप्ति होती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नवरात्रि व्रत के इन नियमों का रखें ख्याल जानें इन 9 दिनों में क्या करें और क्या न करें

शारदीय नवरात्रि का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। इन नौ दिनों के दौरान मां दुर्गा के अलग-अलग 9 रूपों की पूजा की जाती है। भक्त इस अवधि में विधि-विधान से माता रानी की पूजा और व्रत करते हैं। सच्चे मन से ऐसा करने से मां दुर्गा भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। बता दें कि इस बार शारदीय नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर, सोमवार से हो रहा है और इसका समापन 2 अक्टूबर दशमी तिथि के दिन हो जाएगा। व्रत का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए व्रती को महत्वपूर्ण नियमों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। जाने-अनजाने में कुछ गलतियां करने से आपका व्रत अधूरा रह सकता है।

नवरात्रि व्रत में क्या नहीं करना चाहिए :

नवरात्रि व्रत के दौरान क्रोध और नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए। वहीं, इस अवधि में किसी भी व्यक्ति बुराई करने और झूठ बोलने से भी बचना चाहिए।

व्रत रखने वालों को नवरात्रि में लकड़ी के तख्त या बेड पर नहीं सोना चाहिए। साथ ही, ज्यादा गुदगुदे गद्दे का प्रयोग भी नहीं करना चाहिए।

सामान्य तौर पर व्रती एक समय भोजन करके नवरात्रि के व्रत रखते हैं। अगर आप भी ऐसा ही करते हैं, तो बीच में फलाहार नहीं करना चाहिए। हालांकि, यह नियम उन लोगों पर नहीं लागू होता है जिन्हें शरीर से जुड़ी कोई समस्या हो।

अगर आपको बीच में किसी जरूरी यात्रा पर जाना हो तो ऐसे में व्रत रखने से बचना चाहिए क्योंकि, इस दौरान व्रत के नियमों का पालन करना मुश्किल हो सकता है।

जिन लोगों को शरीर से जुड़ी गंभीर समस्या है और उन्हें ऐसा लगता है कि उनका व्रत बीच में टूट सकता है, तो ऐसे में नवरात्रि का व्रत नहीं करना चाहिए।

नवरात्रि के व्रत के दौरान घर में तामसिक भोजन नहीं बनाना चाहिए। साथ ही, परिवार के सदस्यों को भी इस नियम का विशेष रूप से ख्याल रखना चाहिए।

व्रती को अपने भोजन में साधारण नमक का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इससे आपका व्रत बीच में टूट सकता है। व्रत के दौरान सेंधा नमक का ही प्रयोग किया जाता है।

नवरात्रि व्रत में क्या करना चाहिए :

व्रती को नवरात्रि में हमेशा सत्य बोलना चाहिए और अपने मन पर संयम रखकर इष्टदेव का ध्यान करना चाहिए।

नवरात्रि व्रत में ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इस दौरान अपने मन में क्षमा, दया, उदारता और उत्साह जैसे भाव रखने चाहिए। साथ ही, तामसी भावों को अपने मन में बिल्कुल नहीं आने देना चाहिए।

सप्तमी, अष्टमी या नवमी तिथि पर व्रत खोलते हैं, तो 9 कुंवारी कन्याओं को भोजन अवश्य कराएं। साथ ही, इस दिन माता रानी के नाम से हवन और पूजा करने का विधान भी होता है।

हर दिन सुबह और शाम के समय माता रानी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए और दीपक भी अवश्य जलाना चाहिए। इसके बाद ही किसी भी चीज का सेवन करें।

नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा व आरती करनी चाहिए। शास्त्रों के अनुसार नवरात्रि व्रत रखने कई प्रकार होते हैं। कई लोग इस दौरान केवल एक समय भोजन करते हैं, कुछ केवल फल खाते हैं, कुछ जल और कुछ तुलसी व गंगाजल का सेवन करते हैं। एक समय भोजन करने वालों को सेंधा नमक प्रयोग करना चाहिए।

नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती का पाठ जरूर करना चाहिए। आप हर दिन एक-एक चरित्र का पाठ कर सकते हैं। साथ ही, मां दुर्गा को रोजाना भोग जरूर लगाना चाहिए।

आज त्रिग्रह योग में सूर्यदेव बनाएंगे धनवान

आज यानी 21 सितंबर, रविवार के दिन सूर्य, बुध और चंद्रमा की युति से त्रिग्रह योग का संयोग बन रहा है। इस योग में सूर्यदेव की कृपा वृषभ, कर्क, धनु और कुंभ राशि पर रहेगी। नौकरी करने वालों का प्रमोशन हो सकता है और कार्यक्षेत्र में अपने हर काम में सफलता प्राप्त करेंगे। अटका पैसा वापस मिलेगा और व्यापार में धन लाभ के योग बनते जाएंगे। कानूनी मामलों में भी सफलता मिलेगी और धन कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। बिजनेस के मामले में बड़ी डील फाइनल होगी और यात्राओं के दौरान नए संपर्क बनाना फायदेमंद होगा। आर्थिक मामलों में भी लाभ कमाएंगे और अटके हुए सभी काम बनने लगेंगे। लव लाइफ में खुशियां आएंगी और परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

मेष : प्रमोशन की होगी चर्चा

कार्यस्थल पर काम अधिक होने से आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में आपको जीवनसाथी का भी पूरा सहयोग मिलेगा। वहीं, कार्यक्षेत्र में आपके प्रमोशन की चर्चा की जा सकती है। व्यापार के मामले में भी दिन अनुकूल रहेगा और कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी। परिवार में कुछ समय छोटे सदस्यों के साथ बिता सकते हैं।

वृषभ: हर काम में मिलेगी सफलता

यह दिन आपके लिए बेहद अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप जो भी काम पूरे उत्साह के साथ करेंगे, उसमें कामयाबी जरूर प्राप्त होगी। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा। आपके सभी काम बनते जाएंगे और अगर लंबे समय से आपका धन कहीं अटका हुआ था तो वह अब वापस मिल सकता है। लेकिन बिजनेस के मामले में कोई भी डील करने से पहले हर चीज की जांच जरूर कर लें।

मिथुन : जरूरी काम करने होंगे पूरे

अगर फाइनेंस से जुड़े मामले में बीच में अटके हैं तो आपको अब फैसले लेने पड़ सकते हैं। समय के कमी होने के चलते आपको जरूरी काम पूरे करने पर ध्यान देना होगा। व्यापार के मामले में कोई भी निवेश सोच-समझकर करें अन्यथा समस्या खड़ी हो सकती है। परिवार में किसी शुभ कार्य की चर्चा हो सकती है, जिसमें आप व्यस्त रहेंगे और शाम को शॉपिंग पर भी जा सकते हैं।

कर्क : बिजनेस में नई डील होगी फाइनल

आपको किसी बौद्धिक काम में सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, बिजनेस के मामले में कोई नई डील आपकी शर्तों के अनुसार फाइनल हो सकती है। कार्यक्षेत्र में प्रोजेक्ट समय पर पूरे होंगे, जिससे आप सुकून महसूस करेंगे। वहीं, नौकरी करने वाले अपने काम में व्यस्त रहेंगे और आप किसी धार्मिक स्थान पर यात्रा करने का प्लान भी बना सकते हैं।

सिंह : टीमवर्क से काम होगा आसान

कार्यक्षेत्र में आपको कुछ अच्छे और अनुभवी लोगों से प्रेरणा मिलेगा, जिससे मन खुश रहेगा। वहीं, ऑफिस में आपके टीमवर्क को सभी सहकर्मी अच्छी तरह समझ पाएंगे और वे आपकी मदद करने के लिए भी तैयार रहेंगे। अगर किसी कानूनी विवाद या झगड़े में फंसे थे तो अब आपको सफलता प्राप्त हो सकता है। शाम के समय जीवनसाथी के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं।

कन्या : रचनात्मक कार्यों में रहेगी रुचि

आपकी रचनात्मक कार्यों में ज्यादा रुचि रह सकती है। वहीं अपनी हॉबी को आगे बढ़ाने और करियर बनाने के बारे में विचार कर सकती हैं। इसी के चलते आपको कुछ धन लाभ होने की संभावना भी बनी हुई है। आप पैसों की समस्या का सामना भी कर सकते हैं। लेकिन बुद्धिमानी और समझदारी से यह परेशानी दूर हो जाएगी। इस समय किसी को उधार देने से बचें और उन्हें अपनी स्थिति बताएं।

तुला : जरूरी दस्तावेज तैयार रखें

ऑफिस में अकाउंट्स से जुड़े दस्तावेजों को आपको संभालकर रखना होगा। इनकी इस समय कभी भी जरूरत पड़ सकती है। वहीं, कार्यक्षेत्र में अपने स्टाफ पर नजर बनाए रखनी भी जरूरी होगी। आप अपने अच्छे व्यवहार से सभी का दिल जीत लेने में सफल रहेंगे। दिल और दिमाग के संतुलन से सफलता प्राप्त होगी। इससे आपका स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा।

वृश्चिक : कार्यक्षेत्र में योजनाएं बढ़ेंगी आगे

कार्यक्षेत्र में आपको अपनी योजनाओं और आइडियाज को आगे बढ़ाने का अवसर प्राप्त होगा। राजनीति के क्षेत्र में रुचि बढ़ सकती है। वहीं, आपकी मुलाकात किसी खास व्यक्ति से भी हो सकती है। हालांकि, आर्थिक मामलों में व्यय की स्थिति बनेगी। ऐसे में आपको आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। निजी जीवन में रिश्तों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा।

धनु : कड़ी मेहनत से मिलेगा लाभ

नौकरी करने वालों को ऑफिस में अपना काम पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी और भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। हालांकि, आपको इसका लाभ जरूर प्राप्त होगा। अपनी मेहनत से आपको उन्नति के रास्ते मिल सकते हैं। वहीं, व्यापार के मामले में सोच-समझकर फैसले लेने से फायदा होगा और लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ता गहरा होगा।

मकर : एक-एक करके पूरे होंगे काम

कार्यक्षेत्र में आपको अपने जरूरी कार्यों को निपटाना पड़ सकता है। साथ ही, ज्यादा समय घर के रोजमर्रा के काम को पूरा करने में भी लगेगा। ऐसे में एक-एक करके सभी काम पूरे करने से आपको संतुष्टि महसूस होगी। कानूनी मामलों में किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले हर पहलू को सावधानी से जरूर समझ लें, अन्यथा परेशानी हो सकती है।

कुंभ : व्यापार में नए संपर्क से होगा लाभ

व्यापार के मामले में आप दिन कि शुरुआत से ही किसी शुभ समाचार का इंतजार कर सकते हैं। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। इस दौरान नए लोगों से मेलजोल बनाना और संपर्क बनाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। बिजनेस में आपकी कोई डील भी फाइनल हो सकती है। साथ ही, यात्रा के दौरान आपकी मुलाकात किसी खास व्यक्ति से होने की संभावना है।

मीन : समझदारी से पाएंगे सफलता

दिन की शुरुआत में कामकाज से जुड़ी किसी बात को लेकर आप थोड़ा परेशान रह सकते हैं। लेकिन दोपहर में वही बातें आपको प्रसन्नता दे सकती हैं। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर अपनी जगह बनाने के लिए समझदारी से काम करने होंगे। बुद्धिमानी से किए कार्यों से आपको सफलता जरूर मिलेगी। वहीं, बिजनेस के मामले में आपको किसी डील के बारे में फैसला लेना रहेगा।

फिल्म जटाधारा के अभिनेता सुधीर बाबू ने भगवान शिव की पेंटिंग के रूप में अपनी कलात्मक श्रद्धांजलि पेश की

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर लेकर आ रहे हैं बहुप्रतीक्षित महाकाव्यात्मक स्पेक्टेकल जटाधारा। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म अपने दमदार टीज़र और पोस्टर के लॉन्च के बाद से ही चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया है। इस बीच, लीड स्टार सुधीर बाबू ने सबको चौंकाते हुए अपनी छिपी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया-भगवान शिव की एक अद्भुत पेंटिंग बनाकर। अभिनेता ने इस कलाकृति का अनावरण फिल्म की रिलीज़ डेट 7 नवंबर 2025 के साथ किया। इस विशेष कदम ने फिल्म को लेकर रोमांच और भी बढ़ा दिया है।

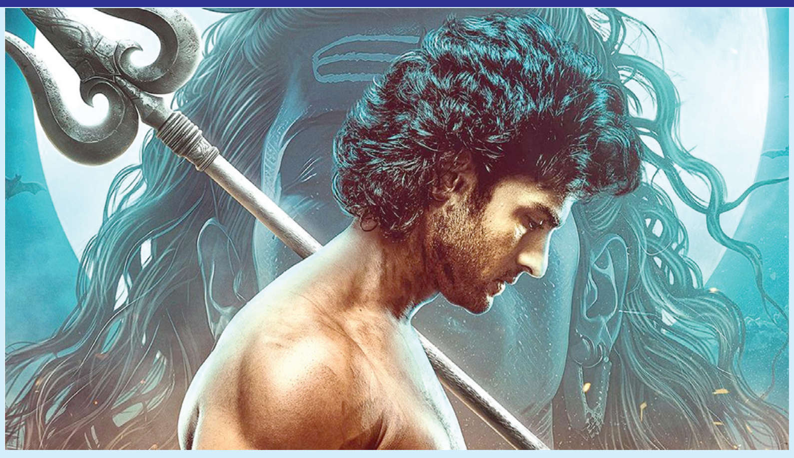

जटाधारा की आत्मा भगवान शिव की दिव्य प्रेरणा में निहित है, वे जो संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी, रूपांतरण की परम शक्ति। इसी भाव को प्रतीकात्मक रूप देने के लिए सुधीर बाबू ने स्वयं महादेव की एक शक्तिशाली पेंटिंग बनाई। गहरे नीले रंगों में गढ़ी गई यह कलाकृति भगवान शिव के ध्यानमग्न स्वरूप को दर्शाती है, जहाँ उनका पवित्र तीसरा नेत्र उनकी आंतरिक शक्ति और ब्रह्मांडीय ऊर्जा को प्रकट करता है।

यह पेंटिंग मात्र कला नहीं है; यह जटाधारा की आत्मा का प्रतिबिंब है। जैसे शिव स्वयं विनाश और पुनर्जन्म के प्रतीक हैं, वैसे ही यह फिल्म शक्ति, भक्ति और आत्मोन्नति की एक महाकथा बनने का वादा करती है। इस पेंटिंग के अनावरण के साथ सुधीर बाबू ने दर्शकों को उस कथा की झलक दी है, जहाँ दिव्य पौराणिकता और सिनेमाई भव्यता एक साथ आती हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। फिल्म का सह-निर्माण अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा ने किया है, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी हैं। फिल्म का दमदार साउंडस्केप ज़ी म्यूज़िक को ने सँभाला है।

कृष्णा श्रॉफ बनीं छोरियां चली गांव की दमदार दावेदार, जैकी श्रॉफ ने मांगा फैंस से सपोर्ट

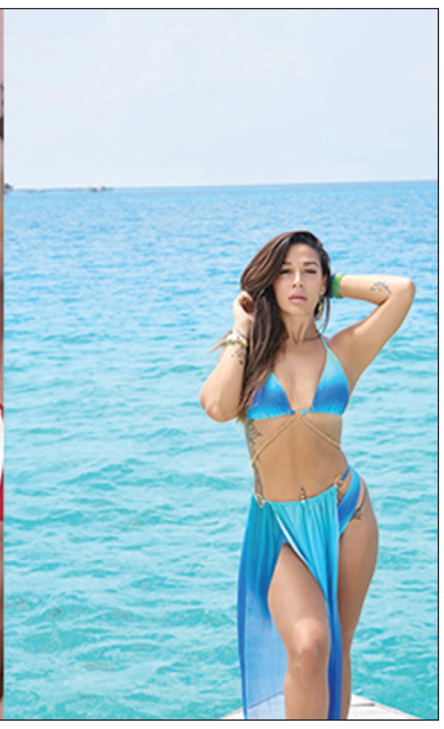

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ की लाडली कृष्णा श्रॉफ इन दिनों जी टीवी के पॉपुलर रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव' में नजर आ रही हैं। अभिनेता ने शनिवार को कृष्णा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।वीडियो में कृष्णा दर्शकों से सीधा अपील करती नजर आ रही हैं, जिसमें वह अपनी मेहनत और पैशन को बयां करते हुए कहती हैं, आप सबने मेरा सफर देखा है। अगर आप मुझे जीतते हुए देखना चाहते हैं, तो मुझे सपोर्ट कीजिए। मैं यहां तक पूरी कोशिश और मेहनत से आई हूं। अगर आपको मेरा जज्बा पसंद आया, तो वोट देकर मुझे बनाइए गांव की फेवरेट छोरी। वीडियो को जी5 ऐप के जरिए वोटिंग लिंक के साथ शेयर किया गया है, जहां फैंस आसानी से अपना प्यार बरसा सकते हैं।

जैकी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, जाइए कृष्णा को जी5 के जरिए वोट कीजिए, 'छोरियां चली गांव' हर रोज रात 10 बजे सिर्फ जी टीवी पर। छोरियां चली गांव शो का कॉन्सेप्ट अनोखा है। कृष्णा ने शो में जाने से पहले आईएएनएस से बातचीत की थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि यह शो उन्हें उनके पिता और अनुभवी अभिनेता जैकी श्रॉफ के उन अनुभवों के करीब लाएगा, जिन्हें उन्होंने गांव में भी जिया है।

जब कृष्णा से पूछा गया कि उस पर उनके पिता की प्रतिक्रिया कैसी थी, तो उन्होंने कहा, वे सबसे ज्यादा उत्साहित हैं। उन्हें सादगी से भरा जीवन बहुत पसंद है। इसलिए जब उन्हें पता चला कि मैं ऐसे रिएलिटी शो में जा रही हूं, जिसमें गांव की जिंदगी दिखेगी, तो वे बहुत खुश हुए। मुझे लगता है कि इस शो के बाद मैं उनके जीवन के उस नजरिए को और अच्छी तरह समझ पाऊंगी। नया रियलिटी शो छोरियां चली गांव जी टीवी पर प्रसारित हो रहा है। इसमें 11 शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी जीकर अलग तरह का अनुभव करेंगी। इस शो को रोडीज फेम रणविजय सिंघा होस्ट कर रहे हैं।

टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर बोलीं नायरा बनर्जी

हफ्ते में एक दिन की छुट्टी जरूरी

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे लंबे समय तक शूटिंग करने से कलाकारों की सेहत, नींद और परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है।नायरा बनर्जी ने कहा है कि एक्टर्स को अच्छा काम तभी मिल सकता है जब वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। हफ्ते में एक दिन की छुट्टी या कम से कम आधे दिन का ब्रेक जरूरी होना चाहिए ताकि कलाकार अपने परिवार, निजी जिंदगी और खुद के लिए समय निकाल सकें।

उन्होंने बताया कि बिना आराम के कोई भी कलाकार अपने किरदार को पूरी ऊर्जा और भावनाओं के साथ नहीं निभा सकता।

नायरा बनर्जी ने कहा, टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि ना सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं।

उन्होंने कहा कि वह अब समझदारी से प्रोजेक्ट्स चुनती हैं और किसी भी तरह के दबाव में आकर काम नहीं करना चाहतीं।

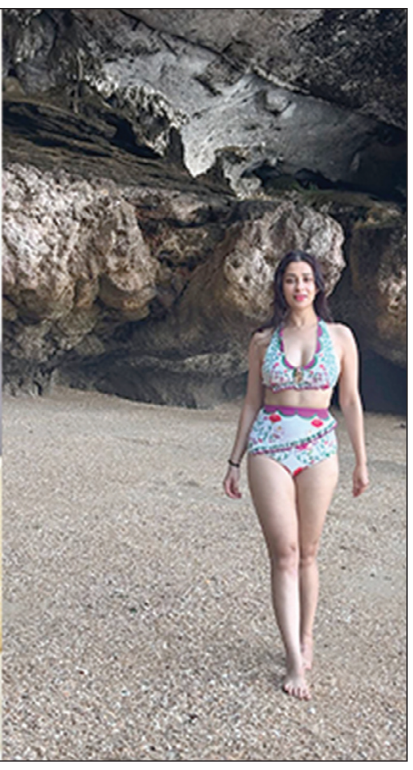

अपने करियर के बारे में बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, ''मैं खुद को लकी मानती हूं क्योंकि मुझे कभी किसी एक छवि में नहीं बांधा गया। इंडस्ट्री में अक्सर एक्टर्स को टाइपकास्ट कर दिया जाता है, लेकिन मैंने टीवी, साउथ इंडियन फिल्म्स और वेब सीरीज तीनों में काम किया है। इसी वजह से मुझे कभी सिर्फ टीवी एक्ट्रेस या साउथ एक्ट्रेस नहीं कहा गया। मैंने हर मीडियम में काम करके खुद को साबित किया है।''

नायरा बनर्जी का मानना है कि आज के समय में हर प्लेटफॉर्म की अपनी खास ऑडियंस है। उन्होंने कहा, मुझे एक्टिंग से प्यार है, और मैं हर उस काम को करना चाहती हूं जो मुझे एक कलाकार के रूप में चुनौती दे। चाहे वह वेब सीरीज हो, फिल्म हो या टीवी शो, अगर कंटेंट अच्छा है और किरदार में दम है, तो मैं जरूर उस प्रोजेक्ट को चुनूंगी। मैं चाहती हूं कि मेरा काम हर तरह के दर्शकों तक पहुंचे और हर क्षेत्र में अलग पहचान मिले।

डायना पेंटी के कैजुअल लुक से इंटगरनेट का पारा चढा

अभिनेत्री डायना पेंटी इन दिनों अपने ओटीटी डेब्यू वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में डायना ने ब्लू डेनिम स्कर्ट-टॉप पहना, जो उनके स्लिम फिगर को परफेक्टली हाइलाइट कर रहा है। लुक को और भी आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने मिनिमल मेकअप किया है, जो उनकी सादगी भरी खूबसूरती को उभार रहा है। वहीं, कानों में बड़े-बड़े ईयरिंग से उनका कैजुअल लुक और भी आकर्षक बन गया है।

तस्वीरों की बात करें तो पहली तस्वीर में वह स्कर्ट की डेंट स्माइल के साथ कैमरे को देखते हुए पोज दे रही हैं। दूसरी में वह कमर में हाथ रखकर स्टाइलिश अंदाज में मुड़ते हुए देख रही हैं। तीसरी तस्वीर में डायना सीधे कैमरे की ओर देख रही हैं। बाकी तस्वीरों में वह अलग-अलग एंगल्स से पोज देती नजर आ रही हैं, कभी लेग्स क्रॉस करके सीढ़ियों पर, तो कभी वॉल के सहारे लीन होकर।

तस्वीरों को पोस्ट कर अभिनेत्री ने लंबा-चौड़ा कैप्शन लिखने की जगह बस ब्लू कलर का हार्ट इमोजी ऐड किया है, जो कि उनके ड्रेस से मेल खा रहा है।

उनकी इस तस्वीरों को कई यूजर ने लाइक किया है और फैंस ने ब्यूटीफुल और गॉर्जियस जैसे कमेंट किए हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी हालिया रिलीज वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर है, जिसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला, और रणविजय सिंह जैसे स्टार्स शामिल हैं। डू यू वाना पार्टनर की कहानी दो सहेलियों के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो खुद का अल्कोहल ब्रांड लॉन्च करने के लिए पार्टनर बन जाती हैं। इन्हीं में से एक सहेली का रोल डायना पेंटी प्ले कर रही हैं। यह सीरीज उनकी ओटीटी डेब्यू सीरीज भी है।

नोरा फतेही ने यो यो हनी सिंह के साथ मिलकर आई एम सो रिच गीत गाया

नोरा फतेही ने हाल ही में अपनी नई घोषणा से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। यह ग्लोबल स्टार एक बार फिर मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह के साथ मिलकर 'आई एम सो रिच' में अपनी आवाज़ देने के लिए रिकॉर्डिंग बूथ में कदम रख रही हैं। यह ट्रैक हनी सिंह के बहुप्रतीक्षित आने वाले एलबम का हिस्सा होगा, जो इसे इस साल की सबसे रोमांचक रिलीज़ में से एक बना देता है।नोरा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर रिकॉर्डिंग स्टूडियो की एक झलक शेयर की, जिसमें उन्हें हेडफोन लगाए गाने की लाइनें गुनगुनाते हुए देखा जा सकता है। स्टोरी में लिखा था - रिकॉर्डिंग आई एम सो रिच लोडिंग, और इसके साथ ही सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। इस उत्साह में और इज़ाफा करते हुए, यो यो हनी सिंह ने खुद नोरा की स्टोरी को रीशेयर किया और अपने अंदाज़ में उनकी तारीफ की। उन्होंने एक बड़ा सरप्राइज भी दिया - नोरा इस गाने में पंजाबी में गा रही हैं।

उन्होंने लिखा: वो पंजाबी में गा रही हैं दोस्तों इस खुलासे ने फैंस को और भी ज्यादा उत्साहित कर दिया, और वे अब नोरा की पंजाबी गायकी को लेकर काफी उत्सुक हैं। यह पहली बार नहीं है जब ये दोनों कलाकार साथ आ रहे हैं - इससे पहले भी वे रिकॉर्ड तोड़ हिट 'पायल' में साथ काम कर चुके हैं। लेकिन आई एम सो रिच कुछ खास है। जहां नोरा को हमेशा उनके शानदार डांस मूव्स और स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए सराहा गया है, वहीं इस बार वे एक कदम आगे बढ़कर म्यूज़िक की दुनिया में अपनी आवाज़ से भी अपनी छाप छोड़ रही हैं।

यह गाना नोरा की ग्लोबल अपील और हनी सिंह की सिग्नेचर बीट्स का जबरदस्त मेल होगा। वहीं दूसरी ओर, नोरा फतेही और और रेवान्नी का इंटरनेशनल हिट गाना-'ओह मामा! तेतेमा' अभी भी ग्लोबल चार्ट्स पर छाया हुआ हैं। साथ ही, वह बड़े पर्दे पर भी धमाल मचाने को तैयार हैं - जहां वे कांचना 4 में लीड रोल निभा रही हैं और कई आगामी प्रोजेक्ट्स की तैयारी कर रही हैं। आई एम सो रिच के साथ, नोरा फतेही की बहुमुखी स्टारडम और भी निखरने वाला है।

प्राजक्ता कोली ने ब्लैक क्रॉप टॉप में ढाया कहर

मशहूर इंफ्लूएंसर और अभिनेत्री प्राजक्ता कोली अक्सर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट से फैंस के बीच सुर्खियों में बनी रहती हैं। इस बीच उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट की।अभिनेत्री की लेटेस्ट इंस्टाग्राम तस्वीरें उनके फैशन सेंस को शानदार तरीके से दिखा रही हैं। इन तस्वीरों में उन्होंने काले रंग की आउटफिट पहनी है, जिसमें एक क्रॉप टॉप और मैचिंग पैंट शामिल हैं। यह क्रॉप टॉप उनकी कर्वी फिगर को हाइलाइट कर रहा है और ट्राउजर का स्लिम फिट उनकी हाइट को और भी आकर्षक बना रहा है। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल मेकअप और सनग्लासेस के साथ पूरा किया, जो उनकी नेचुरल चमक को और बढ़ा रहा है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री ने रोमांटिक ड्रामा सीरीज 'मिसमैच्ड' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसके बाद वह फिल्म 'जुग जुग जियो' में भी नजर आईं थीं। उनका खुद का यूट्यूब चैनल भी है, जिसकी वजह से उन्होंने लोगों के बीच अच्छी पहचान बनाई थी।

उनकी हालिया रिलीज सीरीज अंधेरा थी, जिसके 8 एपिसोड थे। इस सीरीज में प्राजक्ता के साथ सुरवीन चावला, प्रिया बापट और करणवीर मल्होत्रा के साथ वत्सल सेठ, परवीन डबास और प्रणय पचौरी भी अहम किरदारों में थे। इसकी कहानी गौरव देसाई, राघव दर, चिंतन सरडा और करण अंशुमान ने मिलकर लिखी है। वहीं, इसका निर्देशन राघव दर ने किया है।

अंधेरा मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें इंस्पेक्टर कल्पना कदम और मेडिकल स्टूडेंट जय की कहानी दिखाई गई है, जो एक लापता व्यक्ति के केस में उलझ जाते हैं। यह केस उन्हें शहर में छिपी एक भयावह शक्ति की ओर ले जाता है। यह सीरीज क्या होगा अगर अंधेरा जीवित हो जाए? जैसे काल्पनिक सवाल की खोज करती है। एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और राघव दार द्वारा निर्देशित यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

सेवा शिविरों में आमजन की आवश्यकताओं के काम हो रहे पूरे : भजनलाल

बांसवाड़ा।, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सहित सम्पूर्ण आदिवासी क्षेत्र में गरीब कल्याण एवं विकास योजनाओं के माध्यम से स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। जिससे उनका जीवनस्तर भी बेहतर बन रहा है। उन्होंने कहा कि वागड़ के बुनियादी विकास के लिए डबल इंजन की सरकार कृतसंकल्पित है।

शर्मा ने शनिवार को बांसवाड़ा के कुशलबाग क्रिकेट स्टेडियम में शहरी सेवा शिविर का अवलोकन तथा निक्षय पोषण किट का वितरण किया। उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से हमारी सरकार प्रदेश में शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन कर रही है। इन शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का संकल्प साकार हो रहा है तथा जनोपयोगी कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार 'राजस्थान धर्मांतरण विरोधी विधेयक' लाई है। इस कानून से बहला फुसलाकर तथा जबरन धर्मांतरण जैसे मामलों पर अंकुश लगेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान एक राष्ट्रीय संकल्प है। इसलिए किसी भी व्यक्ति को खांसी, बुखार, वजन कम होना, सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत शिविरों में जाकर जांच करवाकर इलाज लें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत माताओं-बहनों को शिविरों में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर समेत एनीमिया, टीबी और सिकल सेल जैसी बीमारियों की जांच भी की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि शहरी सेवा शिविर में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र तत्काल बन रहे हैं। साथ ही, पेंशन योजनाओं में नाम दर्ज कराने से लेकर राशन कार्ड बनवाने तक, सभी काम शिविरों में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहरों की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। ब्लैक स्पॉट खत्म करने और सड़कों, नालियों तथा सीवर लाइनों की मरम्मत करने जैसे कार्य भी इन शिविरों के तहत करवाए जा रहे हैं। बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को ठीक किया जा रहा है, नमो पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर में स्वामित्व योजना के तहत स्वामित्व पट्टे देने तथा किसान गिरदावरी एप द्वारा गिरदावरी करवाने जैसे कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण की सुविधा भी उपलब्ध हो रही है। साथ ही, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, छात्रावासों व सड़कों की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्य भी इन शिविरों में किए जा रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध हो रहा है। किसान सम्मान निधि एवं गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना से किसानों एवं पशुपालकों को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी तथा देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना के तहत छात्राओं को स्कूटी एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सप्ताह में 5 दिन दूध भी वितरित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी मरीजों के परिजनों को निक्षय पोषण किट वितरित की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लाभार्थियों को चैक सौंपे। साथ ही, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभार्थी को बीमा पॉलिसी तथा खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थी को प्रमाण पत्र सौंपा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने शहरी सेवा शिविर के लाभार्थियों से संवाद कर विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान श्री शर्मा ने सभी से अपील करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़े का लाभ उठाएं और अपने आस-पास के लोगों को भी इन शिविरों से जोड़ें। कार्यक्रम में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन के पश्चात 8840 नए मतदान केन्द्रों को भारत निर्वाचन आयोग की स्वीकृति: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

जयपुर , 20 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रदेश में मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन के पश्चात 8840 नए मतदान केन्द्रों को भारत निर्वाचन आयोग ने स्वीकृति दी है। इस तरह राज्य में अब 61309 बूथ हो जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या को 1200 तक रखे जाने के लिए निर्देशित किया गया है। राज्य के 200 विधानसभा क्षेत्रों में 17829 मतदान केंद्र ऐसे थे जिनमे मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक थी। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1200 से अधिक मतदाताओं वाले समस्त मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन किया जाना है, जिसके तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में मतदान केंद्र के पुनर्गठन प्रस्तावों को स्वीकार कर 8840 नए मतदान केन्द्रों की स्वीकृति प्रदान कर दी गयी। इस तरह राज्य में अब 61309 बूथ हो जाएंगे। इन सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गयी है।

राज्य में जिलेवार मतदान केंद्रों की स्थिति इस प्रकार है।

नियमों की व्याख्या आमजन को त्वरित राहत दिलाने की सोच के साथ होनी चाहिए : वैभव गालरिया

जयपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान लेखा सेवा परिषद, जयपुर ने पारंपरिक वरिष्ठता-आधारित प्रणाली से आगे बढ़ते हुए शनिवार को एक अभिनव पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव, वित्त विभाग ने संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कानून, नियम या प्रावधान की व्याख्या करते समय हमें सरकार के बड़े उद्देश्य और जनकल्याण को प्राथमिकता में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे सुप्रीम कोर्ट भी संविधान और कानून का इंटरप्रिटेशन करता है, वैसे ही हमें अपने स्तर पर नियमों की व्याख्या आमजन को त्वरित राहत

दिलाने और योजनाओं को धरातल पर शीघ्र लागू करने की सोच के साथ करनी चाहिए।प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सेवा का नाम बदलने के बिंदु पर विभाग द्वारा विचार किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर आयोजन के लिए साधुवाद दिया और विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

परिषद अध्यक्ष ललित वर्मा ने कहा कि अब समय की आवश्यकता है कि अधिकारियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहित किया जाए। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए परिषद द्वारा राजस्थान लेखा सेवा अधिकारियों के लिए मंथन-2025 विशेष प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई।

प्रभु अरिष्टनेमी व पार्श्वनाथ भगवान की आराधना से करेंगे विश्व शांति एवं जन कल्याण की कामना

भीलवाड़ा, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

धर्मनगरी भीलवाड़ा की पावन धरा पर असीम आध्यात्मिक उर्जा से सराबोर कर देने वाले जिस अनूठे आयोजन का लंबे समय से इन्तजार किया जा रहा था वह आ पहुंचा है। विश्व शांति एवं जन कल्याण की मंगलकामना से अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति भीलवाड़ा द्वारा श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक समिति सुभाषनगर के तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय महामंगलकारी अनुष्ठान समिति के प्रायोजन में रविवार सुबह 7 बजे से चौबीस घंटे का भगवान श्री अरिष्टनेमी श्री पार्श्वनाथ महामंगलकारी अनुष्ठान का आयोजन शुरू हो जाएगा। है। आरसी व्यास कॉलोनी में गेट न.33 के पास स्कूल के नजदीक ग्राउण्ड में पूर्णतया जैन विधि से होने वाले निःशुल्क महामंगलकारी अनुष्ठान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। अनुष्ठान के लिए विशाल वाटरप्रूफ डोम तैयार किया गया है। इस दौरान अनुष्ठान में भाग लेने वाले करीब दो हजार श्रावक श्राविकाओं को तीर्थंकर अरिष्टनेमी भगवान की 180 माला एवं तीर्थंकर पार्श्वनाथ

भगवान की 100 माला फेरनी होगी। अनुष्ठान सामग्री आयोजन समिति द्वारा सुबह 5.15 से 6.15 बजे तक साधकों को उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक साधक को तय स्थान पर बैठकर साधना करनी होगी। सुबह 7.30 से 8 बजे तक स्वर साम्राज्ञी महाप्रज्ञाजी म.सा. द्वारा अनुष्ठान स्रोत पाठ होगा। इसके बाद वास्तुशिल्पी पद्मकीर्तिजी म.सा. द्वारा संकल्प विधि कराई जाएगी। महामंगलकारी अनुष्ठान में प्रथम नवकार महामंत्र के प्रथम कलश की स्थापना समारोह अध्यक्ष मध्यप्रदेश सरकार के वरिष्ट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय करेंगे। इसके साथ ही बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रोफेशनल भी इस आयोजन में शामिल होकर आत्मिक साधना करेंगे। महामंगलकारी अनुष्ठान की पूर्णाहुति 22 सितम्बर सोमवार सुबह 7.15 बजे होगी। पूर्णाहुति समारोह में मुख्य अतिथि भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल होंगे। साध्वी कुमुदलताजी ने बताया कि इस अनुष्ठान आयोजन का उद्देश्य जीवन में खुशहाली लाने के साथ हर प्रकार का तनाव दूर करना है। जिनके जीवन में राहु केतु की दशा लगी हुई उनके लिए भी ये अनुष्ठान बहुत लाभकारी एवं मंगलमय होगा। इस दौरान राहु ग्रह की शांति के लिए भगवान अरिष्टनेमी की 180 माला ओर केत ग्रह की शांति के लिए भगवान पार्श्वनाथ की 100 माला साधक फरेंगे। साधकों को इस महामंगलकारी अनुष्ठान में शामिल होकर परमात्मा की आराधना करते हुए जीवन को खुशहाल बनाने एवं कर्म निर्जरा करने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। इस अनुष्ठान में शामिल होने के लिए जैन के साथ बड़ी संख्या में जैनोत्तर समाज के व्यक्तियों ने भी पंजीयन कराया है। पंजीयन कराने वाले भक्तगणों के नवकारसी एवं भोजन की व्यवस्था भी आयोजन समिति द्वारा की गई है।

अग्रवाल वैश्य समाज ने प्रदेश सरकार से समाज को लेकर रखी 6 मांगे

जींद, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार पहली बार प्रदेश स्तर पर महाराजा अग्रसेन जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर रही है। पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में होने वाले इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे जबकि प्रदेश के राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल समारोह की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में समाज की एकता, संस्कृति और संगठनात्मक शक्ति का

अद्भुत परिचय मिलेगा।

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश महासचिव बलराम गुप्ता ने समाज के लोगों से इस समारोह में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता करने का अमानत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर समाज की शक्ति और एकजुटता का परिचय देना चाहिए। इससे समाज की आने वाली पीढ़ियों को सामाजिक एकता का संदेश मिलेगा।अग्रवाल वैश्य समाज के महासचिव राजेश सिंगला ने इस कार्यक्रम को लेकर प्रदेश के शहरी निकाय एवं साक्षर मंत्री विपुल गोयल को एक पत्र लिखकर 6 मांगे उनके सामने रखी हैं और कहा है कि अग्रसेन जयंती के कार्यक्रम में इन मांगों पर विचार किया जाना चाहिए।

13 साल बाद हरियाणा स्टेट ओलम्पिक गेम्स 2025 की वापसी

चंडीगढ़ , 20 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को नई उड़ान देने की तैयारी तेज हो गई है। प्रदेश में 13 वर्षों के लम्बे अंतराल के बाद हरियाणा राज्य में हरियाणा स्टेट ओल-म्पिक गेम्स 2025 आयोजित होने जा रहे हैं। हरियाणा सरकार ने खेल कोटे से 477 के करीब सरकारी नौकरियों को बैकलॉग से भरने का फैसला लिया है जोकि प्रदेश के सारे खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर है। इसकी सारी जानकारी www.IndianChess.org से देखी जा सकती है। 23 सितम्बर 2025 को हरियाणा ओलम्पिक संघ (एचओए) की बैठक के बाद चयन प्रक्रिया शुरू होगी और खिलाड़ियों के ट्रायल होगे। यह राज्य के खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी सौगात मानी जा रही है।

पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि राजनीतिक विवादों के चलते 13 वर्षों से स्थगित हरियाणा स्टेट ओलम्पिक गेम्स अब नवंबर 2025 में होंगे।

हमारा लक्ष्य रोजगार मांगने वाला नहीं, रोजगार देने वाला युवा बल तैयार करना है : सैनी

चंडीगढ़, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प से ही भारत विकसित राष्ट्र बन सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा संकल्प है जो हमें आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहा है। यही भारत की असली ताकत है और इसी ताकत को पहचानते हुए पीएम मोदी ने स्वदेशी का नारा दिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी शनिवार को पंचकूला स्थित भाजपा कार्यालय पंचकमल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में हुई इस कार्यशाला को राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के अलावा संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में प्रदेश महामंत्री एवं मंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया सहित सांसद, विधायक, मंत्री, जिलों के अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी तथा आत्म निर्भर भारत संकल्प की टीम मौजूद रही।

कार्यशाला में बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 25 सितंबर से लेकर 25 दिसंबर तक आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान चलेगा। इस अभियान की चर्चा हर गली और घर-घर तक पहुंचनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की यह कार्यशाला न केवल हमें एक साथ जोड़ती है, बल्कि हमें पीएम मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देती है। नायब सैनी ने कहा कि हमारे सामने विकसित भारत 2047 का विजन है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने गुलामी की बेड़िया तोड़ी, अब हमारी बारी है कि हम आर्थिक गुलामी की जंजीरों को काटकर एक आत्मनिर्भर, सशक्त समृद्ध भारत की नींव रखे। श्री सैनी ने कहा कि यह एक ऐसा विजन है जहां हर नागरिक सशक्त हो, जहां हर युवा को रोजगार मिले और हमारी अर्थव्यवस्था विश्व के सामने अपने कदम मजबूती से आगे बढ़ा सके। उन्होंने कहा कि हमें हर नागरिक में यह विश्वास पैदा करना है कि हम खुद से आगे बढ़ सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्म निर्भर ''सुराज''का भी आधार है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस स्वराज का सपना देखा था, उसे सुराज में बदलने के लिए हम पिछले 11 सालों से लगातार कोशश कर रहे हैं। इस ''सुराज'' का मार्ग पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने दिखाया था और वे आजीवन इसके लिए काम करते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि स्वदेशी ही आत्मनिर्भरता का मूल आधार है। सीएम ने कहा कि मेक इन इंडिया, लोकल फॉर वोकल, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहल देश को नई उंचाईयों पर लेकर जा रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। चीज़ों के होने का इंतज़ार मत कीजिए– बाहर निकलें और नए मौक़ों की तलाश करें। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

योग और ध्यान आपको बेडौल होने से बचाने और मानसिक तौर पर सेहतमंद रखने में मददगार साबित होंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। परिवार के साथ रिश्ते–नातों में नयी जान डालने का सही समय है। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत अच्छी रहेगी। जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आप महसूस करेंगे कि आपके जीवनसाथी में शहद से भी ज़्यादा मिठास है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। अगर आप अपने काम पर ध्यान एकाग्र करें, तो आप अपनी उत्पादकता दोगुनी कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। जिन्हें भावनात्मक संबल की ज़रूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दि–क़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपका अड़ियल स्वभाव आपके मा–ता–पिता का चैन छीन सकता है। आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। आपको बढ़िया परिणामों को पाने के लिए अपनी तरफ़ से बेहतरीन प्रयास करने की आवश्यकता है। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। कोई पुराना दोस्त अपने साथ आपके जीवनसाथी के पुराने यादगार क़िस्से लेकर आ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। आपके फ़ैसले में माता–पिता की मदद अहम साबित होगी। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। जीवन का आनंद लेने के लिए आप–को अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आ–वश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। व्यावसायिक फ़ैसलों को लेने के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 सितंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 01:25 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी प्रातः 09:33 तक
योग : शुभ रात्रि 07:52 तक
करण : चतुष्पाद दोपहर 12:48 तक
चन्द्रराशि : सिंह सायं 03:58 तक
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:13 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:16 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:09 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:04 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सर्वपितृ अमावस्या श्राद्ध , देवकार्य अमावस्या

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लु महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंचीं गयाजी, विष्णुपद मंदिर में किया पितरों का पिंडदान और श्राद्धकर्म

गयाजी (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला अपने 17वें दिन पर है और 21 सितंबर तक इसका समापन होगा। आज श्राद्ध का 14वां दिन है, जिसे वैतरणी सरोवर तर्पण और गौदान के लिए विशेष माना जाता है।

मान्यता है कि इस दिन वैतरणी वेदी पर स्नान और तर्पण करने से पिंडदानी के 21 कुलों का उद्धार होता है।

इसी क्रम में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को गया पहुंचीं। उन्होंने विष्णुपद मंदिर परिसर में अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना को लेकर विधि-विधान से

पिंडदान किया। गर्भगृह में जाकर राष्ट्रपति ने पूजा-अर्चना भी की।

राष्ट्रपति विशेष विमान से गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरीं और वहां से सख्त सुरक्षा के बीच सड़क मार्ग से विष्णुपद मंदिर पहुंचीं। एयरपोर्ट से मंदिर तक पूरे मार्ग पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर आम लोगों का आवागमन अस्थायी रूप से रोक दिया गया। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया और निर्धारित मार्ग पर सामान्य वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया।

राष्ट्रपति के पिंडदान के लिए जिला प्रशासन ने मंदिर परिसर में विशेष इंतज़ाम किए। एल्यूमिनियम फैब्रिकेटेड हॉल में तीन अलग-अलग कक्ष बनाए गए, जिनमें से एक में राष्ट्रपति ने अपने परिजनों के साथ पिंडदान किया। इस दौरान गयापाल पुरोहित राजेश लाल कटरियार के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। यह पहला अवसर है जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गया पहुंचकर अपने पूर्वजों का पिंडदान किया।

समस्तीपुर में बिहार अधिकार यात्रा के दौरान तेजस्वी बोले

नया बिहार बनाने का समय आ गया

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार अधिकार यात्रा के तहत शुक्रवार की देर शाम नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जितवारपुर कॉलेज मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मौजूदा नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा और जनता से नए बिहार के निर्माण के लिए साथ आने की अपील की। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य केवल राजनीतिक संदेश देना नहीं है, बल्कि यह युवाओं की बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा, किसानों और मजदूरों के सम्मान, उद्योग-कारखानों की स्थापना जैसे मुद्दों पर बड़ा अभियान है। उन्होंने कहा कि बिहार में आज भी विकास और रोजगार का अभाव सबसे बड़ी समस्या है और इसी को लेकर वे जनता के बीच पहुंचे हैं।

नीतीश सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, इयह सरकार पूरी तरह विफल है और जनता इससे त्रस्त हो चुकी है। यह लाठी-डंडे की सरकार है। लोग कह रहे हैं '2025 बहुत हुए नीतीश'। जनता बदलाव चाहती है और यह बदलाव निश्चित तौर पर होगा।

सभा में मौजूद लोगों से नया बिहार बनाने के लिए सहमति मांगते हुए तेजस्वी ने हाथ उठवाकर समर्थन लिया। इस मौके पर स्थानीय विधायक व बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि बिहार की जनता तेजस्वी यादव को भविष्य के मुख्यमंत्री के रूप में देख रही है और बदलाव अब तय है। वहीं, राजद जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती ने कहा कि नीतीश सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और चुनाव के बाद बिहार में महागठबंधन की सरकार बनेगी।

कार्यक्रम से पूर्व तेजस्वी यादव का अभूतपूर्व स्वागत किया गया। स्थानीय विधायक शाहीन ने उन्हें केवस लखखी चौक से 750 मोटरसाइकिल और 25 घोड़ों के काफिले के साथ रिसीव किया। जितवारपुर चौक पर करीब एक दर्जन जेसीबी मशीनों से उन पर फूलों की वर्षा की गई। साथ ही मिथिला की परंपरा के अनुसार भी उनका स्वागत हुआ।

मशरूम उत्पादन को लेकर बिहार सरकार का बड़ा फैसला, मिलेगी सब्सिडी युक्त बिजली की सुविधा

पटना (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार में मशरूम की खेती एक महत्वपूर्ण कृषि गतिविधि के रूप में तेजी से उभर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मशरूम उत्पादन, कम्पोस्ट उत्पादन और स्पॉन इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। अब इन इकाइयों को वाणिज्यिक दरों की जगह कृषि बिजली कनेक्शन का लाभ मिलेगा।

विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पहले मशरूम इकाइयों को वाणिज्यिक बिजली कनेक्शन के अंतर्गत रखा गया था, जिससे किसानों की लागत बढ़ रही थी और मुनाफा घट रहा था। किसानों की इस समस्या को देखते हुए अब मशरूम, कम्पोस्ट और स्पॉन उत्पादन इकाइयों को कृषि श्रेणी की बिजली सुविधा मिलेगी। इससे उत्पादन लागत कम होगी और किसानों की आय बढ़ेगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मशरूम उत्पादन कम भूमि में किया जा सकता है और इसका पोषण एवं आर्थिक मूल्य अधिक है। यही कारण है कि यह लघु व सीमांत किसानों, महिलाओं और ग्रामीण युवाओं के लिए आय का सशक्त साधन बनता जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस पहल से बिहार देश के अग्रणी मशरूम उत्पादक राज्यों में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा।

विजय कुमार सिन्हा ने टोपलैंड क्षेत्रों के किसानों के लिए भी राहत की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बिहार में बड़ी संख्या में किसान सामान्य टोपोलैंड, असर्वेक्षित टोपोलैंड और नदी के दियारा क्षेत्र में खेती करते हैं। दियारा क्षेत्र की भूमि अक्सर नदी में समाहित हो जाती है, जिससे स्थायी सेटलमेंट संभव नहीं हो पाता। ऐसे किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार टेंपररी सेटलमेंट की प्रक्रिया लागू करेगी। इससे उन्हें अस्थायी रूप से भूमि का उपयोग करने का अधिकार मिलेगा और वे योजनाओं का लाभ उठा पाएंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार विद्युत नियामक आयोग भी इस प्रक्रिया में सहयोग करेगा। यह कदम न केवल मशरूम उत्पादन क्षेत्र को स्थिरता देगा, बल्कि राज्य में कृषि विविधीकरण और किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

बिहार चुनाव के पहले पटना मेट्रो, फिर दीघा से कंगन घाट तक गंगा में चलेगी वाटर मेट्रो

पटना (एजेंसियां)। पटना में वाटर मेट्रो सेवा शुरू करने के लिए पर्यटन विभाग बिहार सरकार और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के बीच 19 सितंबर 2025 को गुजरात के भावनगर में एक महत्वपूर्ण समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुआ है। इस पहल का उद्देश्य पटना शहर में पर्यटन अनुकूल शहरी जल परिवहन प्रणाली का विकास और संवर्धन करना है, जिससे नागरिकों को सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकूल और आधुनिक परिवहन विकल्प उपलब्ध होंगे।

इस परियोजना के तहत अत्याधुनिक हाइब्रिड इलेक्ट्रिक कैटामरान जलयान 'एमवी निशादराज' जैसे पोत संचालित किए जाएंगे, जो बैटरी और हाइब्रिड मोड दोनों में चलने में सक्षम हैं। यह जलयान न केवल शून्य कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित

करेगा बल्कि इसकी क्षमता करीब 100 यात्रियों की है, जिनमें 2 व्हीलचेयर उपयोगकर्ता भी शामिल हैं। इसमें यात्रियों के लिए पूरी तरह से वातानुकूलित और आरामदायक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

भावनगर, गुजरात में आयोजित एक भव्य समारोह में केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल तथा मनसुख मांडविया की उपस्थिति में 908 करोड़ रुपए की लागत से शहरी जल मेट्रो परियोजना के विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर आईडब्ल्यूएआई के चेयरमैन सुनील कुमार सिंह और पर्यटन विभाग की ओर से बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंद किशोर ने हस्ताक्षर किए। पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह ने बताया कि यह परियोजना पटना शहर में पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी। यह शहरी परिवहन क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे पटना के नागरिकों व पर्यटकों को जलमार्ग के माध्यम से पर्यटन की नई स्मार्ट, सुरक्षित व टिकाऊ यात्रा सुविधा का अनुभव मिलेगा।

पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि शहरी वाटर मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत पटना में दीघा घाट से लेकर कंगन घाट तक वाटर मेट्रो का संचालन किया जाएगा। इस मध्य वाटर मेट्रो दीघा पर्यटन घाट से खुलकर एनआईटी घाट, गायघाट होते हुए कंगन घाट तक जाएगी। इसका पटना से शीघ्र ही ट्रायल किया जाएगा। भविष्य में दस और स्थान चिन्हित किए जाने हैं, जिससे शहर के वाटर पर्यटन सिस्टम में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है और प्रदूषण एवं यात्रा समय में कमी आएगी। साथ ही, यह पहल पर्यटन और स्थानीय विकास को भी नई दिशा देगी। पटना देश के 18 चुनिंदा शहरों में शामिल है जहाँ दक्ष और आधुनिक शहरी जल परिवहन प्रणाली विकसित की जा रही है।

सीएम नीतीश कुमार ने वर्चुअल रियलिटी थियेटर का किया शुभारंभ, इंजीनियरिंग के टॉपर्स को भी दिया सम्मान

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज तारामंडल, पटना में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में विज्ञान प्रदर्शनी बस को हरी झंडी दिखाकर राज्यव्यापी भ्रमणशील विज्ञान बस सेवा का शुभारंभ किया।

यह बस बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर छात्र-छात्राओं को विज्ञान के प्रति जागरूक करेगी तथा उन्हें वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराएगी।

इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। इस क्रम में तारामंडल, पटना में एस्ट्रो पार्क के निर्माण कार्य की शुरुआत एवं स्मारिका

बिक्री केंद्र का उद्घाटन किया गया।

मुख्यमंत्री ने शिलापट्ट का अनावरण कर वर्चुअल रियलिटी थियेटर का उद्घाटन किया। तारामंडल के मुख्य भवन में 5.6 करोड़ की लागत से निर्मित इस थियेटर में विज्ञान और तकनीक से संबंधित अद्भुत अनुभव की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने थियेटर की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली और स्वयं वहां बैठकर इसका अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के पासआउट इंजीनियरिंग छात्र-छात्राओं को डिग्रियां दीं। उन्होंने विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले सुमन कुमार (मैकेनिकल इंजीनियरिंग, मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग) को 50,001 का चेक, स्वर्ण पदक, लैपटॉप, प्रशस्ति पत्र एवं बी.टेक. की उपाधि देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पटना एवं बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय, पटना के संयुक्त तत्वावधान में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत एम.टेक. (जियोइन्फॉर्मेटिक्स) पाठ्यक्रम का बिहार रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर, पटना में शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान तारामंडल, पटना में टेलीस्कोप सहित एक ऑब्जर्वेटरी डोम के निर्माण हेतु बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद के बीच एक समझौता ज्ञापन (चेण) पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही तारामंडल परिसर में एक इंटर्नशिप पोर्टल का भी उद्घाटन किया गया।

नातिन के जन्मदिन की खुशी बदली मातम में

रिटायर्ड आर्मी नाना की सड़क हादसे में मौत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मझौलिया एनएच 28 क्षेत्र में एक दुखद सड़क हादसा हुआ, जिसमें 70 वर्षीय उदय शंकर सिंह की मौत हो गई। मृतक रिटायर्ड आर्मी पर्सन थे और बापूधाम जिले के रहने वाले थे। वर्तमान में वह सदर थाना क्षेत्र के भीखनपुर में रहते थे। घटना उनके नातिन के जन्मदिन की पार्टी के बाद हुई। बताया गया कि उदय शंकर सिंह यू बी टावर मझौलिया चौक पर बर्थडे पार्टी में शामिल होने के बाद घर के बाहर टहल रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों ने बताया कि देर शाम भोजन के बाद वह टहलने गए थे, लेकिन जब काफी देर तक वापस

नहीं लौटे तो बाहर जाकर उन्हें मृत पाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी। सदर थाना की पुलिस ने कहा कि सड़क दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि दुर्घटना किस वाहन की वजह से और कैसे हुई।

प्रशांत किशोर का आरोप : अशोक चौधरी ने खरीदी 200 करोड़ की संपत्ति

मंत्री का जवाब- अनाप-शनाप बोल रहे पीके

पटना (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के बाद अब जनत दल यूनाईटेड के नेता और बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी पर प्रशांत किशोर ने बड़ा आरोप लगा दिया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि अशोक चौधरी ने 200 करोड़ की बेनामी संपत्ति खरीदी है। इधर, मंत्री अशोक चौधरी ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रशांत किशोर अनाप-शनाप बोल रहे हैं। मैंने मानहानि का नोटिस भेजा है, इसलिए बौखलाहट में हैं। अब दोनों नेताओं के इन बयानबाजी से बिहार की सियासत गरमा गई है।

प्रशांत किशोर ने शुक्रवार शाम को प्रेस वार्ता के दौरान अशोक चौधरी पर कई आरोप लगाए। कहा कि अशोक चौधरी मुख्यमंत्री के दाहिने हाथ हैं और इन्होंने बिहार में भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बना दिए हैं। इन्होंने अपने पर्सनल सेक्रेटरी योगेंद्र दत्त के नाम पर साल 2019 में 23 कट्ठा जमीन खरीदा गया। योगेन्द्र दत्त ने दो साल बाद उस जमीन को अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी के नाम 34 लाख रुपये में

ट्रांसफर कर दिया। लेकिन उनको अकाउंट से सिर्फ 10 लाख रुपये दिए गए। बाद में इनकम टैक्स के नोटिस पर इन्होंने 27 अप्रैल 2025 को इनकम टैक्स नोटिस से बचने के लिए योगेंद्र दत्त को 25 लाख रुपये फिर ट्रांसफर किए? प्रशांत किशोर ने बड़ा आरोप लगाते हुए कि अशोक चौधरी की पुत्री शांभवी चौधरी की जब सगाई हुई, उसके बाद स्वर्गीय किशोर कुणाल के परिवार से जुड़े मानव वैभव विकास ट्रस्ट के माध्यम से करीब 200 करोड़ रुपये की जमीन खरीदी है। हमारे पास इस ट्रस्ट के खिलाफ सबूत नहीं है, लेकिन शांभवी चौधरी के सायन कुणाल से सगाई के बाद ही इस ट्रस्ट के माध्यम से जमीनों की खरीद की गई। पिछले दो साल में सगाई से शादी के बीच कुल 38.44 करोड़ रुपये की पांच जमीनें खरीदी गई जिसका चेक से पेमेंट किया गया। इन सभी जमीनों का मालिकाना हक अशोक चौधरी और ट्रस्ट से जुड़े लोगों के पास हैं।

प्रशांत किशोर ने सवाल पूछते हुए कहा कि अशोक चौधरी को बताना चाहिए कि इस ट्रस्ट से उनका क्या लेना देना है? अगर कोई लेना देना नहीं है तो ट्रस्ट से जुड़ी अनीता जी जो किशोर कुणाल की पत्नी हैं, उनके अकाउंट से अशोक चौधरी की पत्नी के अकाउंट में रुपये क्यों ट्रांसफर हुए हैं? यह सब रिकॉर्ड हमारे पास है। साथ ही इस ट्रस्ट से जुड़े लोगों जिनमें अनिता जी, पूर्व ब्यूरोक्रेट जियालाल आर्या और मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की माताजी जैसे लोग भी हैं, उनको बताना चाहिए कि ट्रस्ट के माध्यम से अचानक हाल के दिनों में इतनी जमीन की खरीद क्यों की गई है?

इधर, मंत्री अशोक चौधरी ने प्रशांत किशोर के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर बौखलाहट में हैं। वह सिर्फ झूठे आरोप लगा रहे हैं। इनका साक्ष्य वह दे ही नहीं सकते हैं। मैंने कुछ गलत नहीं किया है। मेरा सबकुछ जनता जानती है। सब कुछ पब्लिक डोमेन में है। मैं हर साल आईटी रिटर्न दाखिल करता हूं। मैंने अपनी कोई संपत्ति नहीं छिपाई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com